९३२४१७६७६९ ▶वर्षः ३२, अंक १०१, मुंबई, सोमवार ३ जून २०२४ ▶पेज १६ ▶मूल्यः ₹ ३ एम.सी.डब्ल्यू/१६६/२०१८-२०

दोपहर का
संस्थापक संपादक : बाल ठाकरे
सामना

गृहमंत्री अमित शाह का डेंजरस गेम!

मतदान के बाद दी देश के

१५० डीएम को धमकी!

कांग्रेस नेता जयराम रमेश का सनसनीखेज आरोप

चुनाव आयोग ने मांगा तथ्यों का विस्तृत ब्योरा

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव जीतने के लिए भाजपा किसी भी हद तक जा सकती है। पता चला है कि आखिरी चरण का मतदान खत्म होने के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने एक बड़ी हिमाकत करते हुए देश के १५० डीएम को फोन पर धमकी दी है। गृहमंत्री के इस डेंजरस गेम ने लोगों को हैरान कर दिया है। इस बात का सनसनीखेज खुलासा कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने किया है। इस सिलसिले में अब चुनाव आयोग भी एक्टिव मोड में आ गया है। अब चुनाव आयोग ने जयराम रमेश से इस बारे में तथ्यों का विस्तृत ब्योरा मांगा है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए अपनी बात कही है।

बता दें कि कांग्रेस नेता जयराम रमेश के आरोप ने पूरे राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। हर कोई यही पूछ रहा है कि क्या अमित शाह ने ऐसा किया है? हालांकि, इस बारे में चुनाव आयोग ने कहा है कि अभी तक किसी भी जिलाधिकारी ने किसी भी तरह के 'अनुचित दबाव' बनाए जाने की सूचना नहीं दी है। आयोग ने कांग्रेस नेता रमेश से अपने आरोप के समर्थन में विवरण मांगा है, ताकि कार्रवाई की जा सके।

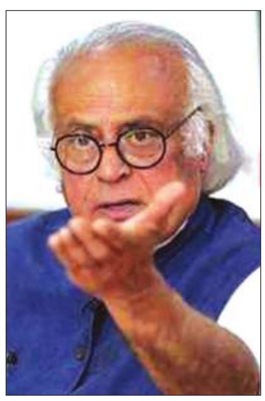

जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा- 'निवर्तमान गृहमंत्री आज सुबह से जिला कलेक्टर्स से फोन पर बात कर रहे हैं। अब तक १५० अफसरों से बात हो चुकी है। अफसरों को इस तरह से खुल्लमखुल्ला धमकाने की कोशिश निहायत ही शर्मनाक है एवं अस्वीकार्य है। याद रखिए कि लोकतंत्र जनादेश से चलता है, धमकियों से नहीं। ४ जून को जनादेश के अनुसार श्री नरेंद्र मोदी, श्री अमित शाह व भाजपा सत्ता से बाहर होंगे एवं 'इंडिया' गठबंधन विजयी होगा।

'मोदी इस खेल के मास्टरमाइंड!'

सुनियोजित एग्जिट पोल पर रमेश का हमला

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एग्जिट पोल को सुनियोजित बताया। उन्होंने 'इंडिया' गठबंधन की जीत का दावा करते हुए कहा कि मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी इस खेल के मास्टरमाइंड हैं। वे तीन दिनों तक 'आत्ममुग्ध' बने रह सकते हैं। जिस शख्स का चार जून को बाहर निकलना निश्चित है, उसने ये एग्जिट पोल सुनियोजित किए हैं। 'इंडिया' गठबंधन को निश्चित रूप से न्यूनतम २९५ सीटें मिलेंगी, जो स्पष्ट और निर्णायक बहुमत है। ये सभी मनोवैज्ञानिक खेल हैं जिसके पीएम मास्टरमाइंड हैं, लेकिन वास्तविक परिणाम बहुत अलग होंगे।

अफसरों को करनी चाहिए संविधान की रक्षा! -पेज २

सामना एंकर

मुंबई में महायुति की मिट्टी पलीद!

महानगर में सिर्फ १ सीट मिलने का अनुमान

५ सीटों पर महाविकास आघाड़ी काफी आगे

पुणे बेस्ड एजेंसी 'रुद्रा रिसर्च एंड एनालिसिस' के सर्वे का खुलासा

सामना संवाददाता / मुंबई

मुंबई में महायुति ने जीत का जोरदार दावा किया है मगर एक सर्वे एजेंसी ने उसकी मिट्टी पलीद कर दी है। पुणे बेस्ड एजेंसी 'रुद्रा रिसर्च एंड एनालिसिस' के अनुसार, मुंबई में ५ सीटों पर महाविकास आघाड़ी काफी आगे है और उसकी प्रचंड जीत होगी, जबकि महायुति को सिर्फ १ सीट मिलने का अनुमान लगाया गया है।

बता दें कि लोकसभा चुनाव के परिणाम को लेकर पूरे देश में एग्जिट पोल के नतीजे चाहे जो भी आए हों, लेकिन देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में तो भाजपा और उसके गद्दार सहयोगियों का सफाया होता हुआ दिखाई दे रहा है।

प्रतिद्वंद्वियों से काफी आगे हैं... -पेज २

पेज 3

एग्जिट पोल है धंधा!

- जिनकी खाएंगे रोटी, उनकी बजाएंगे ताली
- संजय राउत का जोरदार हमला

बड़े दल इन एग्जिट पोल करनेवाली कंपनियों को पैसे देते हैं। फिर ये पैसे मिलने पर नंबर घुमा देते हैं। इन शब्दों में शिवसेना नेता व सांसद संजय राउत ने जोरदार हमला बोला है।

पेज 2

प्रदूषण पर लगाम लगाने का फरमान

'तंदूर' लो अंदर!

होटलों पर चला मनपा का हंटर

मुंबई में बढ़ते प्रदूषण से अब मनपा भी चिंतित हो उठी है। इसकी गाज उन होटलों पर गिरी है, जो अपना तंदूर बाहर रखते हैं। उन्हें तंदूर होटल के अंदर रखने का फरमान जारी किया गया है।

पेज 9

यूपी में कहर ढा रही गर्मी

पूर्वांचल में ४०० लोग पहुंचे अस्पताल

पूरे देश में जोरदार गर्मी पड़ रही है। यूपी की हालत कुछ ज्यादा ही खराब है। सिर्फ पूर्वांचल में ही ४०० लोग हीट स्ट्रोक के शिकार होकर अस्पताल पहुंच चुके हैं।

पेज 2

बापू को श्रद्धांजलि देकर और बजरंगबली का आशीर्वाद लेकर

'तिहाड़' लौट गए केजरीवाल!

२१ दिनों की अवधि खत्म होने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कल जेल वापस लौट गए। इसके पहले उन्होंने बापू को श्रद्धांजलि दी और बजरंगबली का आशीर्वाद लिया।

दोपहर का सामना ९३२४१७६७६९ सोमवार ३ जून २०२४ 2

प्रदूषण पर लगाम लगाने का फरमान
'तंदूर' लो अंदर!

- होटलों पर चला मनपा का हंटर
- बात नहीं मानी तो लगेगा दंड

सामना संवाददाता / मुंबई

पिछले कुछ वर्षों से महानगर मुंबई में प्रदूषण का ग्राफ तेजी बढ़ा है। इसे लेकर मनपा चिंतित हो गई है। अब प्रदूषण नियंत्रण के नाम पर मनपा ने उन होटलों के लिए एक फरमान जारी किया है, जो होटल के बाहर तंदूर रखते हैं और उस पर खाना पकाते हैं। प्रदूषण पर लगाम लगाने के अभियान के तहत उन होटलों को तंदूर होटल के अंदर लेने को कहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, मनपा ने साफ कहा है कि यदि होटलों ने अपना तंदूर अंदर नहीं लिया तो उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यहां तक कि नियमों का उल्लंघन करने वाले होटलों के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे सील करने की कार्रवाई की जाएगी। मनपा ने इस संदर्भ में 'आहार' (इंडियन होटल्स एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन) को एक नोटिस जारी किया है। अतिरिक्त मनपा आयुक्त डॉ. सुधाकर शिंदे ने पुष्टि की है कि मनपा ने 'आहार' को नोटिस जारी कर रेस्टोरेंट मालिकों से होटल-रेस्टोरेंट के बाहर तंदूर का इस्तेमाल बंद करने को कहा है। मनपा अधिकारी के अनुसार, प्रदूषण कम करने के दिशा-निर्देशों के तहत मनपा ने होटलों के बाहर तंदूरों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। नोटिस में कहा गया है कि महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) ने सभी होटलों व रेस्टोरेंटों के प्रवेश द्वार पर या परिसर के बाहर तंदूर लगाने के संबंध में दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के अनुपालन और पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित में यह नोटिस जारी की गई है। इन निर्देशों का पालन न करने पर मुंबई मनपा दंडात्मक कार्रवाई करेगी। 'आहार' संस्था के एक पदाधिकारी ने बताया कि एसोसिएशन को हाल ही में मनपा से तंदूरों के बारे में नोटिस मिली है और हमने अपने सदस्यों को इसके बारे में सूचित कर दिया है। महानगर में प्रदूषण रोकने के लिए मनपा ने निर्माण स्थलों और उद्योगों को दिशा-निर्देशों के पालन के लिए जोर दिया है। हमने होटलों का दौरा करना शुरू कर दिया है। मनपा के एक अधिकारी ने कहा कि अगर इसके बाद भी तंदूर हटाने के मामले में कोई बदलाव नहीं आया तो मामला दर्ज कर उक्त होटल व रेस्तरां को सील करने की कार्रवाई की जाएगी।

बापू को श्रद्धांजलि देकर और बजरंगबली का आशीर्वाद लेकर
'तिहाड़' लौट गए केजरीवाल!

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम जमानत खत्म होने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रविवार को तिहाड़ जेल लौट गए। जेल लौटने के लिए घर से निकलने से पहले उन्होंने अपने माता-पिता का आशीर्वाद लिया। उसके बाद उन्होंने पहले राजघाट स्थित महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की और फिर कनॉट प्लेस में हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद केजरीवाल ने राउज एवेन्यू रोड स्थित पार्टी कार्यालय में नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

> **भगत सिंह फांसी पर चढ़ गए थे तो मैं भी फांसी पर चढ़ने को तैयार हूं। मेरे शरीर की एक-एक बूंद इस देश के लिए है। हर पल देश के लिए है एक-एक कतरा देश के लिए है।**

राजघाट पर केजरीवाल के साथ उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता थे, जिनमें दिल्ली के मंत्री कैलाश गहलोत, आतिशी और सौरभ भारद्वाज, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और संदीप पाठक समेत अन्य नेता शामिल थे। मुख्यमंत्री अपराह्न करीब तीन बजे राजघाट पहुंचे। गौरतलब है कि जेल से जमानत पर रिहा होने के बाद भी कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर दर्शन के लिए पहुंचे थे। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुझे सुप्रीम कोर्ट ने २१ दिनों की मोहलत दी थी। मैं उनका तहेदिल से बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं। मैंने २१ दिन में से १ मिनट भी खराब नहीं किया, यह मेरे लिए बहुत विस्मरणीय है। मैंने सारी पार्टियों के लिए प्रचार किया। देश को बचाने के लिए प्रचार किया। देश महत्वपूर्ण है और पार्टी दूसरे नंबर पर है। इस प्रचार के दौरान सबसे बढ़िया बात यह हुई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कबूल किया कि उनके पास मेरे खिलाफ रत्तीभर भी सबूत नहीं है। १०० करोड़ की रिश्वत की बात की जाती थी, वह १०० करोड़ रुपया कहां गया? भगत सिंह फांसी पर चढ़ गए थे तो मैं भी फांसी पर चढ़ने को तैयार हूं। मेरे शरीर की एक-एक बूंद इस देश के लिए है। हर पल देश के लिए है एक-एक कतरा देश के लिए है। ४ तारीख को मंगलवार है, भला करेंगे बजरंगबली। बजरंगबली का मेरे और पार्टी के ऊपर बहुत आशीर्वाद है। मैं बजरंगबली से प्रार्थना करने गया था यह। बजरंगबली मेरे देश को बचा लो। सारे एग्जिट पोल फर्जी हैं, मेरे से लिखवा लो। एक एग्जिट पोल वाले ने भाजपा को २५ में से ३३ सीट दे दी। असली मुद्दा यह है कि गिनती से ३ दिन पहले फर्जी एग्जिट पोल करने की क्या जरूरत थी।

अफसरों को करनी चाहिए संविधान की रक्षा!
देश के जिलाधिकारियों को जयराम रमेश की सलाह

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

गृह मंत्री अमित शाह ने मतदान खत्म होने के बाद देशभर के १५० जिलाधिकारियों को फोन करके उन्हें धमकी दी है। इस तरह का सनसनीखेज आरोप कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने लगाया है। रमेश ने 'एक्स' पर इस बारे में लिखा कि अफसरों को किसी प्रकार के दबाव में नहीं आना चाहिए व संविधान की रक्षा करनी चाहिए। वे निगरानी में हैं।' इस बारे में चुनाव आयोग का कहना है कि वरिष्ठ नेता होने के नाते रमेश ने यह सार्वजनिक बयान उन तथ्यों के आधार पर दिया होगा, जिन्हें वे सही मानते हैं।

चुनाव आयोग ने जयराम रमेश को लिखे गए पत्र में कहा है, 'इस संबंध में यह ध्यान देने योग्य है कि आदर्श आचार संहिता के लागू होने की अवधि में सभी अधिकारी आयोग की प्रतिनियुक्ति पर माने जाते हैं और वे किसी भी निर्देश के लिए सीधे आयोग को रिपोर्ट करते हैं। हालांकि, किसी भी डीएम ने आपके द्वारा लगाए गए किसी भी अनुचित प्रभाव की सूचना नहीं दी है। जैसा कि आप जानते हैं, वोटों की गिनती की प्रक्रिया प्रत्येक आरओ को सौंपा गया एक पवित्र कर्तव्य है और आपके द्वारा दिए गए ऐसे सार्वजनिक बयान संदेह पैदा करते हैं इसलिए व्यापक जनहित में इस पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। चुनाव आयोग ने कहा है कि, 'इसलिए एक राष्ट्रीय पार्टी के जिम्मेदार, अनुभवी और बहुत वरिष्ठ नेता होने के नाते आपको मतगणना के दिन से ठीक पहले तथ्यों/सूचनाओं के आधार पर ऐसा सार्वजनिक बयान देना चाहिए जिसे आप सच मानते हैं। अनुरोध है कि उन १५० डीएम का ब्योरा, जिन्हें गृह मंत्री की ओर से कथित रूप से इस तरह के कॉल किए गए हैं, आपके द्वारा दी गई जानकारी के तथ्यात्मक मैट्रिक्स / आधार के साथ साझा करें, ताकि समुचित कार्रवाई की जा सके।'

एग्जिट पोल में भाजपा की जीत के अनुमानों के बाद एनडीटीवी से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस तरह के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि, 'हिंदुस्थान के गृह मंत्री किसी जिला अधिकारी या उपखंड अधिकारी को फोन नहीं करते। गृह मंत्री राज्य के मुख्यमंत्री से बात करते हैं।'

प्रतिद्वंद्वियों से काफी आगे हैं महाविकास आघाड़ी के प्रत्याशी!
'रुद्रा' रिसर्च एजेंसी के सर्वे ने लगाई मुहर

सामना संवाददाता / मुंबई

मुंबई में एक सीट को छोड़कर बाकी की ५ सीटों पर महाविकास आघाड़ी के प्रत्याशी अपने प्रतिद्वंद्वियों से बहुत आगे नजर आ रहे हैं। 'रुद्रा' की सर्वेक्षण रिपोर्ट में महाविकास आघाड़ी का मुंबई में डंका बजता हुआ दिखाई दे रहा है। विस्तृत रिपोर्ट में महाविकास आघाड़ी को ५ सीटें साफ तौर पर मिलती हुई नजर आ रही हैं। इतना ही नहीं भारी लीड के साथ महाविकास आघाड़ी के प्रत्याशी जीत रहे हैं। बता दें कि लोकसभा चुनाव की शुरुआत में महाराष्ट्र में कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन तीसरे चरण में ही भाजपा और उसके सहयोगी घाती गुटों के हौसले पस्त होने लगे थे। राज्य में महायुति पर महाविकास आघाड़ी भारी पड़ी है। मुंबई की ६ सीटों को लेकर 'रुद्रा' की ओर से जारी सर्वेक्षण रिपोर्ट में महाविकास आघाड़ी को साफ तौर पर बढ़त दिखाई गई है। बता दें कि 'रुद्रा' पहली संस्था है, जिसने मुंबई की छह सीटों पर विस्तृत रिपोर्ट पेश की है।

दक्षिण मुंबई सीट पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष के प्रत्याशी अरविंद सावंत को ५१ प्रतिशत वोट शेयर के साथ लगातार तीसरी बार जीत मिलने की उम्मीद जताई गई है। उनके प्रतिद्वंद्वी शिंदे गुट की यामिनी जाधव को ४३ प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है। दक्षिण-मध्य मुंबई सीट पर कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के अनिल देसाई को ४७ प्रतिशत वोट शेयर के साथ जीत मिलने का अनुमान है, जबकि प्रतिद्वंद्वी शिंदे गुट के राहुल शेवाले को ४४ प्रतिशत वोट मिलने की उम्मीद है। इसी तरह उत्तर-पश्चिम मुंबई सीट पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के अमोल कीर्तिकर को ५१ प्रतिशत वोट शेयर के साथ जीत मिलने का अनुमान है, जबकि शिंदे गुट के उम्मीदवार रवींद्र वायकर को ४५ प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है। उत्तर-मध्य मुंबई सीट पर कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़ को ५१ प्रतिशत वोट शेयर के साथ जीत हासिल करने का अनुमान है, जबकि भाजपा के उज्ज्वल निकम को ४६ प्रतिशत वोट मिलने की उम्मीद है। मुंबई उत्तर-पूर्व में, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के संजय दीना पाटील को ५२ प्रतिशत वोट शेयर के साथ जीत हासिल करने का अनुमान है, जबकि भाजपा के मिहिर कोटेचा को ४४ प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है। उत्तर मुंबई में भाजपा के पीयूष गोयल को जीत मिल सकती है, जबकि कांग्रेस के भूषण पाटील को ३५ प्रतिशत वोट मिलने की उम्मीद है।

चुनाव खत्म होते ही महंगाई का झटका
२ रुपए महंगा हुआ अमूल दूध!

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

चुनाव खत्म होते ही जनता को महंगाई का झटका लगा है। देश का लोकप्रिय दूध अमूल ने अपनी कीमत बढ़ा दी है। रविवार को अमूल ने थैली वाले दूध की कीमतों में लगभग २ रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की घोषणा की है। रविवार देर रात मीडिया को दिए गए बयान में कहा गया कि नई कीमतें आज ३ जून से देशभर के सभी बाजारों में लागू होंगी।

अमूल ब्रांड नाम से दूध और दूध उत्पादों के आपूर्तिकर्ता गुजरात सहकारी दूध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) ने अपने बयान में कहा कि २ रुपए प्रति लीटर की वृद्धि का मतलब एमआरपी में ३ से ४ फीसदी की बढ़ोतरी है। जीसीएमएमएफ ने दावा किया कि अमूल दूध की कीमतों में यह बढ़ोतरी औसत खाद्य महंगाई दर से काफी कम है। गौरतलब है कि अमूल ने फरवरी २०२३ से ताजा पाउच दूध की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की थी। जीसीएमएमएफ का कहना है कि दूध की ढुलाई और उत्पादन की कुल लागत में बढ़ोतरी के कारण कीमतें बढ़ाई जा रही हैं। नई कीमतें ३ जून से देशभर के सभी बाजारों में प्रभावी होंगी। जीसीएमएमएफ की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार, अमूल गोल्ड, अमूल ताजा और अमूल शक्ति के पाउचों की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। कीमतों में ताजा बढ़ोतरी के साथ, ५०० मिली अमूल भैंस दूध, ५०० मिली अमूल गोल्ड दूध और ५०० मिली अमूल शक्ति दूध की कीमतें क्रमशः ३६ रुपए, ३३ रुपए और ३० रुपए हो गई हैं।

दोपहर का सामना
www.hindisaamana.com
epaper.hindisaamana.com
सोमवार ३ जून २०२४

एग्जिट पोल है धंधा!

जिनकी खाएंगे रोटी, उनकी बजाएंगे ताली
संजय राऊत का जोरदार हमला

सामना संवाददाता / मुंबई

एग्जिट पोल बनानेवाली कई कंपनियां हैं। हर कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा की होड़ मची है। इस काम को ये मुफ्त में नहीं करती हैं। जिनकी खाएंगे रोटी, उनकी बजाएंगे ताली इस नीति पर ये कंपनियां काम करती हैं। बड़े दल इन कंपनियों को पैसे देते हैं और अपने मन-मुताबिक एग्जिट पोल तैयार कराते हैं। पैसा फेंको तमाशा देखो। एग्जिट पोल धंधा है, पैसे मिलने पर वे नंबर घुमा देते हैं। इस तरह का जोरदार हमला शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता व सांसद संजय राऊत ने किया है।

संपूर्ण देश में मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद शनिवार शाम को एग्जिट पोल के अनुमानों की घोषणा की गई। इस एग्जिट पोल के मुताबिक, देश में एनडीए को बहुमत मिलने का अनुमान है। इस एग्जिट पोल पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता व सांसद संजय राऊत ने भाजपा सरकार पर जमकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही फ्रॉड तरीके का एग्जिट पोल है। ओपिनियन और एग्जिट पोल किस तरह से गलत साबित होते हैं, यह देखते आया हूं। एग्जिट पोल तय किए गए आंकड़े हैं। राजस्थान में लोकसभा की २६ सीटें हैं और एक एग्जिट पोल कंपनी ने बताया है कि भाजपा को वहां ३३ सीटें मिल रही हैं। संजय राऊत ने कहा कि मुझे लगता है कि ये सभी कंपनियां मिलकर भाजपा को देश में ८०० से ९०० सीटें दे ही देंगी। मोदी इतना ध्यानरत हैं। इतना ध्यान कर रहे हैं। इतने कैमरे लगाकर उन्होंने साधना-तपस्या की। ऐसे ध्यानरत व्यक्ति को तो ८०० सीटें मिलनी ही चाहिए। संजय राऊत ने नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि मैं ऐसा कहूंगा कि तभी तो यह ध्यान के माध्यम से होगा।

इंडिया गठबंधन की ही बनेगी सरकार

संजय राऊत ने कहा कि हम देख रहे हैं कि कैसे भाजपा और उसकी मशीनरी हर चीज को प्रभावित करती है। जयराम रमेश ने कल कहा था कि अमित शाह ने पिछले २४ घंटों में देशभर के १८० जिलाधिकारियों को फोन पर धमकाया है। किस तरह की धमकी दिए होंगे, यह मुझे अलग से बताने की जरूरत नहीं है। इस तरह से ये मशीनरी पर दबाव बनाते हैं। यदि आपको जीत का पूरा विश्वास है तो दबाव तंत्र की जरूरत क्यों है। ऐसी धमकियां देकर, ध्यान-तपस्या करके चुनाव नहीं जीता जा सकता है। इस देश में इंडिया गठबंधन की सरकार ही बनेगी।

इन राज्यों में होगा परिवर्तन

देश में महाराष्ट्र, बिहार, कर्नाटक, दिल्ली, हरियाणा इन राज्यों में परिवर्तन होंगे। हम जानते हैं कि लोगों का रुझान क्या कहां है। उसके लिए हमें साधना, ध्यान, कैमरा लगाकर बैठने की जरूरत नहीं है। हम जानते हैं कि नतीजा क्या होगा। हम यहां गोटी खेलने के लिए नहीं हैं। संजय राऊत ने भाजपा से कहा कि हमारा जीवन राजनीति की बजाय पत्रकारिता में बीता है।

१८ का रहेगा शिवसेना का आंकड़ा

२९५ से ३१० तक हमारा लोगों में लिया गया रुझान है। हम सरकार बना रहे हैं। महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी को ३५ से ज्यादा सीटें मिलेंगी। तीस तो पक्का जीतेंगे। इस बार जनता का महाराष्ट्र में क्या रुझान है। इस सैंपल सर्वे से यह पता नहीं चल सकता। पिछले कुछ दिनों से सुन रहा हूं कि बारामती में सुप्रिया सुले हार जाएंगी। हमारा कहना है कि सुप्रिया सुले कम से कम डेढ़ लाख वोटों से जीतेंगी। शिवसेना का आंकड़ा अठारह का ही रहेगा। कांग्रेस का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहेगा।

शरद पवार ने दी

युवाओं के हाथ में कमान!

चाको बने कार्यकारी अध्यक्ष और महासचिव बने राजीव झा

सामना संवाददाता / मुंबई

लोकसभा चुनाव के सातवें चरण का मतदान पूरा होने के बाद अब सभी को लोकसभा चुनाव के नतीजों का इंतजार है। इस बीच आगामी रणनीति के तहत एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार ने बड़ा फैसला लिया है। लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले ही एक भरोसेमंद नेता को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चुन लिया गया है। पी.सी. चाको को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और राजीव झा को पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर मौका दिया गया है। शरद पवार के फैसले की जानकारी उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता जितेंद्र आव्हाड ने ट्वीट कर के सोशल मीडिया पर दी है। लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले शरद पवार ने पार्टी में बड़ा बदलाव किया है। पार्टी की कमान युवा नेताओं को सौंपी गई है। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर पी.सी. चाको को मौका दिया गया है तो राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर राजीव झा को मौका दिया गया है। बता दें पी.सी. चाको केरल के त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र से पूर्व सांसद हैं। पी.सी. चाको ने १० मार्च २०२१ को कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कांग्रेस के केरल में बूथ अध्यक्ष के रूप में काम किया है। कांग्रेस पार्टी में विभिन्न पदों पर भी काम किया था। वह २०२१ में एनसीपी में शामिल हुए। वह केरल राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। लोकसभा चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) पार्टी ने महाराष्ट्र में १० सीटों पर चुनाव लड़ा है तो वहीं लक्षद्वीप और हरियाणा में भी एनसीपी ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं।

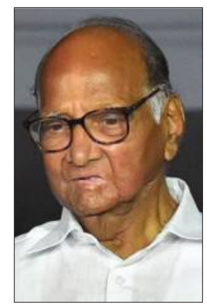

महाराष्ट्र में भाजपा को झटका

मुनगंटीवार हुए निराश

... तो जनता ने कांग्रेस को चुना होगा

सामना संवाददाता / मुंबई

लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार को सातवें और आखिरी चरण का मतदान संपन्न हुआ। उसके बाद चुनाव को लेकर एग्जिट पोल ने सीटों का अनुमान लगाया है। इस एग्जिट पोल के बाद महाराष्ट्र में भाजपा में बेचैनी बढ़ गई है। प्रदेश में ४५ प्लस की घोषणा करके जीत को पुरजोर कोशिश करने का प्रयास किया। हालांकि एग्जिट पोल में राज्य में भाजपा को झटका लगने का अनुमान लगाया है।

विदर्भ में चंद्रपुर लोकसभा सीट पर आनेवाला फैसला भाजपा के सुधीर मुनगंटीवार के खिलाफ में आने का अनुमान लगाया गया है। इस सीट से कांग्रेस की प्रतिभा धानोरकर को विजयी होने की संभावना तकरीबन हर एग्जिट पोल ने जताई है इसलिए भाजपा के प्रत्याशी सुधीर मुनगंटीवार निराश नजर आ रहे हैं। अपनी प्रतिक्रिया में मुनगंटीवार ने कहा है कि पार्टी का आदेश मिलने के चलते मैं चुनाव मैदान में उतरा। चंद्रपुर लोकसभा सीट में विधानसभा की दो सीटें आती हैं। इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों में मेरा खासा जनसंपर्क नहीं था। फिर भी मैं लोकसभा चुनाव लड़ा। मैंने पहले से ही तय किया था कि जीत होने पर अति नहीं करना है और हारने पर निराश नहीं होना है।

मुनगंटीवार ने कहा है कि जनता की सेवा के लिए चुनाव में मैं खड़ा हुआ। जनता को लगा होगा कि उनकी समस्याओं को हल करने में कांग्रेस का प्रत्याशी अच्छा काम करेगा, तो वे कांग्रेस को चुनेंगे। जनता ने मुझे मौका दिया तो मैं चंद्रपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए जी-जान से काम करूंगा। हालांकि, जनता ने मौका नहीं दिया इसलिए वे मुझे ही चुने इस तरह की जबरदस्ती मैं कर ही नहीं सकता हूं। मैं चंद्रपुर को लेकर पूरी तरह से बेफिक्र नहीं हूं। पराजय हुआ तो भी मैं पूरी ताकत क्षेत्र के लिए काम करूंगा।

महायुति को झटका

बता दें कि अधिकांश एग्जिट पोल के आंकड़ों में महाराष्ट्र में महायुति को झटका लगता हुआ दिखाई दे रहा है। अनुमान लगाया गया है कि इस चुनाव में महायुति को राज्य में १५ से २० सीटों पर हार का सामना करना पड़ सकता है।

गोदी मीडिया का एग्जिट पोल!

१५० जिलाधिकारियों को फोन कर धमकाया
नाना पटोले का आरोप

सामना संवाददाता / मुंबई

एग्जिट पोल गोदी मीडिया के हैं। हमने सभी उम्मीदवारों से कहा है कि आखिरी वोट गिने जाने तक वे मतगणना केंद्र न छोड़ें। इस तरह की सलाह देते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने १५० जिलाधिकारियों को फोन कर धमकी दी है। इससे पता चलता है कि भाजपा डरी हुई है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटोले नागपुर में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हम शुरू से कहते आ रहे हैं कि यह मतदान जनता ने मोदी सरकार के खिलाफ किया है। 'इंडिया' गठबंधन के माध्यम से राहुल गांधी ने न्याय यात्रा के जरिए गारंटी दी। पटोले ने यह भी कहा कि चुनाव सरकार के खिलाफ जनता के बीच हुआ है इसलिए एग्जिट पोल के नतीजे भले ही भाजपा के पक्ष में हों, लेकिन इंडिया गठबंधन को देश में बहुमत मिलेगा।

देश में चौतरफा युद्ध छिड़ गया है इसलिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने १५० जिलाधिकारियों को फोन कर धमकी दी है। पटोले ने कहा कि इससे पता चलता है कि भाजपा डरी हुई है।

इंडिया की जीत निश्चित

उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि डरने की जरूरत नहीं है। एग्जिट पोल किसी के पक्ष में हो, लेकिन जीत इंडिया गठबंधन की ही होगी। कल राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के साथ ऑनलाइन बैठक हुई।

पुणे पोर्शे मामले में नया खुलासा

डॉक्टर ने दी थी ब्लड सैंपल बदलने की सलाह!

नाबालिग आरोपी की मां का बयान

__सामना संवाददाता / मुंबई__

पुणे पोर्शे हादसे मामले में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। अब नाबालिग आरोपी की मां ने नया खुलासा करते हुए कहा कि डॉक्टर ने ब्लड सैंपल बदलने की सलाह दी थी। बता दें कि नाबालिग आरोपी का ब्लड सैंपल बदलने के मामले में दो डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद पुणे पुलिस लगातार कार्रवाई करने में जुटी है। सुधार गृह में नाबालिग के साथ उसकी मां को बैठा कर भी पुलिस ने पूछताछ की है। ससून अस्पताल के डीन विनायक काले के बयान के बाद एक नया खुलासा सामने आया है। उनके मुताबिक ब्लड सैंपल बदलने के आरोपी डॉ. तावरे को पिछले कुछ मामलों में आरोपी पाए जाने के बावजूद एक मंत्री और विधायक की सिफारिश पर फोरेंसिक मेडिसिन विभाग का प्रमुख बनाया गया था। शनिवार को नाबालिग आरोपी की ४९ वर्षीय मां को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इससे पहले उसके पिता और दादा को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी की मां पर अपने १७ साल के बेटे के ब्लड सैंपल को खुद के ब्लड सैंपल से बदलने में सहयोग का आरोप है।

एक दिन पहले इस मामले में जानकारी आई थी कि डॉ. अजय तावरे ने ब्लड सैंपल लेने से दो घंटे पहले नाबालिग के पिता के साथ १४ बार फोन पर बात की थी। पुणे पुलिस ने इस मामले में लगातार नए खुलासे किए हैं। दोनों डॉक्टरों को गिरफ्तार करने के बाद अब डॉ. तावरे के साथ-साथ कैजुअल्टी मेडिकल ऑफिसर डॉ. श्रीहरि हलनोर और अस्पताल के मुर्दाघर में काम करने वाले अतुल घाटकांबले से जुड़े ठिकानों की तलाशी भी ली गई। पुलिस ने डॉ. हलनोर से २.५ लाख रुपए और घाटकांबले से ५०,००० रुपए बरामद किए हैं।

दो नेताओं पर नजर

इस मामले में एक नया मोड़ ससून अस्पताल के डीन विनायक काले के बयान के बाद सामने आया था। विनायक काले ने कहा कि डॉ तावरे को पिछले कुछ मामलों में आरोपी पाए जाने के बावजूद एक मंत्री और विधायक की सिफारिश पर फोरेंसिक मेडिसिन विभाग का प्रमुख बनाया गया था। बता दें कि विधायक सुनील धींगरे पर यह भी आरोप लगाया गया है कि वे दुर्घटना के बाद येरवडा पुलिस थाने गए थे और उन्होंने अधिकारियों पर मामले में नरम रुख अपनाने का दबाव बनाया था।

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
सोमवार ३ जून २०२४

एक बार फिर सामने आई मनपा की कामचोरी!

- सड़क के किनारे डंप किया जा रहा है कचरा
- स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर मंडरा रहा है खतरा
- मनपा को नहीं है चिंता

संदीप पांडेय / मुंबई

मुंबई में मानसून का आगमन जल्द ही होने वाला है, लेकिन मनपा मानसून के पहले का काम अभी तक पूरा नहीं कर पाई है। अभी भी कार्य जारी हैं। कई नालों की सफाई और सड़कों का निर्माण कार्य आधा-अधूरा ही हो पाया है, वहीं इस वक्त नागरिकों की जो सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है वह है सड़क के किनारे कई दिनों से डंप कचरा। इस बदबूदार कचरे से स्थानीय लोगों और इस सड़क से गुजरने वाले लोगों का जीना दूभर हो रहा है।

वातावरण में फैल रही बदबू

सांताक्रुज-पूर्व में वाकोला में सेंट एंटनी रोड पर राजपूत चाल के सामने सड़क पर कचरा डंप किया गया है। यह कचरा काफी दिनों से यहां जमा हो रहा है, लेकिन मनपा इसकी सफाई करवाने में नाकाम है। यह कचरा लोगों के लिए एक बड़ा आफत बना हुआ है। इस कचरे से वातावरण में बदबू फैल रही है, जिससे यहां रहनेवाले नागरिकों के स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। अगर इसे समय रहते यहां से हटाया नहीं गया तो मानसून में यही कचरा पानी में सड़क पर तैरता हुआ नजर आएगा।

नागरिकों ने किया मनपा का घेराव

गोरेगांव-ईस्ट के साईं मार्ग पर पिछले कुछ दिनों से सीवरेज का काम चल रहा है इसलिए इस रोड पर खुदाई करके नया सीवर बनाने का काम चल रहा है, लेकिन यह काम कछुए की तरह काफी धीमी गति से चल रहा है। साथ ही गड्ढा खोदे जाने की वजह से सड़क भी खस्ताहाल हो गई है, जिससे यहां के नागरिकों को न सिर्फ गाड़ी चलाने में बल्कि पैदल चलने में भी काफी परेशानी हो रही है। इस बात से नाराज होकर स्थानीय लोगों ने मनपा अधिकारी और ठेकेदार के घेराव किया, जिसके बाद अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि ५ जून २०२४ तक सड़क की मरम्मत कर दी जाएगी। यही नहीं स्थानीय लोगों ने यह भी कहा कि अगर समय पर काम नहीं हुआ तो पी-साउथ वॉर्ड के संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए सड़क पर उतरेंगे।

शहर में कई जगहों की यही समस्या

मनपा द्वारा इस तरह की लापरवाही का यह कोई एक दृश्य नहीं है, बल्कि शहर में कई जगहों की यही समस्या है। मनपा नागरिक के प्रति अपने फर्ज भी ठीक तरीके से निभा नहीं पा रही है। ऐसा ही कुछ हाल कदमवाड़ी में वाकोला गांव रोड का है। जहां कचरे से सड़क डंपिंग ग्राउंड जैसा बन गया है। इतना ही नहीं सड़क के किनारे काफी दिनों से पानी जमा हुआ है, जो गंदा होकर बदबूदार बन गया है। इस पानी में खतरनाक मच्छर भी पनप रहे हैं, लेकिन मनपा इन सबसे अनजान बनकर बैठी हुई है।

कैदियों के सुरक्षा पर उठे सवाल

१९९३ मुंबई बम ब्लास्ट के कैदी की जेल में हत्या

सामना संवाददाता / मुंबई

साल १९९३ मुंबई बम ब्लास्ट के एक कैदी को कोल्हापुर स्थित कलंबा सेंट्रल जेल में कैदियों ने नाली के ढक्कन से कुचल कर हत्या कर दी है। इस हत्या की घटना से कलंबा सेंट्रल जेल में खलबली मच गई है। इस मामले में पुलिस ने जेल के पांच अन्य कैदियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुंबई १९९३ बम ब्लास्ट के कैदी मुन्ना उर्फ मोहम्मद अली खान उर्फ मनोज कुमार भंवरलाल गुप्ता जेल में सुबह करीब साढ़े सात बजे जब पानी की टंकी के पास में नहाने गया था, तभी अन्य कैदियों से उसका किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद जेल में बंद कैदियों के एक गिरोह ने ड्रेनेज के ढक्कन से उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। इसकी जानकारी जेल प्रशासन को होते ही मुन्ना को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहा डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में कोल्हापुर पुलिस ने मुन्ना उर्फ मोहम्मद अली खान की हत्या मामले में आरोपी प्रतीक उर्फ पिल्या सुरेश पाटील, दीपक नेताजी खोत, संदीप शंकर चव्हाण, ऋतुराज विनायक इनामदार और सौरभ विकास सिद्ध के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है।

सुरक्षारक्षक ने किया सुसाइड

सामना संवाददाता / उल्हासनगर

६ महीने से नहीं मिला था वेतन

उल्हासनगर के म्हारल गांव के समीप स्थित मनपा के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में काम करनेवाले एक सुरक्षारक्षक ने सुसाइड कर लिया। बताया जाता है कि उसे पिछले छह महीने से वेतन नहीं मिला था। जिसके बाद उसने घरेलू खर्च के लिए कर्ज लिया था। कर्जदार उससे अपना पैसा वापस करने के लिए लगातार दबाव बना रहे थे, इससे रसुरक्षा रक्षक ने अपने परेशान होकर सुरक्षारक्षक ने फांसी लगा ली। उल्हासनगर में अधिकांश ठेके प्रथा से काम करने वाले कामगारों की ऐसी ही दशा है। उल्हासनगर मनपा के कई विभागों में ठेकेदारी प्रथा से कामकाज शुरू है। मनपा के कई विभागों में काम करनेवाले कर्मियों को पांच महीने से वेतन नहीं मिला है। इसके लिए कांग्रेस की पूर्व नगरसेविका अंजली साल्वे ने मनपा के उपायुक्त डॉ. सुभाष जाधव व कर विभाग के प्रमुख जेठानंद करमचंदानी को ज्ञापन देकर जल्द से जल्द बकाया वेतन दिलवाने की मांग की।

'धारावी प्रीमियर लीग' में ड्रोन का इस्तेमाल

पुलिस ने दर्ज किया मामला

राजेश जायसवाल / मुंबई

अदानी समूह द्वारा ३१ मई से २ जून तक धारावी में 'धारावी प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट' का आयोजन किया गया है। इस प्रतियोगिता में ड्रोन के अवैध इस्तेमाल को लेकर फोटोग्राफर के खिलाफ साहूनगर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। इस बारे में एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि टूर्नामेंट के आयोजकों ने उस व्यक्ति से कार्यक्रम का वीडियो शूट करने और तस्वीरें लेने के लिए कहा था। उन्हें नोटिस भेजा गया है, लेकिन फोटोग्राफर को गिरफ्तार नहीं किया गया है। धारावी पुनर्विकास को लेकर यहां के स्थानीय लोग काफी विरोध कर रहे हैं। 'धारावी बचाव आंदोलन' के समन्वयक सदस्य संजय रमेश भालेराव ने कहा है कि अडानी समूह ने अपने धनबल से धारावी के युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए इस क्रिकेट टूर्नामेंट (डीपीएल) का आयोजन किया है। उन्होंने कहा कि डीपीएल के माध्यम से अडानी समूह क्षेत्र के युवाओं और लंपट तत्वों से संबंध स्थापित करेगा और उन्हें 'एजेंट' में बदल देगा। वे यह छवि पेश करना चाहते हैं कि धारावी के लोग उनका समर्थन कर रहे हैं, लेकिन कुछ समय बाद वे इन युवाओं का इस्तेमाल लोगों को जबरन बेदखल करने के लिए करेंगे। वहीं अडानी ग्रुप का कहना है कि वे टूर्नामेंट का आयोजन स्थानीय खिलाड़ियों को बढ़ावा देने और यह संदेश देने के लिए कर रहे हैं कि धारावी पुनर्विकास को धारावी निवासियों का समर्थन मिल रहा है।

शिवसेना शिष्टमंडल ने नई मुंबई आयुक्त से की मुलाकात

मानसून के पहले हो काम पूरा

सामना संवाददाता / नई मुंबई

समय सीमा बीत जाने के बावजूद नई मुंबई मनपा क्षेत्र में मानसून पूर्व काम अभी भी लंबित हैं, इसलिए शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष के सांसद राजन विचारे ने मनपा आयुक्त से मुलाकात कर मांग की कि मनपा प्रशासन को इस पर ध्यान देना चाहिए कि आने वाले मानसून के मौसम में नई मुंबई में पानी भरने की समस्या न हो और प्री-मानसून कार्यों को तुरंत पूरा किया जाना चाहिए। शिष्टमंडल ने मांग की कि खतरनाक और उच्च जोखिम वाली इमारतों में रहने वाले नागरिकों को तुरंत स्थानांतरित किया जाना चाहिए। साथ ही आपदा प्रबंधन कक्ष को २४ घंटे तैयार रखा जाना चाहिए और फोन नंबर प्रकाशित किए जाने चाहिए, ताकि नई मुंबई के नागरिक आपातकाल में तुरंत उनसे संपर्क कर सकें। इस मुलाकात के दौरान शिष्टमंडल में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष के जिलाप्रमुख विठ्ठल मोरे, जिलाप्रमुख द्वारकानाथ भोईर, महिला जिलासंगठक रंजना शिंत्रे, उपजिलाप्रमुख सुमित्रा कडू, संदीप पाटील, संतोष घोसालकर सहित अन्य शिवसेना पदाधिकारी उपस्थित थे।

टंक - कमलेश पांडेय 'तरुण'

पाक का नहीं है पीओके!

पीओके हथियाया है, जबरन पाकिस्तान।
दिया स्वयं सरकार ने, हाई कोर्ट में बयान।।
हाई कोर्ट में बयान, देकर अब साफ किया है।
हिंदुस्थानी 'क्षेत्र', पाक ने कब्जा किया है।।
गलती अपनी मानकर बोला पाकिस्तान।
पीओके उसका नहीं, ले ले हिंदुस्थान।।

पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं की आयु अधिक!

- औरतों को होती है अधिक बीमारी
- 'लैंसेट' के अध्ययन में सामने आईं जानकारियां

सामना संवाददाता / मुंबई

पुरुषों और महिलाओं के बीच अधिकांश अंतर समाज द्वारा पैदा किए जाते हैं। हालांकि लिंग के अनुसार, पुरुषों और महिलाओं के बीच शारीरिक बनावट के साथ-साथ ताकत में भी कई अंतर हैं। कई अध्ययनों से यह निष्कर्ष निकला है कि महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक समय तक जीवित रहती हैं, लेकिन महिलाओं में बीमारियां अधिक देखी जाती हैं। यह जानकारी 'द लैंसेट पब्लिक हेल्थ जर्नल' में प्रकाशित एक रिपोर्ट में सामने आई है। इस रिपोर्ट में इसकी वजह भी बताई गई है।

महिलाओं और पुरुषों की बीमारियों में अंतर

अधिकांश लिंग भेद किशोरावस्था के दौरान सामने आते हैं। शोधकर्ताओं के मुताबिक, न केवल जैविक अंतर, बल्कि लिंग मानदंड भी लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं। अध्ययन में शामिल शोधकर्ताओं में से एक सारा हॉक्स ने बताया है कि यह न केवल उस जैविक शरीर पर निर्भर करता है, जिसके साथ आप पैदा हुए हैं, बल्कि उस वातावरण पर भी निर्भर करता है, जिसमें आप रहते हैं। मानसिक विकार वाली महिलाओं को तुरंत मदद मिल जाती है, लेकिन पुरुषों के मामले में ऐसा नहीं है। पुरुष अपनी मानसिक समस्याओं के प्रति ज्यादा जागरूक नहीं होते हैं, इसलिए उन्हें मदद मिलने की संभावना कम है। इस तरह स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली भेदभावपूर्ण हो जाती है।

स्वास्थ्य के प्रति उपेक्षा करती हैं महिलाएं

महिलाओं में पीठ दर्द जैसे मस्कुलोस्केलेटल विकार आम हैं। यह विकार हार्मोन में परिवर्तन, मांसपेशियों में संकुचन, गर्भावस्था, प्रसव और शारीरिक तनाव जैसे जैविक कारकों से बढ़ जाता है। घर का काम करने, पूरे घर की देखभाल करने के कारण महिलाएं अपना ख्याल नहीं रखती हैं और समय पर आवश्यक उपाय नहीं करती हैं। महिलाओं को वास्तव में इन समस्याओं से निपटने में मदद की जरूरत है, लेकिन ऐसे समय में वे समस्या को नजरअंदाज कर देती हैं। साथ ही वे डॉक्टरों के पास जाने से बचती हैं। अध्ययन से यह भी पता चला है कि जब महिलाओं को पीठ के निचले हिस्से में दर्द होता है, तो डॉक्टर भी समस्या को गंभीरता से नहीं लेते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि साल १९९० से २०२१ तक के आंकड़ों की तुलना करते हुए पाया कि समय के साथ कई चीजें बदल गई हैं, लेकिन पुरुषों और महिलाओं के बीच भेदभाव अभी भी कायम है।

लिंगानुपात स्वास्थ्य जानकारी एकत्र करने की आवश्यकता

लैंसेट शोधकर्ताओं ने कहा कि पुरुषों और महिलाओं के बीच इस अंतर को कम करने के लिए पहला कदम सही डेटा एकत्र करना है। कारण लिंग और लिंग आधारित अलग-अलग स्वास्थ्य डेटा अभी भी लगातार एकत्र नहीं किया जाता है। पुरुषों और महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें अलग-अलग होती हैं। सरकार स्वास्थ्य पर अधिक पैसा खर्च करती है। खासतौर पर ऐसी स्थितियां पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक प्रभावित करती हैं, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य जैसी चीजों के लिए फंडिंग कम हो रही है।

महावितरण का महा झोल!

२.४१ करोड़ घरों में लगाए जाएंगे प्रीपेड मीटर

- स्मार्ट मीटर से हटाया प्रीपेड शब्द
- उपभोक्ताओं में पैदा हुआ भ्रम

सामना संवाददाता / मुंबई

भले ही 'स्मार्ट प्रीपेड' मीटर को हर तरफ से विरोध का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन महावितरण ने साफ तौर पर कहा है कि यह मीटर उत्कृष्ट है। फिलहाल इस मीटर को लेकर नागरिकों में आक्रोश को देखते हुए आनन-फानन में महावितरण ने महा झोल कर डाला है। इसके तहत महावितरण ने पहले खुद के कार्यालयों समेत बिजली कर्मचारी गालों में लगाए गए स्मार्ट मीटरों से प्रीपेड शब्द को ही हटा दिया है। ऐसी स्थिति में प्रदेश के लघु दबाव श्रेणी बिजली उपभोक्ताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। दूसरी तरफ जानकारों का मानना है कि इस पर महावितरण केवल करोड़ों की फिजूलखर्ची करने का ही काम करने जा रही है। बताया गया है कि राज्य में २.४१ करोड़ बिजली उपभोक्ताओं के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जाने की तैयारी महावितरण ने की है।

उल्लेखनीय है कि महावितरण राज्य के सभी लघु दबाव श्रेणी के २.४१ करोड़ बिजली उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जाएंगे। महावितरण शुरू से ही इस मीटर का गुणगान करती रही है। हालांकि, इस मीटर का विरोध बढ़ता जा रहा है। राज्य में विभिन्न संगठनों और राजनीतिक दलों ने भी प्रीपेड स्मार्ट मीटर के खिलाफ नागरिक संघर्ष समिति बनाकर एकजुट लड़ाई का एलान किया है। इस लड़ाई को समाप्त करने के साजिश के तहत महावितरण ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए प्रीपेड शब्द को हटाए जाने की जानकारी दी है। दिलचस्प बात यह है कि पिछले सप्ताह महावितरण ने कुछ प्रेस विज्ञप्तियों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर का पूरा उल्लेख किया था। लेकिन अब महावितरण के १८ कार्यालयों और ३२३ आवासों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने की जानकारी देते हुए बताया गया है कि उनके मीटरों से प्रीपेड शब्द हटा दिया गया है। इस तरह के हथकंडे से महावितरण एक तरह से ग्राहकों के बीच भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रही है। इस बारे में पूछे जाने पर महावितरण के मुख्य जनसंपर्क विभाग कार्यालय ने जवाब देने से इनकार कर दिया।

वर्तमान में बिजली उपभोक्ताओं को महावितरण के माध्यम से स्मार्ट बिजली मीटर मिल रहे हैं। इस मीटर में मासिक बिजली खपत की नियमित रीडिंग बिजली कंपनी द्वारा नियुक्त स्थाई या संविदा कर्मचारियों द्वारा हर महीने की जाती है। उसी आधार पर ग्राहक को भुगतान भेजा जाता है। हालांकि, स्मार्ट प्रीपेड मीटर 'मोबाइल' रिचार्ज की तरह काम करेगा। ग्राहक उतना ही बिजली का उपयोग कर सकेंगे, जितना वे भुगतान करेंगे। इस मीटर में उसने कितनी बिजली इस्तेमाल की है इसकी जानकारी ग्राहक एक पल में अपने मोबाइल फोन पर ऐप के जरिए देख सकता है।

करोड़ों की फिजूलखर्ची

महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी वर्कर्स फेडरेशन के प्रदेश महासचिव कृष्णा भोयर ने कहा है कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर का हर तरफ विरोध हो रहा है। उपभोक्ताओं को गुमराह करने के लिए महावितरण पहले यह दिखा रही है कि वह अपने कार्यालयों और स्टाफ क्वार्टरों में प्रीपेड मीटर लगा रही है। लेकिन अब प्रेस विज्ञप्ति से प्रीपेड शब्द को हटाकर यहां लगे मीटरों का भुगतान भी पोस्टपेड मोड में किया जाएगा। फिर नए मीटरों पर करोड़ों क्यों बर्बाद किए जा रहे हैं? इस तरह का सवाल भी उन्होंने उठाया है।

सदन में जलवायु परिवर्तन पर बोल-बोलकर थक गई नहीं सुनी सरकार

ईडी, सीबीआई और पार्टी तोड़ने में रही मस्त!

- आम जनता के लिए नहीं है समय
- सुप्रिया सुले ने बोला हमला

सामना संवाददाता / मुंबई

महाराष्ट्र के कई इलाकों में लोग भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। गर्मी इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि लोगों का हाल बेहाल हो रहा है। ऐसे में देश और राज्य में बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन पर एनसीपी (शरदचंद्र पवार) पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले ने सरकार पर जमकर हमला बोला है। जलवायु परिवर्तन और भीषण गर्मी से लोगों को हो रही परेशानी पर सुप्रिया सुले ने कहा कि मैं सदन में जलवायु परिवर्तन पर बोल-बोलकर थक गई। लेकिन यह सरकार आईटी, ईडी, सीबीआई और पार्टी तोड़ने में इतनी व्यस्त है कि उनके पास आम आदमी के सवालों के लिए समय ही नहीं है।

मुंबई में अभी इतनी गर्मी क्यों है?

मुंबई की भीषण गर्मी के पीछे मुख्य कारण उच्च आर्द्रता और असामान्य रूप से उच्च तापमान का संयोजन है। समुद्र से आने वाली पश्चिमी हवाओं के कारण नमी गर्मी को और बढ़ा देती है, जिससे हवा भारी लगती है और तापमान और भी ज्यादा बढ़ जाता है। स्थानीय मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, यह घटना बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में एक चक्रवाती परिसंचरण द्वारा तीव्र हो जाती है, जो नम हवाओं को भारत के पश्चिमी तट की ओर ले जाती है। महाराष्ट्र में गर्मी का ये आलम है कि मशीनें भी अब जवाब देने लगी हैं।

भाजपा को तोड़-फोड़ की राजनीति से लगेगा फटका!

खडसे ने सुनाई खरी-खरी

सामना संवाददाता / मुंबई

लोकसभा चुनाव को लेकर एग्जिट पोल के नतीजे पर अलग-अलग राय आ रही है। इस पर भाजपा के पूर्व नेता एकनाथ खडसे ने भाजपा को खरी-खरी सुनाते हुए कहा कि प्रदेश भाजपा को नुकसान होना तय है। मीडिया को दिए बयान में उन्होंने कहा कि राज्य में तोड़-फोड़ की राजनीति का भाजपा को निश्चित ही फटका लगेगा।

एकनाथ खडसे भाजपा में घर वापसी करेंगे, ऐसी चर्चा है। हालांकि, एकनाथ खडसे औपचारिक तौर पर भाजपा में शामिल नहीं हुए हैं। लेकिन एग्जिट पोल के आंकड़े देखकर उन्होंने को दो टूक शब्दों में भाजपा की गंदी राजनीति का पर्दाफाश कर दिया है।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में जो तोड़-फोड़ की राजनीति हुई है, उसका खामियाजा भाजपा को मिलता दिख रहा है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि राज्य की जनता को यह तोड़-फोड़ की राजनीति स्वीकार नहीं है। अजीत पवार के जरिए एनसीपी पार्टी को तोड़ दिया। एकनाथ शिंदे के जरिए शिवसेना को तोड़ दिया। मूल पक्ष किसका है, जिसने दिन-रात मेहनत करके इस पार्टी को खड़ा किया। इसलिए अब जो बदलाव देखने को मिल रहा है वह सब इस विभाजनकारी राजनीति का परिणाम है।

बता दें कि राज्य में ४० से ज्यादा सीटें जीतने का दावा करने वाली भाजपा को एग्जिट पोल में १९ से २० सीटें मिलने का अनुमान है। ऐसी तस्वीर है कि तोड़-फोड़ की राजनीति करने वाली भाजपा को कम से कम २० सीटों का नुकसान झेलना पड़ेगा।

भुजबल ने बढ़ाई महायुति की चिंताएं!

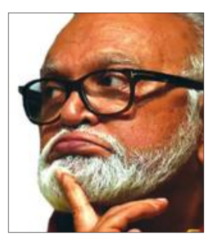

ऐसे होगा उनका 'पुनर्वसन'

सामना संवाददाता / मुंबई

अन्न आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल की नाराजगी ने महायुति की चिंताएं बढ़ा दी हैं। हाल के दिनों में भुजबल के आए बयानों ने महायुति के नेताओं में खलबली मचा दी है।

बता दें कि छगन भुजबल ने मनुस्मृति के मुद्दे पर जितेंद्र आव्हाड का समर्थन किया था, जिससे महागठबंधन और खासकर दादा गुट में राजनीतिक भूचाल आ गया था, क्योंकि छगन भुजबल अजीत पवार गुट में हैं, जितेंद्र आव्हाड शरद पवार की पार्टी में हैं। क्योंकि छगन भुजबल ने विपक्षी दल के विधायक का समर्थन किया है इसलिए नाराजगी दूर करने के लिए छगन भुजबल को दिल्ली भेजने की चर्चा शुरू की गई।

बताया जाता है कि दादा गुट में भुजबल की नाराजगी को दूर करने के लिए राज्यसभा में भेजने की चर्चा शुरू हो गई है। बता दें कि इससे पहले छगन भुजबल ने अपनी नाराजगी जताते हुए कहा था कि 'मैंने लोकसभा छोड़ दी और राज्यसभा भी छोड़ दी।' उनकी पार्टी के नेता कह रहे हैं कि छगन भुजबल नाराज नहीं हैं, लेकिन नासिक लोकसभा क्षेत्र से नामांकन नहीं मिलने के कारण छगन भुजबल ने नाम वापस ले लिया था। तब से उनके आक्रोश का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है और अब ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि राज्यसभा भी छगन भुजबल की नाराजगी दूर नहीं कर सकती।

मुख्यमंत्री के जिले ठाणे में

ठाणेकरों को करना होगा गड्ढे में सफर!

बजट में की भारी कटौती, शहरवासियों को होगी परेशानी

सामना संवाददाता / मुंबई

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के जिले में ठाणे में इस साल बारिश के दौरान ठाणेकरों को गड्ढे में सफर करना होगा, इसलिए सड़क पर चलते समय ठाणेकरों को सावधान रहकर यात्रा करनी चाहिए। बताया जाता है कि ठाणे महानगरपालिका प्रशासन ने पिछले साल की तुलना में गड्ढा भरने के बजट में ५० लाख की कटौती की है और केवल दो करोड़ रुपए उपलब्ध कराए हैं। चूंकि प्रत्येक वॉर्ड को ५० लाख रुपए कम मिलेंगे इसलिए संभावना है कि मनपा प्रशासन को गड्ढे भरने में बड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी। धन के अभाव में सड़कों पर गड्ढे ऐसे ही बने रहे तो स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों समेत वाहन चालकों को काफी परेशानी उठानी पड़ेगी।

मनपा ने दावा किया है कि ठाणे शहर में सड़क का ९० फीसदी काम पूरा हो चुका है। इनमें से अधिकांश सड़कें सीमेंट कंक्रीट से बनी हैं, जबकि कुछ स्थानों पर डामर वाली सड़कें शामिल हैं। हालांकि, मनपा के अधिकारियों का कहना है कि शहर में सड़कों को मजबूत किया गया है। भारी बारिश के दौरान नागरिकों को ठाणे में गड्ढों का सामना करना पड़ सकता है। इस साल मौसम विभाग का अनुमान है कि सौ फीसदी से ज्यादा बारिश होगी और भारी बारिश में नवनिर्मित सड़कें कितनी मजबूती रखेंगी, इस पर संदेह है।

ठाणेकर गड्ढामुक्त यात्रा कर सकें, इसके लिए मनपा प्रशासन ने दो चरणों में ६०५ करोड़ रुपए खर्च कर सड़क का काम शुरू किया। अधिकारियों का कहना है कि ९० फीसदी काम पूरा हो चुका है, लेकिन फिर भी बारिश होने पर तुरंत गड्ढे भरने के लिए दो करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह रकम पिछले साल से ५० लाख कम है। नागरिकों ने सीधे तौर पर सवाल किया है कि इतनी कम धनराशि पर्याप्त होगी क्या? वहीं मनपा अधिकारी यह सोचते हैं कि बरसात के दिनों में गड्ढे नहीं पड़ेंगे या कम पड़ेंगे।

बरसात के दौरान सड़कों पर गड्ढे न बनें, इसके लिए मनपा ने दो करोड़ का प्रावधान किया है। नौ वॉर्ड समितियों के तहत यह प्रावधान २० लाख प्रस्तावित किया गया है।

टेंडर प्रक्रिया फाइनल हो चुकी है और ठेकेदारों को वर्कऑर्डर भी दे दिए गए, वहीं पिछले साल सड़क पर गड्ढे भरने के लिए २.५० करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे।

मनपा सूत्रों ने जानकारी दी है कि इस साल सड़क के काम के कारण गड्ढे भरने का बजट ५० लाख रुपए कम हो गया है, लेकिन जो सड़कें बनी हैं, वे इस साल की बारिश में कितनी मजबूत रहेंगी, इसे लेकर संदेह व्यक्त किया जा रहा है।

मनपा सीमा में अन्य प्राधिकरणों की सड़कों में गड्ढे होने के बाद भी मनपा के पास खुद गड्ढे भरने का समय है। पिछले साल भी मनपा ने ही अपनी सड़कों के गड्ढे भरे थे। इस वर्ष भी मनपा पर यही संकट आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
सोमवार ३ जून २०२४

दो वर्षों से नगरसेवक विहीन है मनपा

बदहाल हैं सार्वजनिक शौचालय!

- ६९ फीसदी शौचालयों में नहीं है पानी की सुविधा
- ४ में से केवल १ शौचालय ही महिलाओं के लिए उपलब्ध

पंचनामा
अशोक तिवारी

मुंबई में नागरिक सुविधाओं में लगातार वृद्धि के बावजूद बुनियादी सुविधाएं अभी भी पूरी तरह से उपलब्ध नहीं हैं। अगर सार्वजनिक शौचालयों की बात करें तो यहां इस समस्या से अभी भी नागरिकों को जूझना पड़ रहा है। महिलाओं को तो और भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। मुंबई में औसतन प्रत्येक ४ शौचालयों में से केवल १ शौचालय ही महिलाओं के लिए उपलब्ध है। इस बारे में 'प्रजा फाउंडेशन' का कहना है कि मुंबई में जितने लोग झुग्गियों में रहते हैं, उनके लिए सार्वजनिक शौचालय अपर्याप्त संख्या में हैं। एक चौंकानेवाला तथ्य यह भी देखने को मिला है कि करीब ६९ फीसदी शौचालयों में पानी का कनेक्शन ही नहीं है। पिछले दस वर्षों में शौचालयों से संबंधित शिकायतों में ११२ प्रतिशत की वृद्धि हुई है। साल २०१४ में शौचालय से जुड़ी २५७ शिकायतों का आंकड़ा २०२३ में ५४४ तक पहुंच गया है। प्रजा फाउंडेशन ने यह भी दावा किया है कि नागरिकों में शिकायत दर्ज कराने को लेकर जागरूकता की कमी के कारण यह आंकड़ा वास्तविक आंकड़ों से कम हो सकता है।

जनसंख्या अधिक, शौचालय कम

जब शौचालयों की बात आती है तो मुंबई की रैंक काफी नीचे देखने को मिलती है। यहां पुरुषों की तुलना में महिलाओं के लिए पर्याप्त शौचालय नहीं हैं। मुंबई महानगरपालिका के सी-वॉर्ड में मरीन लाइंस, चीरा बाजार, गिरगांव आदि इलाकों में व्यावसायिक और सांस्कृतिक कारणों से यहां जनसंख्या घनत्व अधिक है, इसके बावजूद पर्याप्त शौचालयों की कमी है। औसतन यहां पुरुषों के लिए ६ शौचालयों के बाद महिलाओं के लिए केवल १ शौचालय उपलब्ध है। महानगरपालिका के ई-वॉर्ड में प्रति १ सामुदायिक शौचालय में लगभग २४९ उपयोगकर्ता हैं, जबकि एफ-साउथ वॉर्ड में लगभग ११९ उपयोगकर्ता हैं।

जनप्रतिनिधि न होने से बढ़ी समस्या

पिछले दो सालों से मनपा का प्रशासन बिना जन प्रतिनिधियों के ही चल रहा है। जनप्रतिनिधियों के पास ही नागरिक अपनी समस्या को लेकर जाते हैं। लेकिन मनपा में कोई जनप्रतिनिधि नहीं होने से नागरिकों की समस्याओं को लेकर कोई चर्चा व समाधान नहीं हो पा रहा है।

शौचालयों में बिजली-पानी का अभाव

सार्वजनिक शौचालयों में कई जगहों पर बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। मुंबई में ६९ प्रतिशत सार्वजनिक शौचालयों में पानी का पर्याप्त कनेक्शन नहीं है। साथ ही ६० प्रतिशत शौचालयों में बिजली भी नहीं है, जिससे नागरिकों को भारी असुविधा होती है। मनपा के के-ईस्ट वॉर्ड में ६४१ शौचालयों में से ५५६ शौचालयों में बिजली नहीं है तो ५५८ शौचालयों में पानी का कनेक्शन ही नहीं है। कांदिवली में भी ३७० शौचालयों में से ३०० शौचालयों में पानी की सुविधा नहीं है।

मनपा अधिकारी नहीं देते हैं ध्यान

साकीनाका के संघर्ष नगर इलाके के कई शौचालय जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं, पिछले ढाई सालों में महिलाओं के लिए नए शौचालय को बनाने तथा पुराने शौचालय की मरम्मत के लिए कई बार पत्र व्यवहार किया गया, लेकिन मनपा अधिकारी हमेशा फंड का रोना रोते हैं। शौचालयों में पानी की टंकी लगाई गई है, लेकिन उसमें पानी की आपूर्ति नहीं की जाती है। मुंबई मनपा में नियुक्त प्रशासक सिर्फ मनपा की तिजोरी खाली कर रहे हैं जबकि जन समस्याओं पर उनका कोई भी ध्यान नहीं है।

ईश्वर तायडे, पूर्व नगरसेवक, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे)

यूरिनल के भी पैसे किए जाते हैं चार्ज

कई सार्वजनिक शौचालयों में जेंट्स के लिए यूरिनल फ्री है, जबकि महिलाओं के लिए यूरिनल के भी पैसे चार्ज किए जाते हैं, जो कि भेदभावपूर्ण रवैया है। इतना ही नहीं मनपा का यह भी दावा है कि हर शौचालय में सेनेटरी पैड उपलब्ध कराए जाएंगे, लेकिन किसी भी शौचालय में यह व्यवस्था दिखाई नहीं देती है।

रेशमा मिर्गल, विक्रोली

महिलाओं से भेदभाव कर रही है मनपा

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में महिलाओं को शौचालय जैसी मूलभूत सुविधा न दे पाना मुंबई महानगरपालिका के लिए शर्म से डूब मरने जैसी बात है। देश की सबसे अमीर मुंबई महानगरपालिका का महिलाओं के प्रति यह भेदभाव है।

पिंकी सिंह, गृहिणी

महिलाओं से लेते हैं शुल्क

मुंबई महानगरपालिका द्वारा शौचालय में एक फिक्स रेट चार्ज करने के लिए कोई नियम नहीं है। अगर नियम बनाया भी गया है तो उसका पालन नहीं किया जाता है। कहीं पर शौचालय चलानेवाले महिलाओं से ५ रुपए लेते हैं तो कहीं पर ८ से १० रुपए लेते हैं। महिलाओं के साथ रहनेवाले छोटे बच्चों के लिए टॉयलेट फ्री होना चाहिए। शौचालय में महिला के लिए विशेष सुविधा की आवश्यकता होती है जो कि किसी भी शौचालय में उपलब्ध नहीं है।

शगुफ्ता अंसारी, प्रेसिडेंट रिलायबल फाउंडेशन

महिलाओं के लिए कम है टॉयलेट

सार्वजनिक शौचालयों में अगर पुरुषों के लिए ८ से १० सीटर टॉयलेट हैं तो महिलाओं के लिए मात्र एक से दो ही होते हैं। टॉयलेट की यह संख्या महिलाओं की आबादी को देखते हुए बहुत कम है। इसके अलावा अनेक टॉयलेटों में तो साफ-सफाई और पानी की भी समुचित व्यवस्था नहीं होती है। किसी-किसी इलाके में तो पब्लिक टॉयलेट मिलते ही नहीं हैं, जिसकी वजह से महिलाओं को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। मुंबई महानगरपालिका को इस पर तत्काल ध्यान देना चाहिए।

सीमा अनिल चौबे, बोरीवली

औंधे मुंह गिरेंगे एग्जिट पोल, जीतेगा 'इंडिया' : साहनी

सामना संवाददाता / जम्मू

जमीनी हकीकतों और सही आंकड़ों को दरकिनार कर अपने आका द्वारा छेड़ी गई ४०० की धुन पर कठपुतलियों की तरह नाचने में जुटे हैं अधिकांश 'एग्जिट पोल' के आंकड़े, यह कहना है शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) जम्मू-कश्मीर इकाईप्रमुख मनीष साहनी का। एग्जिट पोल पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पार्टी इकाईप्रमुख मनीष साहनी ने कहा कि ४ जून को असल नतीजों में जनता जनार्दन का मत इन तमाम एग्जिट पोलों को नकारने वाला है। साहनी ने कहा कि अधिकांश मीडिया चैनल्स अपने एग्जिट 'पोल डांस' से जनता को भ्रमित करने तथा अपने आका के ४०० के आंकड़े को सही साबित करने में जुटे हैं। एग्जिट पोल की विश्वसनीयता लगातार घट रही है, वहीं लोकतंत्र के लिए यह चमचागीरी घातक साबित हो सकती है। साहनी ने आगे कहा कि महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, बिहार, राजस्थान, कर्नाटक, हरियाणा, पश्चिम बंगाल में भाजपा को बड़ा नुकसान होना तय है, मगर गोदी मीडिया चापलूसी की सारी हदें पार करते हुए भाजपा के ४०० सीटों के रेत के किले को साधने में जुटी है। उन्होंने कहा कि ४ जून को जनता जनार्दन का निर्णय तमाम एग्जिट पोल को झुठला देगा।

विद्युत दरों में वृद्धि शिवसेना का विरोध

सामना संवाददाता / रायपुर

विद्युत दरों में वृद्धि को लेकर छत्तीसगढ़ शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) विरोध पर उतर आई है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रदेश प्रवक्ता संजय नाग का कहना है कि विद्युत विभाग द्वारा विद्युत दरों में वृद्धि कर दी गई है, जिससे आम जनता को तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बिजली उत्पादन हेतु छत्तीसगढ़ में सभी कच्चा माल प्रचुर मात्रा में है और यहां विद्युत उत्पादन होता है। विद्युत विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण फिजूलखर्ची हो रही है। भ्रष्टाचार के कारण विद्युत विभाग को नुकसान हो रहा है, लेकिन विद्युत विभाग इसकी पूर्ति गरीब जनता की जेबों से डाका डाल कर कर रहा है। अतः शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) जनता के हित को देखते हुए इस फैसले को तत्काल वापस लिए जाने की मांग करती है।

कोटा में सरेआम घटी दिल दहला देने वाली घटना

गाड़ी ओवरटेक करने पर काटा गला!

- तीन गुंडों ने दो लोगों को चाकुओं से गोदा
- गंभीर अवस्था में अस्पताल में कराया गया भर्ती
- राजस्थान में लॉ एंड ऑर्डर पर उठे सवाल

सामना संवाददाता / जयपुर

राजस्थान के कोटा में एक दिल दहला देनेवाली घटना घटी है। घटना के अनुसार, ओवरटेक करने पर तीन बाइक सवारों ने मिलकर दो कार सवारों को न केवल बर्बरतापूर्वक पीटा बल्कि इतने पर भी उनका मन नहीं भरा तो उन्होंने चाकुओं से शरीर गोद दिया और गला काट दिया। कार सवार दोनों को गंभीर अवस्था में अस्पताल में दाखिल कराया गया है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। सरेआम घटी इस घटना के बाद से ही शहर में हड़कंप मचा हुआ है साथ ही राजस्थान के लॉ एंड ऑर्डर पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

क्या था मामला?

रिपोर्ट्स के अनुसार, रात के समय कोटा जिले के नयापुरा थाना इलाके से होकर एक कार गुजर रही थी। कार सवार रेलवे स्टेशन रोड से नयापुरा इलाके की ओर जा रहे थे। कार में दो दोस्त अवनीश और जयकिशन सवार थे। नयापुरा इलाके से होकर गुजरने के दौरान सड़क के बीचोंबीच चल रही एक एक्टिवा को अवनीश ने हॉर्न मारा। एक्टिवा सवार ने गाड़ी बीच से नहीं हटाई और बीच में ही चलते रहे।

चाकू से किया ताबड़तोड़ हमला

कुछ आगे चलने पर जरा सी साइड मिलने पर अवनीश ने कार दौड़ा दी और एक्टिवा से आगे लेकर कार चलाने लगा। उसके बाद एक्टिवा सवार लड़कों ने अपनी गाड़ी दौड़ाई और कार के आगे लाकर रोक दी। उसके बाद कार सवार दोनों दोस्तों से गालीगलौज करने लगे। इस पर कार सवार अवनीश और जय माखीजा बाहर आए। बाहर आते ही तीनों लड़कों ने अवनीश और उसके दोस्त पर चाकुओं से हमला कर दिया। कार सवार दोनों लड़कों का स्कूटर सवार तीनों गुंडों ने गला काट दिया। दोनों के शरीर पर कई घाव हैं, सिर में भी गंभीर चोटें आई हैं।

सीसीटीवी की मदद से जांच में जुटी पुलिस

मिली जानकारी के अनुसार, दोनों पीड़ितों को कोटा के सबसे बड़े अस्पताल एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है, लेकिन एक्टिवा का नंबर नहीं देख पाने के कारण पुलिस को आगे की जांच करने में कठिनाई हो रही है। फिलहाल, पुलिस सीसीटीवी की मदद से आगे की जांच में जुटी हुई है।

दोपहर का सामना
www.hindisaamana.com
epaper.hindisaamana.com
सोमवार ३ जून २०२४ ७

जनता सूखे से पस्त मस्ती में सरकार

▮ विदेश दौरे पर मौज कर रहे हैं मंत्री ▮ विपक्ष के नेता वडेट्टीवार का सरकार पर हमला

सामना संवाददाता / मुंबई

राज्य की जनता इन दिनों जहां महंगाई, बेरोजगारी से त्रस्त है तो वहीं ग्रामीण इलाकों में लोग सूखे की मार झेल रहे हैं। बड़ी संख्या में किसान बर्बादी के कगार पर हैं, लेकिन राज्य की गद्दार शिंदे सरकार को जनता की सुध नहीं है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई में उनके मंत्री भी जनता की समस्याओं को नजरअंदाज कर रहे हैं। राज्य में सूखे की समस्या भीषण है। ऐसे में राज्य के कृषि मंत्री विदेशी दौरे पर मौज कर रहे हैं। विधान सभा में विपक्ष नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि यहां राज्य के किसान सूखे से जूझ रहे हैं, वहीं सरकार और प्रशासन अपनी अलग दुनिया में व्यस्त हैं। विजय वडेट्टीवार ने ट्वीट कर सरकार की आलोचना की।

विजय वडेट्टीवार ने कहा है कि राज्य के किसान संकट में मर रहे हैं और कृषि मंत्री विदेश यात्रा कर रहे हैं। एक ओर जहां राज्य के किसान सूखे की मार झेल रहे हैं, वहीं सरकार और प्रशासन अपनी अलग दुनिया में मस्त हैं। कृषि मंत्री धनंजय मुंडे मौज-मस्ती में लगे हुए हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री किसानों को यूं ही छोड़ कर बाहर जा रहे हैं। उधर अधिकारियों का तबादला किया जा रहा है। इस विभाग को कोई पूर्णकालिक सचिव नहीं, जब खरीफ का मौसम करीब है, खाद की कमी है, अनाज के बीज के दाम बढ़ गए हैं, लोग बीज के लिए कतार में लग रहे हैं तो कोई बैठक नहीं होती। संबंधित विभाग के मंत्री का पता नहीं होता है। इन सभी स्थितियों को सुलझाने के बजाय हुक्मरान विदेश में मौज कर रहे हैं। किसान मरे या जिए इससे सरकार को क्या फर्क पड़ता है? यह राज्य के किसानों के प्रति महायुति सरकार की उदासीनता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि विदर्भ और मराठवाड़ा के किसानों को अभी तक सरकार से कोई मदद नहीं मिली है। ऐसे में सूखा प्रभावित किसानों की मदद के लिए सूखे को लेकर कांग्रेस की ओर से नियुक्त विदर्भ समिति की बैठक हुई। ५ जून से कांग्रेस विदर्भ का निरीक्षण दौरा कर राज्य सरकार को इस संबंध में रिपोर्ट सौंपेगी और किसानों के लिए मदद की मांग करेगी।

मैंने तुम्हारी सुपारी ले ली है!

सपा नेता को फोन पर मिली धमकी

सामना संवाददाता / लखनऊ

लखनऊ में सपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मुलाकात करके लौट रहे जिला पंचायत सदस्य मोहम्मद नावेद को मोबाइल पर सुपारी लेकर जान से मारने की धमकी मिली है।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कुंदरकी के पूर्व ब्लॉक प्रमुख मोहम्मद जुबेर के बेटे और जिला पंचायत सदस्य मोहम्मद नावेद निवासी ग्राम ताहरपुर ने मैनाठेर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसमें बताया है कि ३१ मई की शाम में वह लखनऊ से लौट रहे थे। रास्ते में ७:०४ मिनट पर सीतापुर के इर्द-गिर्द अज्ञात व्यक्ति की उनके मोबाइल पर कॉल आई। इसके बाद उनका परिचय पूछा। बात करनेवाले ने कहा कि मैंने तुम्हें गोली मारने की सुपारी ली है। यह बात सुनकर नावेद ने उसके बारे में जानना चाहा, लेकिन उसने कुछ नहीं बताया। नावेद के मुताबिक, उसकी युवक से ३२ सेकेंड बात हुई थी। इसके बाद अज्ञात व्यक्ति ने तीन बार मोबाइल पर और कॉल की, जिनको उन्होंने रिसीव नहीं किया। जिला पंचायत सदस्य ने फोन करनेवाले से जान-माल का खतरा जताया है।

भाजपाइयों के मुरझाए चेहरे बयां कर रहे सच्चाई

पहले से तैयार था एग्जिट पोल!

अखिलेश ने साधा बीजेपी पर निशाना

सामना संवाददाता / लखनऊ

लोकसभा चुनाव का मतदान सात चरणों के तहत संपन्न हो चुका है। इस बीच शनिवार को एग्जिट पोल के आंकड़े जारी किए। एग्जिट पोल में इंडिया गठबंधन को हार मिलती नजर आ रही है। हालांकि, इंडिया गठबंधन के तमाम नेता इन आंकड़ों को झूठा साबित करने में लगे हुए हैं। इस बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी एग्जिट पोल को झूठा ही बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है। अपनी पोस्ट के जरिए उन्होंने एग्जिट पोल की क्रोनोलॉजी समझाई है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट में अखिलेश यादव ने लिखा है कि एक्जिट पोल की क्रोनोलॉजी समझिए। आगे उन्होंने लिखा है कि विपक्ष ने पहले ही घोषित कर दिया था कि भाजपाई मीडिया भाजपा को ३०० पार दिखाएगा, जिससे घपला करने की गुंजाइश बन सके। आज का ये भाजपाई एग्जिट पोल कई महीने पहले ही तैयार कर लिया गया था बस चैनलों ने चलाया आज है। इस एग्जिट पोल के माध्यम से जनमत को धोखा दिया जा रहा है। इस एग्जिट पोल को आधार बनाकर भाजपाई सोमवार को खुलने वाले शेयर बाजार से जाते-जाते लाभ उठाना चाहते हैं। अखिलेश ने कहा कि भाजपाई ये समझ रहे हैं कि पूरे देश का परिणाम चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव की तरह बदला नहीं जा सकता है, क्योंकि इस बार विपक्ष पूरी तरह से सजग है और जनाक्रोश भी चरम पर है।

> **अगर ये एग्जिट पोल झूठे न होते और सच में भाजपा हार न रही होती तो भाजपा वाले अपनों पर ही इल्जाम न लगाते। भाजपाइयों के मुरझाए चेहरे सारी सच्चाई बयान कर रहे हैं।**
> **अखिलेश यादव**, सपा मुखिया

महाराष्ट्र में ओवैसी होंगे शून्य!

संभाजीनगर में शिवसेना देगी झटका

सामना संवाददाता / मुंबई

लोकसभा चुनाव २०२४ की मैराथन अब खत्म हो चुकी है। आखिरी चरण का मतदान होने के बाद अब ४ जून को आनेवाले नतीजों का इंतजार किया जा रहा है। उससे पहले एग्जिट पोल के नतीजे सामने आए हैं। इसमें महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी भाजपा नेतृत्व की महायुति गठबंधन को पछाड़ते दिख रही है। इस बीच एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी को बड़ा झटका मिलता दिख रहा है। सर्वे के अनुसार, असदुद्दीन ओवैसी महाराष्ट्र में अपनी एकमात्र लोकसभा सीट संभाजीनगर इस बार नहीं बचा पाएंगे। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की तेज आंधी के बीच उनकी पार्टी को इस बार करारा झटका लगने वाला है। सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, एनडीए को कुल ४८ सीटों में से 'इंडिया' गठबंधन को ३० से अधिक सीटें मिलने की संभावना है, वहीं अन्य यानी एआईएमआईएम को यहां जीरो सीटें मिल रही हैं। बता दें कि महाराष्ट्र में महायुति के भाजपा, शिंदे गुट, एनसीपी (अजीत पवार गुट) और महाविकास आघाड़ी की शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), कांग्रेस, एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के बीच मुख्य मुकाबला है। इसके अलावा वंचित बहुजन आघाड़ी और एआईएमआईएम भी चुनाव के मैदान में है, लेकिन अब एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी को यहां से शून्य सीटें मिलने का अनुमान है।

बता दें कि महाराष्ट्र में एआईएमआईएम के इकलौते सांसद इम्तियाज जलील २०१९ में औरंगाबाद सीट से करीब तीन लाख ९० हजार वोट से जीते थे। उन्हें ही ओवैसी बंधुओं की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुसलमीन (AIMIM) ने फिर एक बार संभाजीनगर से अपना उम्मीदवार बनाया है।

नाबालिग को जंजीर से जकड़ने को मजबूर मां

भर्ती से मना किया मेंटल अस्पताल

सामना संवाददाता / आगरा

उत्तर प्रदेश के आगरा में एक मां अपने जिगर के टुकड़े को जंजीरों में जकड़ कर फुटपाथ पर गुजर कर रही है। गोरखपुर के अलीनाबाद की रहनेवाली मां दीप शिखा अपने १२ साल के मानसिक रोगी बच्चे के इलाज के लिए पति अमित पांडे के साथ शनिवार को आगरा आई थी। मानसिक अस्पताल में उसे भर्ती नहीं किया। मंगलवार को बुलाया गया है। तंगहाली में मां-बाप बच्चे के साथ एमजी रोड, आगरा कॉलेज के सामने फुटपाथ पर दो दिन से परिवार के साथ गुजारा कर रहे हैं। गोरखपुर अलीनाबाद से आई दीप शिखा ने बताया कि १२ वर्ष का इकलौता पुत्र वंश मानसिक रूप से बीमार है, वह किसी पर भी हमला कर देता है।

एग्जिट पोल, मनोवैज्ञानिक खेल यह मोदी मीडिया का 'पोल'

कांग्रेस की बैठक के बाद बोले राहुल गांधी

एजेंसी / नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव २०२४ के एग्जिट पोल में तीसरी बार भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की सरकार बनने का अनुमान है। एग्जिट पोल के आंकड़ों को इंडिया गठबंधन के नेता ने मानने से इनकार कर दिया है। कांग्रेस ने एग्जिट पोल के नतीजों को एक मनोवैज्ञानिक खेल बताया। इन्हीं सबको लेकर विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने कल एक बैठक की। बैठक के तुरंत बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने इस दौरान सिद्धू मूसेवाला के एक गाने की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि यह मोदी मीडिया पोल है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पार्टी के लोकसभा उम्मीदवारों, कांग्रेस विधायक दल के नेताओं और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों के साथ बैठक की।

बैठक में कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'ये एग्जिट पोल झूठे हैं। 'इंडिया' गठबंधन को २९५ सीटों से कम सीटें नहीं मिलने जा रही हैं। ये एग्जिट पोल फर्जी हैं, क्योंकि पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मनोवैज्ञानिक खेल खेल रहे हैं। वे विपक्षी दलों, चुनाव आयोग, मतगणना एजेंटों, रिटर्निंग अधिकारियों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं और ऐसा माहौल बना रहे हैं कि वे वापस आ रहे हैं, लेकिन वास्तविकता पूरी तरह से अलग है।'

> **राहुल गांधी ने कहा कि यह एग्जिट पोल नहीं है। यह मोदी मीडिया पोल है। यह मोदी जी का पोल है। उनका फैंटेसी पोल है।' इंडिया अलायंस के लिए सीटों की संख्या के बारे में उन्होंने कहा, 'क्या आपने सिद्धू मूसे वाला का गाना २९५ सुना है? २९५।'**

कर्नाटक में दो तिहाई सीटें जीतेगी कांग्रेस

एग्जिट पोल पर कर्नाटक के डिप्टी सीएम और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि हमें विश्वास है कि कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में दो तिहाई सीटें जीतेगी। इस देश के लोग बदलाव चाहते हैं। सभी कार्यकर्ता आश्वस्त हैं और मुझे नहीं लगता कि हम कर्नाटक में हारने जा रहे हैं।

भाजपा को कड़ी टक्कर दे रहे

एग्जिट पोल पर गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि पहले भाजपा कहती थी कि हम सभी २६ सीटें पांच लाख वोटों के अंतर से जीतेंगे, लेकिन अब वो ऐसा नहीं कह रहे हैं। १२ सीटों पर हम भाजपा को कड़ी टक्कर दे रहे हैं और कांग्रेस ४-५ सीटें जीतेगी।

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
सोमवार ३ जून २०२४

दिल का दर्द है भई... इतने जल्दी तो कम नहीं होगा! भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा भले ही पाकिस्तानी खिलाड़ी

दर्द-ए-दिल

शोएब मलिक से 'खुला' ले चुकी हैं और अपने बेटे के साथ खुशहाल भरी जिंदगी बिता रही हैं, लेकिन उनके दिल का दर्द अभी भी कम नहीं हुआ है। समय-समय पर वे अपने इमोशंस को सोशल मीडिया के माध्यम से बयां करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह ग्रे शर्ट और ब्लैक लोअर में नजर आ रही हैं। पहली फोटो में वह किसी ख्यालों में गुम देखी जा सकती हैं, जबकि दूसरी फोटो में वह मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं। पोस्ट पर लिखे उनके कैप्शन से ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि तलाक के बाद जिंदगी में आगे बढ़ पाना उनके लिए कितना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, 'चाहे कुछ भी हो जाए, आपको हमेशा सबके सामने जाना होगा।' हालांकि, सानिया अपनी जिंदगी में धीरे-धीरे आगे बढ़ रही हैं, लेकिन क्या करें दिल तो दिल है और ये तो जल्दी मानता भी नहीं है...!

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने अभ्यास मैच में बांग्लादेश को ६० रन से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने अपने सभी विकल्पों को आजमाया और इससे लगभग साफ हो गया कि कम से कम आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन किस तरह की हो सकती है। अभ्यास मैच में जो कुछ हुआ उसके बाद इस बात की उम्मीद जग गई है कि रोहित शर्मा के साथ आयरलैंड के खिलाफ विराट कोहली ओपन कर सकते हैं तो वहीं ऋषभ पंत तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं। वॉर्म-अप मैच के दौरान रोहित के साथ संजू सैमसन ने ओपन किया और यशस्वी को मौका नहीं दिया गया। यशस्वी को मौका नहीं देने का मतलब है कि फिलहाल वो रोहित के साथ शायद ही ओपन करें तो वहीं संजू को बतौर ओपनर आजमाया गया, लेकिन उन्होंने निराश किया और उनकी दावेदारी टीम में थोड़ी कमजोर जरूर हो गई। जाहिर है ये देखने में आसान जरूर था, लेकिन टीम इंडिया ने एक रणनीति के तहत ये किया था।

शानदार जोड़ी दिलाएगी जीत!

स्ट्रेस में भी बरसे रन!

एक खिलाड़ी होने के नाते हरेक का यह कर्तव्य होता है कि वे अपने देश के लिए शानदार बल्ला घुमाएं और जमकर रन बनाएं। हार्दिक पंड्या ने भी ये बात साबित कर दिखाई। शनिवार को हुए टी२० मैच में उनके बल्ले ने खूब रन बरसाए। उन्हें देखकर इसका अंदाज बिलकुल भी नहीं लगाया जा सकता था कि वे अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर स्ट्रेस में हैं। दरअसल, ऐसा दावा किया जा रहा है कि लगभग चार साल साथ रहने के बाद दोनों अलग हो चुके हैं। इन सब से दूर हार्दिक अमेरिका में टीम इंडिया के लिए पसीना बहा रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ वॉर्म-अप मैच में इस खिलाड़ी के बल्ले से जमकर रन बरसे। मैच के बाद हार्दिक ने कहा कि वह मुश्किल समय से गुजर रहे हैं। हार्दिक पंड्या ने अपने दिल की बात शेयर करते हुए कहा, 'जिंदगी आपको मुश्किल परिस्थितियों में डालती है लेकिन मुझे लगता है कि अगर आप गेम और मैदान छोड़ देंगे तो आपको वह नहीं मिलेगा, जो वह चाहते हैं। हां, यह मुश्किल है लेकिन मैं वही कर रहा हूं जो हमेशा से करता आया हूं।

मैच से पहले ही घबराया बाबर!

दुनिया में कहीं भी जाओ, हिंदुस्थान और पाकिस्तान के मैच को लेकर चर्चा करते हुए लोग आपको मिल ही जाएंगे। हिंदुस्थान और पाकिस्तान का रोचक मुकाबला ९ जून को होनेवाला है। जिसके लिए खेलप्रेमियों में उत्साह है। लेकिन ये क्या मैच से पहले ही पाकिस्तान हिंदुस्थान से डर गया। ऐसा हम नहीं, बल्कि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम की हड़बड़ाहट बता रही है। दरअसल, बाबर ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के मैच को लेकर बना माहौल, अपेक्षाओं का बोझ और दबाव खिलाड़ियों को नर्वस बना देता है लेकिन उन्होंने टी२० वर्ल्ड कप में रविवार (९ जून) को होने वाले मैच से पहले अपने खिलाड़ियों को शांत बने रहने और अपने 'बेसिक्स' पर कायम रहने की सलाह दी। वैसे बाबर भले ही खिलाड़ियों को शांत करने में जुटे हुए हैं लेकिन उनकी घबराहट साफतौर पर देखी जा सकती है। बता दें कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ टी२० वर्ल्ड कप में अभी तक जो सात मैच खेले हैं, उनमें से उसे केवल एक में हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान ने यह जीत २०२१ में हासिल की थी।

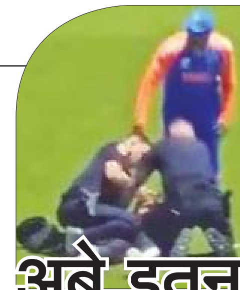

अबे इतना मत मारो बे!

आतंकी धमकी के बाद अधिक सावधान हुई अमेरिकी पुलिस फोर्स को यह समझने की भूल करना कि उसमें रहम होगा, गलत है। वैसे भी उसकी पोल खुल गई और प्रश्नचिह्न लग गया कि जब इतनी सुरक्षा-व्यवस्था का डंका पीटा जा रहा है तो कोई कैसे मैदान में घुस सकता है? टी२० वर्ल्ड कप २०२४ से पहले टीम इंडिया और बांग्लादेश के बीच एक वार्म-अप मुकाबला खेला गया था। मैच के दौरान एक अजीबोगरीब हादसा देखने को मिला। टीम इंडिया जब क्षेत्ररक्षण कर रही थी, उस दौरान एक क्रिकेट प्रेमी रोहित शर्मा से मिलने के लिए बीच मैदान में घुस गया। इस दौरान वह मैदान से बाहर निकल पाता उससे पहले वहां यूएस पुलिस पहुंच गई। इस दौरान उन्होंने फैन को बर्बरतापूर्वक नीचे धकेलते हुए अरेस्ट किया। इस पल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर

क्लीन बोल्ड
अमिताभ श्रीवास्तव

साझा करते एक व्यक्ति ने लिखा है, 'रोहित शर्मा को एहसास हुआ कि अमेरिकी पुलिस उनके प्रशंसक की पिटाई कर रही है।' यही नहीं फैंस ने पुलिस की बर्बरता को देखते हुए मजाकिया लहजे में लिखा है, 'अबे इतना मत मारो बे।' कुछ भी हो लेकिन यह सुरक्षा में चूक का मामला है और ऐसे में पुलिस कोई रहम भी करेगी, ऐसा सोचना भी गलत है।

कौन खेलेगा, कौन नहीं?

वार्म-अप मैच के बाद यह तय हो गया कि विश्वकप मैचों में किसे मैदान पर उतारना है, किसे नहीं? टीम इंडिया के लिए यह आवश्यक है कि फूंक-फूंक कर कदम रखे। क्योंकि जिस तरह की वो टीम है उसमें सबसे बड़ी टेंशन इसी बात की है कि किसे खिलाया जाए और किसे नहीं? बांग्लादेश के खिलाफ उतरी टीम से यह बात देखने को मिली कि कागज पर यह कैसी भी दिखे, लेकिन मैदान पर

अभी भी कमजोर है भले तगड़ी टीम हो। जो टीम २०० को पार न कर सके, उसे विश्वकप जीतने के स्वप्न को छोड़ देना चाहिए। हालांकि, विराट कोहली पहुंच गए हैं यानी टीम में एक बड़ा फेरबदल संभव है। या तो संजू सैमसन बाहर होंगे या एक तेज गेंदबाज को कम किया जाएगा। दो तेज गेंदबाज, दो स्पिनर के साथ टीम मैदान पर उतर सकती है। बाकी हार्दिक पांचवे गेंदबाज के रूप में हैं ही। बल्लेबाजी में सातवें नंबर तक रखी जाएगी, इसमें रोहित, विराट, यशस्वी, शिवम, ऋषभ, जडेजा, हार्दिक लगभग तय हैं। बुमराह, अर्शदीप, कुलदीप, जडेजा और हार्दिक यह कॉम्बिनेशन देखने को मिल सकता है।

मेजबान की धुआंधार शुरुआत

पहली बार विश्वकप में मेजबान होने की खातिर पदार्पण करनेवाली अमेरिकी टीम ने कनाडा पर धुआंधार जीत दर्ज कर इतिहास के पन्ने को जीत से लिखना शुरू किया। अमेरिका ने कनाडा से मिले १९५ रनों के लक्ष्य को १४ गेंद शेष रहते सिर्फ ३ विकेट गवां कर हासिल कर लिया और टी२० विश्व कप में धमाकेदार शुरुआत की। अमेरिकी बल्लेबाज आरोन जोन्स ४० गेंदों में ४ चौकों और १० छक्कों की मदद से नाबाद ९४ रनों की पारी खेली और कनाडा के बड़े लक्ष्य को

बहुत आसान बना दिया। टी२० विश्व कप २०२४ का कल से आगाज हो गया है। पहला मैच कनाडा और मेजबान अमेरिका के बीच डलास के क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। ये दोनों टीमों का टी-२० वर्ल्ड कप डेब्यू मैच था। एक समय अमेरिका अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों का विकेट गवां कर संघर्ष कर रहा था, लेकिन एंड्रीज गौस ने आरोन जोन्स के साथ मिलकर पूरा गेम पलट दिया।

(लेखक वरिष्ठ खेल पत्रकार व टिप्पणीकार हैं।)

दोपहर का
सामना
संस्थापक संपादक : बाल ठाकरे

फिर डि-रेल हुई रेल!

■ दिल्ली-हावड़ा रेल रूट पर बड़ा हादसा टला
■ मालगाड़ी का पहिया निकलकर हुआ बाहर

सामना संवाददाता / फतेहपुर

रेल दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी है। देश के किसी न किसी हिस्से में रोजाना डि-रेल की घटनाएं हो रही है, जो रेल प्रशासन की सुरक्षा व सतर्कता की कलई खोल रही हैं। कुछ दिनों पहले पालघर में एक मालगाड़ी डि-रेल हुई थी। इसी कड़ी में रविवार को उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में मालगाड़ी के डिरेल होने का मामला सामने आया है। दिल्ली-हावड़ा रूट पर जा रही मालगाड़ी डाउन लाइन पर डिरेल हो गई। दरअसल, मालगाड़ी का पहिया निकलकर बाहर आ गया। इसके बाद ट्रेन की बोगियां एक-दूसरे से टकराने लगी। हालांकि, इस हादसे में किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं है। हालांकि, एक्सिडेंट के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। मालगाड़ी का पहिया निकलने के कारण डाउनलाइन पर रेल ट्रैफिक प्रभावित हुआ है।

दुर्घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के अधिकारी मौके पर रवाना हो गए हैं। मालगाड़ी के डिरेल होने का यह मामला काटोघन रेलवे स्टेशन के पास आया है। मालगाड़ी की डाउनलाइन बाधित होने की स्थिति को देखते हुए ट्रैक को जल्द से जल्द खाली कराने और ट्रैफिक को रिस्टोर करने की कोशिश की जा रही है।

यूपी में कहर ढा रही गर्मी

● पूर्वांचल में ४०० लोग पहुंचे अस्पताल
● १२ बीमार लोगों ने तोड़ा तड़पकर दम
● मृतकों में ३ मतदाता व ३ मतदानकर्मी शामिल

सामना संवाददाता / वाराणसी

उत्तर प्रदेश में गर्मी का प्रकोप जारी है। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में लू और गर्मी के कारण जहां एक तरफ मरनेवालों की संख्या बढ़ रही है, वहीं बीमार भी ज्यादा लोग हो रहे हैं। इस बीच पूर्वांचल में गर्मी और लू से शनिवार को ३ मतदाता, ३ मतदानकर्मी सहित १२ लोगों की मौत हो गई।

बलिया में अलग-अलग मतदान केंद्रों पर दो मतदाताओं की तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। यहीं चुनावी ड्यूटी में लगे ३ कर्मचारियों की भी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सोनभद्र में एक मतदाता और दो मतदान कर्मियों की मौत हुई है। यहां चुनाव ड्यूटी वाले दो सुरक्षाकर्मी व एक होमगार्ड को भर्ती कराया गया है। मऊ में एक मतदानकर्मी की जान चली गई, जबकि १० लोग बीमार होकर अस्पताल में भर्ती हुए। मिर्जापुर में एक सफाईकर्मी सहित ५ लोगों की मौत हुई, जबकि चंदौली में होमगार्ड के एक जवान ने दम तोड़ा है, वहीं वाराणसी में ४०० लोग गर्मी से बीमार होकर शहर में अलग-अलग अस्पतालों में पहुंचे।

शनिवार को पूर्वांचल के १० जिलों में सबसे ज्यादा तापमान चंदौली में ४५ डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। सोनभद्र में अधिकतम पारा ४४.६ तथा मिर्जापुर में ४४ डिग्री रहा। अन्य जिलों में पारा ४० से ४४ डिग्री के बीच रहा।

छह जून तक लू चलने की चेतावनी

भारत मौसम विज्ञान केंद्र ने जिले में तीन से छह जून तक लू चलने की चेतावनी जारी की है। अपर जिलाधिकारी रामप्रकाश ने मौसम के बढ़ते तापमान को देखते हुए लोगों को बचाव के तरीके बताए। कहा कि दोपहर १२ से तीन बजे तक कड़ी धूप में बाहर न निकलें और जितनी बार हो सके, पानी पीएं। प्यास न लगे तो भी पानी पीते रहें। हालत बिगड़ने पर तत्काल चिकित्सक से संपर्क करें। धूप में बाहर निकलने पर शरीर व सिर को सूती कपड़े और टोपी से ढंककर रखें।

महोबा में तीन और लोगों की गई जान

महोबा जिले में गर्मी का कहर जारी है। आसमान से आग बरसती सूर्य की किरणों व लू के थपेड़ों ने सभी का हाल बेहाल कर दिया है। रविवार को लू और बुखार की चपेट में आने से जहां किसान समेत तीन लोगों की मौत हो गई, वहीं जिला अस्पताल व निजी क्लीनिकों में उल्टी, दस्त, पेटदर्द और बुखार के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। चिकित्सक बहुत जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकलने की सलाह दे रहे हैं।

भीषण गर्मी व गर्म हवाओं ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। थाना खरेला के पाठा निवासी कुलदीप सिंह बाइक से पत्नी मोहिनी (३२) की दवा कराने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरखारी गया था। घर वापस लौटते समय मोहिनी को लू लग गई। अचेत अवस्था में परिजन उसे जिला अस्पताल लाए लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई, वहीं कोतवाली चरखारी के गोरखा निवासी लालदिवान (७०) खेती-किसानी करता था। मृतक के भतीजे धीरेंद्र ने बताया कि गांव में ही बने बगीचे में काम करते समय चाचा को लू लग गई।

अस्पताल में दिखाने के बाद सेहत में सुधार हुआ। शनिवार की शाम एक बार फिर हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल लाए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। इसी तरह कस्बा कबरई के इंदिरानगर निवासी कमलादेवी (६८) की देर रात हालत बिगड़ गई। बुखार होने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लाए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

हाइवे का सफर हुआ हाई

यूपी में चुनाव खत्म होते ही बढ़ गए टोल के रेट

सामना संवाददाता / मथुरा

उत्तर प्रदेश में हाइवे पर सफर अब और महंगा हो गया है। जून से टोल की नई दरें प्रभावी हो गई हैं। एक बार गुजरने वाले वाहनों की दरों में वृद्धि के बजाय कमी की गई है, जबकि वापसी और मासिक पास की दरों में दो से १५ प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। लोकल वाहनों के मासिक पास की दरों में १० रुपए की वृद्धि की गई है। ऐसे में हाइवे से गुजरनेवाले वाहनों को जिले में टोल टैक्स अब और अधिक देना होगा।

हर वर्ष बढ़ाई जाती है टोल की दरें

सरकार सफर सुहाना बनाने के लिए सड़कों का जाल बिछा रही है, नए हाइवे बनाए जा रहे हैं। मथुरा में भी बरेली हाइवे बनाया जा रहा है। आनेवाले समय में कान्हा की नगरी से कहीं भी आया जा सकता है। हाइवे पर सफर करनेवालों से सरकार टोल टैक्स वसूलती है। हर वर्ष टोल की दरें बढ़ाई जाती हैं।

इस वर्ष भी अप्रैल से टोल की दरें बढ़ना प्रस्तावित थीं, लेकिन चुनाव को लेकर नहीं बढ़ाई जा सकीं। अब चुनाव होने के बाद जून से हाइवे टोल पर नई दरें प्रभावी कर दी गईं। इस बार एक बार गुजरनेवाले वाहनों की दरों में वृद्धि के बजाय कमी की गई है, लेकिन वापसी और मासिक पास की दरों में दो से १५ प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। लोकल वाहनों के मासिक पास में १० रुपए की वृद्धि की गई है।

एनएचएआई इंसीडेंट अधिकारी नरेंद्र कुमार के अनुसार, हाइवे पर टोल की दरों में वृद्धि की गई है। मथुरा जिले की सीमा में एक टोल आता है, इसकी दरों में कुछ प्रतिशत की वृद्धि की गई है। वाहन स्वामियों को राहत देने का भी प्रयास किया गया है। सिंगल पास की दरों में पहले से कुछ कमी की गई है।

सामना एंकर

वनों की कटाई से चढ़ा दिल्ली हाई कोर्ट का पारा!

बंजर रेगिस्तान बन जाएगी राजधानी

मुंगेशपुर में ३० मई को ५२.३ डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था पारा

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

दिल्ली में हाल ही में तापमान बढ़कर ५२.३ डिग्री सेल्सियस हो जाने पर संज्ञान लेते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा है कि यदि वनों की कटाई के प्रति वर्तमान पीढ़ी का रुख उदासीन बना रहा, तो राष्ट्रीय राजधानी एक बंजर रेगिस्तान बन जाएगी।

जस्टिस तुषार राव गेडेला ने कहा कि इस तथ्य पर न्यायिक संज्ञान लिया गया है कि हाल ही में ३० मई को दिल्ली में आधिकारिक तापमान ५२.३ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। अगर वर्तमान पीढ़ी वनों की कटाई के प्रति उदासीन दृष्टिकोण अपनाती रही तो वह दिन दूर नहीं, जब यह शहर केवल एक बंजर रेगिस्तान बनकर रह जाएगा। हाई कोर्ट ने इससे पहले अपने पूर्व जस्टिस नजमी वजीरी को दिल्ली में वनों के संरक्षण से संबंधित शहर के अधिकारियों की एक आंतरिक विभागीय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया था। उच्च न्यायालय को सूचित किया गया कि वजीरी बुनियादी ढांचे की कमी के कारण अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में असमर्थ हैं।

अदालत ने दी चेतावनी

अदालत ने कहा कि यह अदालत ऐसी स्थिति को बर्दाश्त नहीं कर सकती, जहां अध्यक्ष (जस्टिस वजीरी) कार्यालय स्थान या क्लर्क और सहायक कर्मचारियों या यहां तक कि ट्रांसपोर्ट साधनों की कमी के कारण जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में असमर्थ हों। उन्होंने कहा कि हालांकि, विभाग (वन एवं वन्यजीव) को अलग-अलग क्षमता में कर्मचारी उपलब्ध कराने का निर्देश देने के बजाय, विभाग को मामले को पूरी गंभीरता से आगे बढ़ाने का निर्देश देना उचित समझा गया है कि किसी भी स्थिति में मंजूरी में १५ जून से अधिक देरी नहीं की जाए।

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
सोमवार ३ जून २०२४ १०

संपादकीय

एग्जिट पोल

मोदी जा रहे हैं

सातवें और अंतिम चरण का मतदान पूरा होने से पहले ही टीवी चैनलों ने लोकसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा कर दी और यह भी घोषणा कर दी कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल जैसे बड़े राज्य की वोटिंग को लेकर पूरा 'डेटा' बाहर आया नहीं है। इसलिए इन राज्यों में नतीजे क्या होंगे, इनके भविष्य का कोई अनुमान नहीं लगा सकता, लेकिन इन सभी राज्यों में होने वाले मतदान की पूरी जानकारी न लेकर 'एग्जिट पोल' वाली कॉरपोरेट कंपनियों ने बेहिचक ठोक दिया कि एक बार फिर मोदी आ रहे हैं और भाजपा और उसके गठबंधन को ३५० से ज्यादा सीटें मिल रही हैं। भाजपा को ३५० सीटें मिल जाए इन लोगों ने ऐसा कौन सा बड़ा काम किया है? लोग २०१४ और २०१९ से ज्यादा मोदी को वोट दे रहे हैं और मोदी तीसरी बार जीत रहे हैं, इस तरह का माहौल तैयार करना सिर्फ पैसों का कॉर्पोरेट खेल है। १ तारीख को प. बंगाल, उत्तर प्रदेश में चुनाव हुए। प. बंगाल की १० सीटों के लिए करीब ५९.१५ फीसदी वोटिंग हुई। चुनाव आयोग चार-पांच दिन बाद इस आंकड़े में पांच से दस फीसदी और जोड़ देगा। फिर एग्जिट पोल वालों ने प. बंगाल में नतीजे किस आधार पर तय किए? हरियाणा में कुल १० लोकसभा सीटें हैं। अब गड़बड़ी समझिए। जी न्यूज के एग्जिट पोल में दिखाया गया है कि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को १० लोकसभा सीटों में से १६ से १९ सीटें मिलेंगी। अनुमान लगाया गया है कि एनडीए राज्य में छह से आठ सीटें जीतेगा, जबकि हिमाचल प्रदेश में केवल चार सीटें हैं। बिहार में भी लोक जनशक्ति पार्टी ने वैसे तो पांच सीटों पर चुनाव लड़ा है, लेकिन एग्जिट पोल में पार्टी छह सीटें जीत सकती है ऐसा ठोक दिया गया। झारखंड में जहां मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी एक सीट पर चुनाव लड़ रही है, वहीं पार्टी तीन सीटों पर जीत हासिल करेगी, एग्जिट पोल ने ऐसा 'चमत्कार' कर दिया है। यह सब फर्जी आंकड़ों का खेल है। देश की जनता का मूड और ये एग्जिट पोल बिल्कुल मेल नहीं खाते। जिस तरह के आंकड़े सामने आए हैं वे सभी सरकारी दबाव तंत्र और भाजपा द्वारा फेंके गए पैसों का खेल हैं, लेकिन पैसे की खातिर 'पोल' कंपनियों ने खुद को बेआबरू कर लिया है। कांग्रेस ने तमिलनाडु में सिर्फ ९ सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन 'आजतक' के एग्जिट पोल में तमिलनाडु में कांग्रेस को १३-१५ सीटें मिलने की भविष्यवाणी की है। इन सभी आंकड़ों पर नजर डालें तो एग्जिट पोल में भाजपा को ३५० भी कम ही सीटें दी हैं। हालांकि लोकसभा में ५४३ सीटें हैं, लेकिन भाजपा को ८०० से ९०० सीटें हासिल करने में कोई दिक्कत नहीं थी। दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन फायदेमंद साबित हो रहा है, लेकिन एग्जिट पोल ने दावा कर दिया है कि भाजपा को दिल्ली की सभी ७ सीटें मिलेंगी। सच तो यह है कि भारतीय जनता पार्टी ने पिछले १० वर्षों में हर चुनाव में जीत गड़बड़ी कर हासिल की है। इसमें इस एग्जिट पोल की भी हिस्सेदारी है। इस बार हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि एग्जिट पोल के आंकड़ों और ४ जून के वास्तविक नतीजों में बहुत बड़ा अंतर होगा। एग्जिट पोल के जरिए वे शेयर बाजार में उथल-पुथल मचाकर और जाते-जाते बड़ा हाथ मार लेते हैं। एग्जिट पोल का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है और सत्ता भाजपा के हाथों में जाने के बाद मन चाहे आंकड़े और परिणाम सीधे-सीधे खरीदे जाते हैं। यह उनकी तय नीति है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जरूर जीत हासिल करेगी इस तरह के आंकड़े एग्जिट पोल बता रहा था। लेकिन इन दोनों राज्यों में कांग्रेस की हार हुई थी। इन आंकड़ेबाजों का अंदाजा था कि राजस्थान में कांग्रेस फिर से सत्ता में आएगी। ऐसा नहीं हुआ। पिछली विधानसभा में अमित शाह द्वारा आंकड़े पहले ही घोषित कर दिए गए थे कि बंगाल में बड़ी जीत हासिल कर ली है, लेकिन प. बंगाल में ममता बनर्जी को मिली बंपर जीत। लब्बोलुआब ये है आपके एग्जिट पोल के हाल हैं। यह लोगों में भ्रम पैदा कर मतदान व्यवस्था को प्रभावित करने का खेल है। अमित शाह द्वारा पिछले ४८ घंटे में देश के डेढ़ सौ से अधिक जिला अधिकारियों एवं जिला मजिस्ट्रेट को फोन कर 'दम' देने की जानकारी सामने आई है। मतगणना में भाजपा की मदद करें, विपक्ष द्वारा आपत्ति किए जाने पर उसे नजरअंदाज करें, इस तरह से अमित शाह द्वारा अनेक जिलाधिकारी को धमकाए जाने की बात कही जा रही है। अगर ये सच है तो चुनाव आयोग कठपुतली बन गया है और सिर्फ तमाशा देख रहा है ऐसा कहा जाना चाहिए। जिस तरह मोदी ध्यान में बैठे, वैसे ही हमारा चुनाव आयोग भी बगुले की तरह आंखें बंद करके ध्यान में बैठा है। बेशक, लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है और मतदाता राजा है। ४ जून को वोटों की गिनती होगी और तानाशाही का अंधेरा दूर हो जाएगा। भाजपा वाले कहते हैं कि मोदी ने ध्यान करके सूर्य को शांत किया। मोदी ध्यान भी करें तो भी लोगों के मन में उपजे आक्रोश को शांत नहीं कर पाए हैं और इस वजह से भाजपा की हार तय है। भाजपा २२५ सीटों से आगे नहीं बढ़ रही है और इंडिया गठबंधन २९५ से ३१० सीटें जीतकर सरकार बनाएगा। एग्जिट पोल गुवाहाटी में काटे गए भैंसा की तरह है। इससे वास्तविक परिणाम नहीं बदलेगा। मोदी है तो इंडिया गठबंधन की जीत शत-प्रतिशत मुमकिन है! मोदी जा रहे हैं यही ४ जून का असली नतीजा है।

प्रासंगिक

लोकमित्र गौतम

इस पखवाड़े नई सरकार

चुटकुले खत्म, अब सीढ़ियां शुरू होती हैं..!!

१८वीं लोकसभा के लिए चुनाव खत्म हो चुके हैं और असली रिजल्ट के पहले, नतीजों के अनुमान भी आ चुके हैं। ये अनुमान कितने सही, कितने गलत साबित होंगे, इसके लिए भी अब ज्यादा इंतजार नहीं सिर्फ दो दिन बचे हैं, दो दिन के बाद सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। देश को एक नई सरकार मिलेगी, जो पिछले दो महीनों के असंख्य दावों, वायदों, अनुमानों और हकीकतों को अमलीजामा पहनाएगी इसलिए जैसे कि पोलिश भाषा की एक कहावत है-चुटकुले खत्म अब सीढ़ियां शुरू होती हैं, हमें भी मान लेना चाहिए कि चुनाव जीतने के लिए दावे करना, बड़े-बड़े अनुमानों को सपनीली चाशनी में पेश करना अलग बात है और उसे हकीकत का जामा पहनाना बिल्कुल दूसरी बात है। सरकार कोई भी बनाए, लेकिन इस बार ५ जून २०२४ के बाद का भारत इसके पहले के भारत जैसा नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते चुनावों में बार बार भारत को विकसित देश बनाने का वायदा किया है, तो दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन के अघोषित मुखिया राहुल गांधी ने भी जो आर्थिक वायदे किए हैं, उनको लागू करना न केवल एक आर्थिक क्रांति होगी बल्कि ये लागू हुए तो भारत छलांग लगाकर विकसित भारत की सीमा में प्रवेश कर जाएगा।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि दुनिया में सबसे युवा देश भारत अपने असीमित श्रम संसाधनों और युवाओं की हाड़तोड़ मेहनत की बदौलत आगे बढ़ेगा ही। अगर अलग-अलग दौर की सरकारों की विकास दर को एक मिनट के लिए एक तरफ रख दें, तो भी आजादी के बाद से अब तक हिंदुस्थान ने लगातार अपनी श्रमसाध्य जिजीविषा की बदौलत आर्थिक राह पर आगे ही बढ़ा है, पीछे नहीं गया। यह अलग बात है कि हमारी बहुत ज्यादा जनसंख्या और लंबे समय तक विकास दर से कहीं ज्यादा रही प्रजनन की दर ने उस तरह से इस विकास का एहसास नहीं होने दिया, जिस तरह से प्रतिव्यक्ति आय के आईने में आज दुनिया की अमीरी- गरीबी जांची परखी जाती है, वरना अगर हम १९४७ से २०२४ के बीच भारत में पैदा हुई या विकसित की गई धन-संपदा को देखें तो हमने किसी भी देश के मुकाबले कम उन्नति नहीं की। चाहे फिर वो पश्चिम के विकसित देश हों या टेक्नोलॉजी के टाइकून।

इससे साफ पता चलता है कि भारत में विकास की दर सरकारों के साथ नत्थी जरूर होती है, लेकिन अपने यहां विकास सरकारों का मोहताज नहीं है। पिछली दो-तीन सदियों में हम हिंदुस्थानियों ने इतनी गरीबी देखी है कि सरकारें सहयोग करें, न करें, साथ दें, न दें, हम भारतीय येन-केन प्रकारेण अपनी आर्थिक उन्नति का प्रयास करेंगे ही। पिछले ३० सालों में अगर जीवन स्तर के आईने में देखा जाए तो भारत के गांवों का कायाकल्प हो गया है। हर साल भारत के शहरों से और विदेशों से १० लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा सालाना गांव पहुंचे हैं। हालांकि, फिर भी हमारे गांव यूरोप और अमेरिका के गांवों से नहीं बन सके, लेकिन यह भी तय है कि आज के भारत के गांव चाहे वह देश के किसी भी कोने में हों, ३० साल पहले के गांवों जैसे भी नहीं हैं। गांवों के इस कायाकल्प में निःसंदेह सरकारों का भी योगदान है, लेकिन ८० फीसदी से ज्यादा गांवों के इस कायाकल्प का दारोमदार उन युवाओं पर है, जिन्होंने बेहद गरीबी में आंखें खोली थीं और जवान होने के पहले ही जिम्मेदारियों के बोझ से लदकर शहर ठेल दिए गए। १९९० से २०२० तक भारत के गांवों से शहरों की तरफ लगातार पलायन बढ़ा है और इस पलायन में बहुत बड़ी हिस्सेदारी गांवों के युवाओं की ही रही हैं, जिन्होंने कुछ भी किया हो, पर पैसे बनाए हैं और धीमी रफ्तार से ही सही उनके पैसों से हुआ ग्रामीण भारत का कायाकल्प अब आकार लेने लगा है।

लेकिन इस पखवाड़े के बाद भारत के विकास का जो सफर शुरू होगा, वह अब तक के जैसा नहीं होगा। अगर केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है, तो ३० लाख लोगों को सरकारी नौकरियां मिलेंगी और करीब १० करोड़ महिलाओं को हर साल एक लाख का भुगतान मिलेगा। यह सिर्फ चकाचौंध के अंदाज में देश की सूरत बदलने वाला या वेलफेयर स्टेट का एक नया अध्याय भर नहीं होगा, अपने आप में एक आर्थिक क्रांति होगी और यह तभी संभव है जब देश मौजूदा विकास दर से ४ से ५ फीसदी ज्यादा विकास करे इसलिए निश्चित रूप से यह इस पखवाड़े बनने वाली किसी भी सरकार के लिए एक नई बड़ी और अब तक न आजमाई गई एक महान चुनौती होगी। अगर प्रधानमंत्री मोदी अपने तीसरे टर्म को आगे बढ़ाते हैं, तो उन्हें इंडिया गठबंधन के दावों से भी कहीं बड़ा आर्थिक वितान खींचना होगा। भारत को प्रधानमंत्री मोदी के दावों के मुताबिक, साल २०२६ में जापान और २०२७ में जर्मनी को पीछे छोड़ना होगा। यह आसान नहीं होगा।

यह अलग बात है कि दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले भारत के उपभोक्ता बाजार में अगले एक दशक तक जबरदस्त मांग बरकरार रहेगी, जिससे अर्थव्यवस्था के आगे बढ़ने का जो बुनियादी प्रोत्साहन होना चाहिए, वह हमेशा मौजूद रहेगा। लेकिन अगर भारत में पिछले १० सालों में अमीरी और गरीबी रेखा के बीच बढ़ी दूरियों को देखें तो साफ पता चलता है कि पर्चेजिंग पावर (क्रयशक्ति) के नजरिये से भारत में समृद्ध तबका संख्या के लिहाज से सिकुड़ रहा है। भले उसकी क्रयशक्ति बहुत बढ़ रही हो। सीधे शब्दों में भारत के हर व्यक्ति की क्रयशक्ति नहीं बढ़ रही इसलिए उपभोक्ताओं की मौजूदगी का समीकरण भी जरूरी नतीजे देगा इस पर संदेह है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण रियल स्टेट के क्षेत्र का है। पांच साल पहले महानगरों में जबरदस्त फ्लैटों की मांग थी, क्योंकि कारपोरेट सेक्टर गुलजार था। प्रोफेशनलों को शुरुआती पैकेज ही ऐसे मिल रहे थे कि वे अपनी नौकरी के शुरुआत के छह महीनों में ही अपना फ्लैट बुक कराने की हैसियत में आ जा रहे थे, लेकिन नोटबंदी और फिर कोरोना के साथ ही जीएसटी ने हमारी अर्थव्यवस्था को अंदर से इस कदर झकझोरा है कि आंकड़ों में भले अभी भी हम दुनिया की ताकतवर और लगातार मजबूत हो रही अर्थव्यवस्था हों, लेकिन व्यावहारिक दुनिया में आज पांच साल पहले के मुकाबले मध्यवर्ग और खासकर २८ साल से कम के युवाओं में वह ठोस क्रयशक्ति नहीं बची, जो अपनी कार और फ्लैट की ईएमआई को आसानी से भर पाने का साहस जुटा सके। यही वजह है कि मुंबई जैसे महानगर में १० लाख के आस-पास बने फ्लैट पड़े हैं और ये डेवलपरों के तमाम आकर्षक प्रस्तावों के बावजूद नहीं बिक रहे।

लब्बोलुआब यह कि सरकार किसी की भी बने, उसे हर हाल में मिडिल क्लास की क्रयशक्ति को ठोस तरीके से बढ़ोतरी का प्रयास करना होगा। कोरोना के बाद भले अर्थव्यवस्था फिर से पटरी पर आ गई हो, लेकिन आज भी कोरोना के पहले की तुलना में १६ फीसदी महिलाएं बेरोजगार हैं और अगर पिछले एक दशक में महिलाओं के रोजगार की वृद्धि को देखें तो यह न सिर्फ स्थिर है बल्कि नकारात्मक हो चुकी है। भारत में वास्तविक अर्थों में ८० फीसदी महिलाओं की वर्कफोर्स व्यवस्थित रोजगार से वंचित है। बड़े पैमाने पर महिलाएं असुरक्षित और अनियमित रोजगार में हैं। नई सरकार को इस हकीकत से भी आंखें मिलानी होंगी। शेयर मार्केट भले रह रहकर बुलंदियां छू रहा हो, लेकिन यह भी सही है कि देश में सबसे आकर्षक दावा ८० करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देने का ही है। इससे साफ पता चलता है कि अर्थव्यवस्था में अभी इतना कुछ काम करना बाकी है कि जो भी गठबंधन ४ जून के बाद सत्ता में आएगा, उसे लार्जर देन पॉसिबिल कारनामा दिखाना करके होगा।

(लेखक विशिष्ट मीडिया एवं शोध संस्थान, इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर में वरिष्ठ संपादक हैं)

(उपरोक्त आलेख में व्यक्त विचार लेखक के निजी विचार हैं। अखबार इससे सहमत हो यह जरूरी नहीं है।)

संपादक : **श्री उद्धव बालासाहेब ठाकरे** ■ निवासी संपादक (मुंबई) : **अनिल तिवारी*** ■ कार्यालय : **सद्गुरु दर्शन, नागू सयाजी वाडी, दैनिक सामना मार्ग, प्रभादेवी, मुंबई- ४०० ०२५** ■ मुद्रक -प्रकाशक : **विवेक कदम** द्वारा प्रबोधनकार ठाकरे संकुल, वाशी, नई मुंबई में मुद्रित एवं प्रकाशित। **टेलीफोन** : २४३७०५९१-९२ **टेलीफैक्स** : २४३११२७४ **email : dks.saamana@gmail.com** आरएनआई पंजीकरण क्रमांक : ५४८७८/९३ *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।

अक्षर, अंक और आज

शब्दजाल

क्रमांक ९३

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
सोमवार ३ जून २०२४ ११

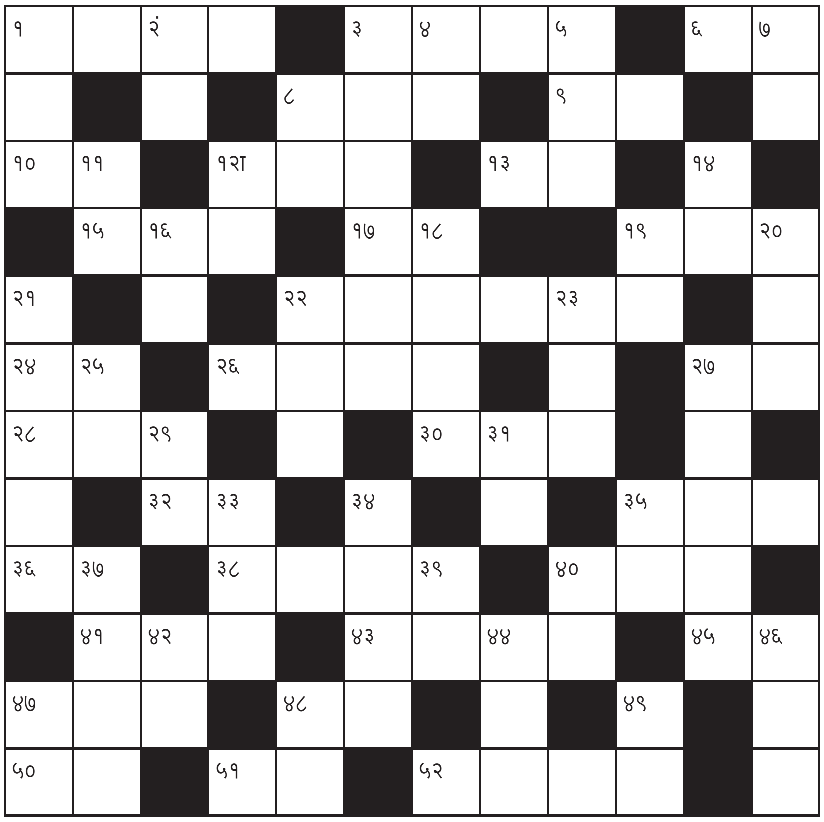

बाएं से बाएं

१. निरजा गुलेरी द्वारा लिखित एक उपन्यास, ३. वयस्क, ६. फिल्म शक्ति में अमिताभ बच्चन की मां, ८. अनुकरण, ९. सरहद, १०. मिट्टी, १२. अंदर का विलोम, १३. गन्ने का गाढ़ा रस, १५. प्रशंसक, १७. दस और दस का योग, १९. नाड़ी. २२. मस्त-मस्त गर्ल इस नायिका को कहते हैं, २४. ईसाई साध्वी, २६. साक्षात्कार, २७. अल्प, २८. हिंदुस्थान, इंडिया, ३०. जाली, ३२. सूर्य, भास्कर, ३५. सरोवर, ३६. सरिता, ३८. प्रदेश का शासन केंद्र, ४०. मोती की माला, गुरिया, ४१. बाल्यावस्था, कम समझदार, ४३. रोजे का महीना, ४५. पृथ्वी, ४७. जिसके नाम का पता न हो, ४८. जान, ५०. प्राचीन समय में इस पर बैठ कर राजा महाराजा युद्ध करते थे, ५१. शासन आदि द्वारा किसी सामान को अपने कब्जे में लेना, ५२. भेंट, तोहफा

ऊपर से नीचे

१. चांद, २. प्याज, ३. धर्मेंद्र और अनीता राज की एक फिल्म, ४. पानी, ५. किस्मत, ७. चावल, दूध और शक्कर को मिलाकर पकाया गया एक भोजन, ८. नहर में पहेली का शब्द, ११. टिप्पणी, १२. केश, १४. शरीर के छोटे एवं मुलायम बाल, १६. मृत्यु का देवता, १८. प्राचीन समय, १९. संपत्ति, २०. फिल्म इल्जाम की नायिका, २१. मन को भानेवाला, २२. दुलार अक्षर पलटना है २३. फिल्म सरगम में ऋषि कपूर द्वारा बजाया जानेवाला वाद्य, २५. मादा का विलोम, २७. कमल के आकार का, २९. पूरा भीगा हुआ, ३१. ऋण, ३३. पूरा सूनसान, ३४. सामान्य, ३५. संगीत में स्वर का विस्तार, ३७. भगवान विष्णु, ३९. एक बहुपयोगी वृक्ष, ४०. यह बहुत चंचल होता है, ४२. मूल्य, ४४. योग्य ४६. संजय दत्त और सलमान खान की एक फिल्म, ४७. छोटे आकार का गोलाकार एक फल, ४८. पाना, ४९. स्वर्ण, धतूरा

आप भी जुड़िए

यदि आपको लगता है कि **दोपहर का सामना** की खबरें, आलेख व अन्य सामग्री आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही हैं, इनका आप पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है या ये सिस्टम की खामियां उजागर कर रही हैं तो आप अपनी प्रतिक्रिया हमारे व्हॉट्स ऐप नंबर पर लिखकर भेज सकते हैं। साथ ही आप अपने विचार, आलेख, रचनाएं व सुझाव भी हम तक भेज सकते हैं, ताकि हम उनके मूल्यांकन के बाद उन्हें उचित स्थान दे सकें। बतौर एक जागृत पाठक आप अपनी समस्याओं को भी **सिटीजन रिपोर्टर** और **संपादक के नाम पत्र** में छपने के लिए भेज सकते हैं।

आपके सहयोग की अपेक्षा के साथ
निवासी संपादक

९३२४१७६७६९
दोपहर का सामना
सद्गुरु दर्शन, नागू सयाजी वाड़ी, दैनिक सामना मार्ग, न्यू प्रभादेवी, मुंबई- ४०००२५

बच्चों का कोना

ऐसे खेलें- लोकप्रिय सूडोकू खेल बच्चे भी खेल सकें, इस लिहाज से यहां अंकों और आकृतियों वाले सरल सूडोकू बनाए गए हैं। इसमें बाएं से दाएं व ऊपर से नीचे १ से ४ या ६ तक के अंकों व विभिन्न आकृतियों को इस तरह जमाएं कि किसी भी पंक्ति एवं बॉक्स में कोई भी रिपीट न हो। हर पहेली का एक ही हल है।

नंबर सूडोकू क्र.९३

			4	
	5			
2		4		
				1

सिमबोल सूडोकू क्र.९३

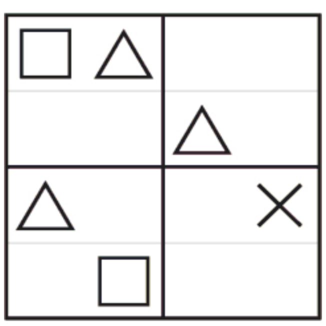

उत्तर क्र. ९२

नंबर सूडोकू

5	3	2	1	4
1	4	3	2	5
4	2	1	5	3
2	5	4	3	1
3	1	5	4	2

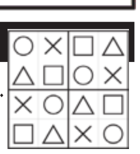

सिमबोल सूडोकू

नंबर गेम क्र.९३

32	33		29	(1)	
34		30	27		2
	(36)	26	13	11	5
	25	14		10	6
24	22	18			7
	20			16	8

ऐसे खेलें- नंबर गेम में कुछ रिक्त बॉक्स दिए गए हैं, शेष में नंबर लिखे हैं। पहेली के सबसे छोटे व सबसे बड़े नंबर को हाईलाइट किया गया है। आपको इन दोनों नंबरों के बीच के उन नंबरों को रिक्त बॉक्स में भरना है जो पहेली से नदारद हैं। इसका ख्याल रखें कि आप जो कोई नंबर लिखें उस नंबर के बॉक्स का कोई न हिस्सा या कोना लिखे हुए नंबर बॉक्स से सटा हो। बॉक्स करंट जारी रहे। आपकी पहेली सबसे छोटे नंबर से शुरू होकर सबसे बड़े नंबर पर खत्म होनी चाहिए। उदाहरण पहेली के हल में दर्शाया गया है।

उत्तर क्र. ९२

27	29	30	31	32	4
28	26	(1)	33	3	5
25	23	34	2	6	8
24	35	22	14	9	7
(36)	18	15	21	13	10
17	16	19	20	12	11

सू-डो-कू क्र- ९३

6			7		9			
2		8					3	
		9	4			1	5	
5		1	9		3			4
	3	2			6		9	
8				4	5	6	1	
				1			4	5
	8	3		5				2
7	5		8	9				

सूडोकू उत्तर .९२

3	4	8	6	7	1	5	2	9
7	6	9	3	5	2	8	4	1
1	2	5	4	8	9	6	3	7
8	1	4	7	2	3	9	5	6
5	9	2	8	4	6	1	7	3
6	3	7	1	9	5	4	8	2
4	5	3	9	1	7	2	6	8
2	7	1	5	6	8	3	9	4
9	8	6	2	3	4	7	1	5

ऐसे खेलें- पहेली के बाएं से दाएं व ऊपर से नीचे दिए गए 3×3 बॉक्स में १ से ९ तक के नंबर इस तरह जमाएं कि कोई नंबर रिपीट न हो। साथ ही हरेक खड़ी व लंबवत पंक्ति के किसी भी बॉक्स में कोई भी नंबर रिपीट न हो। हर पहेली का एक ही हल है।

काकूरो गेम क्र.९३

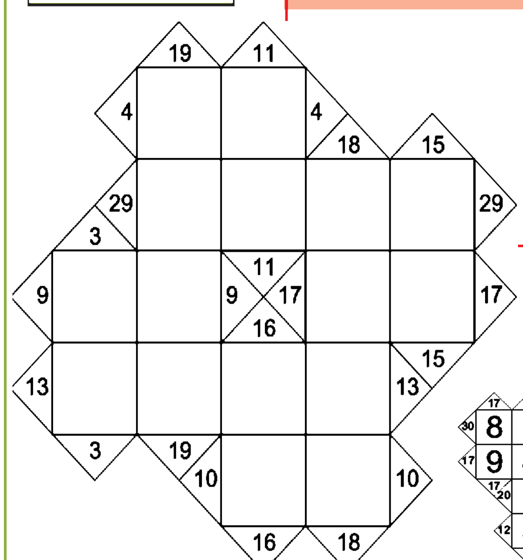

ऐसे खेलें- काकूरो संख्यात्मक खेल सूडोकू और वर्ग पहेली का परिष्कृत रूप है। इसमें सभी रिक्त स्थानों को १ से ९ अंकों से इस तरह भरना है, ताकि प्रत्येक खड़े या लंबवत जुड़े समूह में संख्याएं समान न हों और समूह की संख्याएं उस समूह के सामने के बॉक्स की जोड़ राशि बताएं। प्रत्येक समूह के सामने एक संख्या को बॉक्स में रखा गया है, जो उस समूह की सभी संख्याओं का कुल योग है।

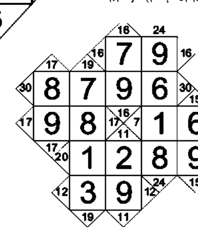

काकूरो उत्तर-९२

दैनिक पंचांग

पं.अतुल शास्त्री
ज्योतिषाचार्य

तिथि	द्वादशी
नक्षत्र	अश्विनी
पक्ष	कृष्ण
करण	कौलव
योग	सौभाग्य
वार	सोमवार

सूर्य-चंद्र संबंधी गणनाएं

सूर्योदय	०५:४२:३६
चंद्रोदय	०३:३१:४६
चंद्र राशि	कुंभ
सूर्य राशि	वृषभ
चंद्रास्त	१६:०१:४३
सूर्यास्त	०७:०६:३६
ऋतु	ग्रीष्म

हिंदू मास एवं वर्ष

शक संवत्सर	१९४६
विक्रम संवत	२०८१
हिजरी सन्	१४४६
सूर्य	उत्तरायण
दिशाशूल	पूर्व

शुभ-अशुभ समय

राहुकाल	०७:२३ - ०९:०४
यम घंट	१०:४४ - १२:२५
अभिजीत	११:५८ - १२:५२
अमृतकाल	११:१८ - १२:२५

दिन का चौघड़िया

अमृत	०५:४२ - ०७:२३	शुभ
काल	०७:२३ - ०९:०४	अशुभ
शुभ	०९:०४ - १०:४४	शुभ
रोग	१०:४४ - १२:२५	अशुभ
उद्वेग	१२:२५ - १४:०६	अशुभ
चर	१४:०६ - १५:४७	शुभ
लाभ	१५:४७ - १७:२८	शुभ
अमृत	१७:२८ - १९:०९	शुभ

रात का चौघड़िया

चर	१९:०९ - २०:२८	शुभ
रोग	२०:२८ - २१:४७	अशुभ
काल	२१:४७ - २३:०६	अशुभ
लाभ	२३:०६ - ००:२५	शुभ
उद्वेग	००:२५ - ०१:४४	अशुभ
शुभ	०१:४४ - ०३:०४	शुभ
अमृत	०३:०४ - ०४:२३	शुभ
चर	०४:२३ - ०५:४२	शुभ

आपके सितारे

डॉ.बालकृष्ण मिश्र
ज्योतिषाचार्य

मेष- परिवार में भाइयों के प्रति गलतफहमियां एवं मनमुटाव दूर होंगे। आपसी सहमति बनेगी।

वृष- आपको एवं अपने प्रियजनों को आपके तनाव का नतीजा भुगतना पड़ सकता है।

मिथुन- समय अनुकूल है। अवसर न जाने दें, कार्य बनने की पूर्ण संभावना है।

कर्क- धर्म संग्रह करने के लिए परिवार के साथ किसी मंदिर में जरूर जाएं, परिवार में प्रगाढ़ता आएगी।

सिंह- परिवार एवं समाज के साथ बखूबी से जिम्मेदारी निभाएं, नहीं तो कलंक लग सकता है।

कन्या- आपका नुकसान करने के लिए शत्रु किसी भी स्तर तक जा सकता है। अतः सावधानी रखें।

तुला- संपत्ति के मामले में परिवार की सलाह जरूर लें। कहीं से रुका हुआ पैसा मिल सकता है।

वृश्चिक- कहीं की यात्रा का अवसर प्राप्त हो सकता है। परिश्रम से ही प्रतिभा उभरेगी।

धनु- समय पूर्णतया अनुकूल है। किसी सामाजिक कार्य में सहभागी बनेंगे, तभी विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

मकर- नए निवेश में हाथ डालने से पहले सोच-समझकर निर्णय लें, नहीं तो नुकसान हो सकता है।

कुंभ- मित्रों के सहयोग से आशातीत लाभ होगा, योजनाबद्ध तरीके से काम लें, तभी लाभ मिलेगा।

मीन- व्यावसायिक प्रशिक्षण लेकर ही व्यवसाय के लिए संतुलित बजट बनाएंगे। सामाजिकता की भी वृद्धि होगी

शब्दजाल

क्रमांक ९३

१		२		■	३	४		५	■	६	७
	■		■	८			■	९		■	
१०	११	■	१२			■	१३		■	१४	■
■	१५	१६		■	१७	१८	■	■	१९		२०
२१	■		■	२२				२३		■	
२४	२५	■	२६				■		■	२७	
२८		२९	■		■	३०	३१		■		■
	■	३२	३३	■	३४	■		■	३५		
३६	३७	■	३८			३९	■	४०			■
■	४१	४२		■	४३		४४		■	४५	४६
४७			■	४८		■		■	४९	■	
५०		■	५१		■	५२				■	

बाएं से बाएं

१. निरजा गुलेरी द्वारा लिखित एक उपन्यास, ३. वयस्क, ६. फिल्म शक्ति में अमिताभ बच्चन की मां, ८. अनुकरण, ९. सरहद, १०. मिट्टी, १२. अंदर का विलोम, १३. गन्ने का गाढ़ा रस, १५. प्रशंसक, १७. दस और दस का योग, १९. नाड़ी. २२. मस्त-मस्त गर्ल इस नायिका को कहते हैं, २४. ईसाई साध्वी, २६. साक्षात्कार, २७. अल्प, २८. हिंदुस्थान, इंडिया, ३०. जाली, ३२. सूर्य, भास्कर, ३५. सरोवर, ३६. सरिता, ३८. प्रदेश का शासन केंद्र, ४०. मोती की माला, गुरिया, ४१. बाल्यावस्था, कम समझदार, ४३. रोजे का महीना, ४५. पृथ्वी, ४७. जिसके नाम का पता न हो, ४८. जान, ५०. प्राचीन समय में इस पर बैठ कर राजा महाराजा युद्ध करते थे, ५१. शासन आदि द्वारा किसी सामान को अपने कब्जे में लेना, ५२. भेंट, तोहफा

ऊपर से नीचे

१. चांद, २. प्याज, ३. धर्मेंद्र और अनीता राज की एक फिल्म, ४. पानी, ५. किस्मत, ७. चावल, दूध और शक्कर को मिलाकर पकाया गया एक भोजन, ८. नहर में पहेली का शब्द, ११. टिप्पणी, १२. केश, १४. शरीर के छोटे एवं मुलायम बाल, १६. मृत्यु का देवता, १८. प्राचीन समय, १९. संपत्ति, २०. फिल्म इल्जाम की नायिका, २१. मन को भानेवाला, २२. दुलार अक्षर पलटना है २३. फिल्म सरगम में ऋषि कपूर द्वारा बजाया जानेवाला वाद्य, २५. मादा का विलोम, २७. कमल के आकार का, २९. पूरा भीगा हुआ, ३१. ऋण, ३३. पूरा सूनसान, ३४. सामान्य, ३५. संगीत में स्वर का विस्तार, ३७. भगवान विष्णु, ३९. एक बहुपयोगी वृक्ष, ४०. यह बहुत चंचल होता है, ४२. मूल्य, ४४. योग्य ४६. संजय दत्त और सलमान खान की एक फिल्म, ४७. छोटे आकार का गोलाकार एक फल, ४८. पाना, ४९. स्वर्ण, धतूरा

दोपहर का सामना

९३२४१७६७६९

सोमवार ३ जून २०२४ १२

आप भी जुड़िए

यदि आपको लगता है कि **दोपहर का सामना** की खबरें, आलेख व अन्य सामग्री आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही हैं, इनका आप पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है या ये सिस्टम की खामियां उजागर कर रही हैं तो आप अपनी प्रतिक्रिया हमारे व्हॉट्स ऐप नंबर पर लिखकर भेज सकते हैं। साथ ही आप अपने विचार, आलेख, रचनाएं व सुझाव भी हम तक भेज सकते हैं, ताकि हम उनके मूल्यांकन के बाद उन्हें उचित स्थान दे सकें। बतौर एक जागृत पाठक आप अपनी समस्याओं को भी **सिटीजन रिपोर्टर** और **संपादक के नाम पत्र** में छपने के लिए भेज सकते हैं।

आपके सहयोग की अपेक्षा के साथ

निवासी संपादक

९३२४१७६७६९

दोपहर का सामना

सद्गुरु दर्शन, नागू सयाजी वाड़ी, दैनिक सामना मार्ग, न्यू प्रभादेवी, मुंबई- ४०००२५

बच्चों का कोना

ऐसे खेलें- लोकप्रिय सूडोकू खेल बच्चे भी खेल सकें, इस लिहाज से यहां अंकों और आकृतियों वाले सरल सूडोकू बनाए गए हैं। इसमें बाएं से दाएं व ऊपर से नीचे १ से ४ या ६ तक के अंकों व विभिन्न आकृतियों को इस तरह जमाएं कि किसी भी पंक्ति एवं बॉक्स में कोई भी रिपीट न हो। हर पहेली का एक ही हल है।

नंबर सूडोकू क्र.९३

			4	
	5			
2		4		
				1

सिमबोल सूडोकू क्र.९३

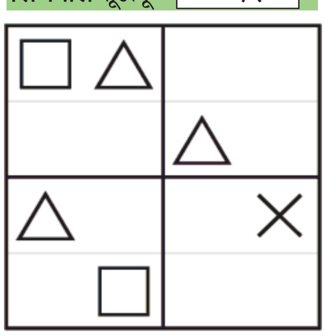

नंबर सूडोकू

5	3	2	1	4
1	4	3	2	5
4	2	1	5	3
2	5	4	3	1
3	1	5	4	2

उत्तर क्र. ९२

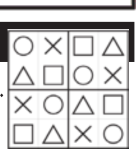

सिमबोल सूडोकू

32	33		29	(1)	
34		30	27		2
	(36)	26	13	11	5
	25	14		10	6
24	22	18			7
	20			16	8

नंबर गेम

क्र.९३

ऐसे खेलें- नंबर गेम में कुछ रिक्त बॉक्स दिए गए हैं, शेष में नंबर लिखे हैं। पहेली के सबसे छोटे व सबसे बड़े नंबर को हाईलाइट किया गया है। आपको इन दोनों नंबरों के बीच के उन नंबरों को रिक्त बॉक्स में भरना है जो पहेली से नदारद हैं। इसका ख्याल रखें कि आप जो कोई नंबर लिखें उस नंबर के बॉक्स का कोई न हिस्सा या कोना लिखे हुए नंबर बॉक्स से सटा हो। बॉक्स करंट जारी रहे। आपकी पहेली सबसे छोटे नंबर से शुरू होकर सबसे बड़े नंबर पर खत्म होनी चाहिए। उदाहरण पहेली के हल में दर्शाया गया है।

उत्तर क्र. ९२

27	29	30	31	32	4
28	26	(1)	33	3	5
25	23	34	2	6	8
24	35	22	14	9	7
(36)	18	15	21	13	10
17	16	19	20	12	11

सू-डो-कू

क्र- ९३

6			7		9			
2		8					3	
		9	4			1	5	
5		1	9		3			4
	3	2			6		9	
8				4	5	6	1	
				1			4	5
	8	3		5				2
7	5		8	9				

सूडोकू उत्तर .९२

3	4	8	6	7	1	5	2	9
7	6	9	3	5	2	8	4	1
1	2	5	4	8	9	6	3	7
8	1	4	7	2	3	9	5	6
5	9	2	8	4	6	1	7	3
6	3	7	1	9	5	4	8	2
4	5	3	9	1	7	2	6	8
2	7	1	5	6	8	3	9	4
9	8	6	2	3	4	7	1	5

ऐसे खेलें- पहेली के बाएं से दाएं व ऊपर से नीचे दिए गए 3×3 बॉक्स में १ से ९ तक के नंबर इस तरह जमाएं कि कोई नंबर रिपीट न हो। साथ ही हरेक खड़ी व लंबवत पंक्ति के किसी भी बॉक्स में कोई भी नंबर रिपीट न हो। हर पहेली का एक ही हल है।

काकूरो गेम

क्र.९३

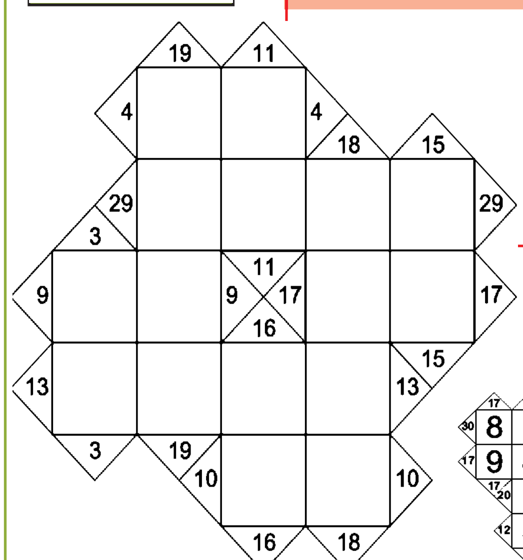

ऐसे खेलें- काकूरो संख्यात्मक खेल सूडोकू और वर्ग पहेली का परिष्कृत रूप है। इसमें सभी रिक्त स्थानों को १ से ९ अंकों से इस तरह भरना है, ताकि प्रत्येक खड़े या लंबवत जुड़े समूह में संख्याएं समान न हों और समूह की संख्याएं उस समूह के सामने के बॉक्स की जोड़ राशि बताएं। प्रत्येक समूह के सामने एक संख्या को बॉक्स में रखा गया है, जो उस समूह की सभी संख्याओं का कुल योग है।

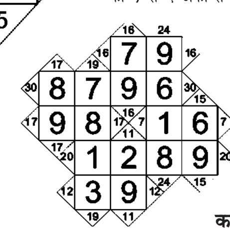

काकूरो उत्तर-९२

दैनिक पंचांग

पं.अतुल शास्त्री
ज्योतिषाचार्य

तिथि	द्वादशी
नक्षत्र	अश्विनी
पक्ष	कृष्ण
करण	कौलव
योग	सौभाग्य
वार	सोमवार

सूर्य-चंद्र संबंधी गणनाएं

सूर्योदय	०५:४२:३६
चंद्रोदय	०३:३१:४६
चंद्र राशि	कुंभ
सूर्य राशि	वृषभ
चंद्रास्त	१६:०१:४३
सूर्यास्त	०७:०६:३६
ऋतु	ग्रीष्म

हिंदू मास एवं वर्ष

शक संवत्सर	१९४६
विक्रम संवत	२०८१
हिजरी सन्	१४४६
सूर्य	उत्तरायण
दिशाशूल	पूर्व

शुभ-अशुभ समय

राहुकाल	०७:२३ - ०९:०४
यम घंट	१०:४४ - १२:२५
अभिजीत	११:५८ - १२:५२
अमृतकाल	११:१८ - १२:२५

दिन का चौघड़िया

अमृत	०५:४२ - ०७:२३	शुभ
काल	०७:२३ - ०९:०४	अशुभ
शुभ	०९:०४ - १०:४४	शुभ
रोग	१०:४४ - १२:२५	अशुभ
उद्वेग	१२:२५ - १४:०६	अशुभ
चर	१४:०६ - १५:४७	शुभ
लाभ	१५:४७ - १७:२८	शुभ
अमृत	१७:२८ - १९:०९	शुभ

रात का चौघड़िया

चर	१९:०९ - २०:२८	शुभ
रोग	२०:२८ - २१:४७	अशुभ
काल	२१:४७ - २३:०६	अशुभ
लाभ	२३:०६ - ००:२५	शुभ
उद्वेग	००:२५ - ०१:४४	अशुभ
शुभ	०१:४४ - ०३:०४	शुभ
अमृत	०३:०४ - ०४:२३	शुभ
चर	०४:२३ - ०५:४२	शुभ

आपके सितारे

डॉ.बालकृष्ण मिश्र
ज्योतिषाचार्य

मेष- परिवार में भाइयों के प्रति गलतफहमियां एवं मनमुटाव दूर होंगे। आपसी सहमति बनेगी।

वृष- आपको एवं अपने प्रियजनों को आपके तनाव का नतीजा भुगतना पड़ सकता है।

मिथुन- समय अनुकूल है। अवसर न जाने दें, कार्य बनने की पूर्ण संभावना है।

कर्क- धर्म संग्रह करने के लिए परिवार के साथ किसी मंदिर में जरूर जाएं, परिवार में प्रगाढ़ता आएगी।

सिंह- परिवार एवं समाज के साथ बखूबी से जिम्मेदारी निभाएं, नहीं तो कलंक लग सकता है।

कन्या- आपका नुकसान करने के लिए शत्रु किसी भी स्तर तक जा सकता है। अतः सावधानी रखें।

तुला- संपत्ति के मामले में परिवार की सलाह जरूर लें। कहीं से रुका हुआ पैसा मिल सकता है।

वृश्चिक- कहीं की यात्रा का अवसर प्राप्त हो सकता है। परिश्रम से ही प्रतिभा उभरेगी।

धनु- समय पूर्णतया अनुकूल है। किसी सामाजिक कार्य में सहभागी बनेंगे, तभी विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

मकर- नए निवेश में हाथ डालने से पहले सोच-समझकर निर्णय लें, नहीं तो नुकसान हो सकता है।

कुंभ- मित्रों के सहयोग से आशातीत लाभ होगा, योजनाबद्ध तरीके से काम लें, तभी लाभ मिलेगा।

मीन- व्यावसायिक प्रशिक्षण लेकर ही व्यवसाय के लिए संतुलित बजट बनाएंगे। सामाजिकता की भी वृद्धि होगी

दोपहर का सामना
www.hindisaamana.com
epaper.hindisaamana.com
सोमवार ३ जून २०२४ १३

तड़का

कविता श्रीवास्तव

रोना...कभी नहीं रोना

क्रिकेट के खेल में बहुत ही प्रतिष्ठा का स्थान रखने वाला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टूर्नामेंट का इस साल का सत्र कुछ दिन पहले शाहरुख खान की टीम 'कोलकाता नाइट राइडर्स' की विजय के साथ समाप्त हुआ। फाइनल मैच में सनराइजर्स हैदराबाद टीम की पराजय हुई। सनराइजर्स हैदराबाद की सहमालिक काव्या मारन अपनी टीम की इस पराजय पर इतनी आहत हुईं कि वे वहीं स्टेडियम में ही फूट-फूट कर झर-झर आंसू बहाने लगीं। उन्होंने मीडिया के कैमरों से अपना मुख मोड़ लिया। अपनी टीम के फाइनल में पहुंच कर हार जाने पर उनकी यह भावना बहुत ही स्वाभाविक है। लेकिन इस पराजय के बाद अमिताभ बच्चन ने उनके बहते आंसुओं को थामने की

कोशिश की है। उन्होंने बेहद संवेदना भरे शब्दों में काव्या के बहते आंसुओं पर खुद के द्रवित होने की बात कही। उन्होंने कहा कि बहुत कम उम्र की इस उत्साही युवा को इस तरह रोते देखना उन्हें बहुत बुरा लगा। अपनी पोस्ट में अमिताभ बच्चन ने आगे यह भी कहा कि ऐसी पराजय से कभी भी स्वयं को परास्त महसूस नहीं करना चाहिए। आगे और भी राहे हैं। आगे के संघर्ष के लिए तैयार होने की उन्होंने प्रेरणा दी। हम सब जानते हैं कि इस सदी के मेगास्टार अमिताभ बच्चन सफलताओं के शीर्ष पर रहे हैं। वैसे एक वक्त आया था जब, उनका अपना करियर लगभग समाप्त हो चुका था लेकिन उन्होंने पुनः संघर्ष किया। वे टीवी शो पर आए। ढेर सारे विज्ञापन किए, फिर धड़ाधड़ फिल्में भी मिलती गईं। आज वे बेहद सक्रिय और व्यस्त कलाकार हैं। जल्द ही उनकी नई फिल्म 'कल्कि २८८९' भी आने वाली है। अपने जीवन के अनुभवों से काव्या मारन के लिए प्रेरणात्मक संदेश लिखना अमिताभ बच्चन की सकारात्मक सोच का उदाहरण है। हम जानते हैं कि खेल में हार-जीत होती रहती है। आईपीएल हर साल होता है। लोग इसमें अच्छे प्रदर्शन के साथ ही विजय पाने की सालभर उम्मीद रखते हैं। आईपीएल में खिलाड़ियों की बोली लगाकर टीमें बनाईं जाती हैं। इसमें बहुत पैसा लगता है इसलिए इसे प्रतिष्ठा से भी जोड़ा जाता है। कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक शाहरुख खान ने भी कई बार पराजय का मुंह देखा है। इस साल अव्वल दर्जे के उद्योग घराने की कलाप्रेमी और मुंबई इंडियंस टीम की मालिक नीता अंबानी ने भी पराजय देखा। यह खेल का हिस्सा है, लेकिन काव्या की अपनी टीम से दिल्लगी उनकी आंतरिक संवेदना को दर्शाती है। इस भाव को जब अमिताभ बच्चन जैसा कोई बड़ा सेलिब्रिटी समझता है और उसे हम लोगों के बीच शेयर करता है तो यह इंसानी जज्बातों की अभिव्यक्ति का बेहतरीन उदाहरण ही है। इस पर मुझे किशोर कुमार का गाया हुआ गाना याद आता है...

'रोना...कभी नहीं रोना,
चाहे टूट जाए, कोई खिलौना...

याद रहेगा अजब-गजब प्रचार

बब्बा बोलो ना...

अरुण कुमार गुप्ता

यह लोकसभा चुनाव कई प्रत्याशियों के प्रचार के अजब-गजब तरीकों के लिए भी याद किया जाएगा। पश्चिम से लेकर पूर्वांचल तक प्रत्याशियों ने वोटरों को लुभाने के लिए तमाम जतन किए, अब देखना यह है कि उनका यह तरीका चुनाव के नतीजों पर कितना असर दिखाता है। पश्चिमी यूपी से हुई शुरुआत के दौरान अलीगढ़ में निर्दलीय प्रत्याशी पंडित केशव देव गौतम का नाम सबकी जुबान पर चढ़ गया था। इसकी वजह थी, उनके द्वारा चप्पलों की माला पहनकर प्रचार करना। लखनऊ में मर्द पार्टी (मेरा अधिकार राष्ट्रीय दल) के प्रत्याशी के आकर्षक स्लोगन लोगों का ध्यान खींचने में कामयाब रहे। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रत्याशी कपिल मोहन ने 'बेटों के सम्मान में, उतरे हैं मैदान में', 'अगले जनम मोहे बेटा न कीजो' जैसे स्लोगन के जरिए अपने प्रचार को रफ्तार दी। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओपी राजभर ने घोसी से चुनाव लड़ रहे अपने बेटे अरविंद राजभर को जिताने के लिए हेमा मालिनी की तर्ज पर खेतों में जाकर गेहूं की फसल काटी। गोरखपुर से भाजपा प्रत्याशी रवि किशन कभी गाना गाकर तो कभी युवाओं से पंजा लड़ाकर प्रचार करते रहे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की सभाओं में भदोही निवासी छोटे कद के कार्यकर्ता चांद मोहम्मद का डांस खासा लोकप्रिय हुआ। वहीं आजमगढ़ में भाजपा प्रत्याशी दिनेश यादव निरहुआ ने 'अखिलेश हुए फरार, निरहुआ डटल बा' गाने से सपा की घेराबंदी की। मतदाता भी लोकतंत्र के पर्व का रंग जमाने में पीछे नहीं रहे। अलीगढ़ में एक शादी मतदाता जागरूकता अभियान में तब्दील हो गई। गोरखपुर में प्रत्याशी राजन यादव उर्फ अर्थी बाबा ने श्मशान घाट में अपना चुनाव कार्यालय खोला तो रातों-रात सुर्खियों में आ गए। उन्होंने अर्थी पर लेटकर प्रचार भी किया। गाजीपुर में निर्दलीय प्रत्याशी सत्यदेव यादव अपना नामांकन दाखिल करने दौड़कर गए।

घोसी, गाजीपुर व बलिया में होगा खेला

लोकसभा चुनाव में अब अंतिम चरण की वोटिंग भी हो चुकी है। भाजपा के लिए दिक्कत गाजीपुर, घोसी और बलिया की सीट पर होने वाली है। इनमें गाजीपुर और घोसी की सीट पर भाजपा पहले चुनाव हार भी चुकी है। घोसी, बलिया और गाजीपुर की लोकसभा सीट भाजपा के लिए मुश्किल इसलिए भी मानी जा रही है, क्योंकि यूपी विधानसभा चुनाव २०२२ में इन इलाकों में आने वाली विधानसभा सीटों पर भाजपा की हालत काफी खस्ता रही थी। इन ३ लोकसभा इलाकों में १५ विधानसभा की सीटें हैं। इनमें से सिर्फ दो सीटें ही भाजपा जीत पाई थी। बाकी सभी सीटें विपक्षी दलों कांग्रेस, सपा और बसपा के पास गई थीं। घोसी की सीट पर भाजपा की सहयोगी पार्टी सुभासपा के अरविंद राजभर को टिकट मिला है। राजभर का इस सीट पर अच्छा खासा प्रभाव है। पिछली बार राजभर भाजपा के साथ भी नहीं थे। सपा और बसपा ने इस सीट पर साथ मिलकर चुनाव लड़ा था और बसपा के अतुल राय यहां से सांसद बने थे। हालांकि, अतुल राय अपने पूरे कार्यकाल के दौरान जेल में ही रहे। इस बार वह चुनाव भी नहीं लड़ रहे हैं। सपा ने यहां राजीव राय को उतारा है, जो इलाके में प्रभावशाली भूमिहार वोटों को साधकर भाजपा के लिए मुश्किल खड़ी कर सकते हैं। गाजीपुर की सीट पर अफजाल अंसारी का कब्जा है। वह इस बार सपा से उम्मीदवार हैं। मुख्तार अंसारी की मौत के बाद यह भी एक मुद्दा बनकर खड़ा हुआ। बलिया पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की सीट है और भाजपा ने यहां से उनके बेटे नीरज शेखर को ही चुनाव मैदान में उतारा है। चंद्रशेखर यहां से ८ बार चुनाव जीते थे। ऐसे में उनके बेटे से भी भाजपा उम्मीद कर रही है कि यह सीट वह उसकी झोली में डाल देंगे। हालांकि, सपा ने यहां से सनातन पांडेय को उम्मीदवार बनाकर खेला कर दिया है। सपा के इस सीट पर ब्राह्मण-यादव समीकरण से भाजपा को अपनी इस जीती हुई सीट पर बड़ा झटका लग सकता है।

चुनावी मुकाबले में फंसा एनडीए

लोकसभा चुनाव २०२४ में ४०० पार का नारा देने वाली बीजेपी के लिए उत्तर प्रदेश बेहद महत्वपूर्ण राज्य है। एनडीए गठबंधन ८० सीटों वाले इस राज्य में २७ सीटों पर जोरदार चुनावी मुकाबले का सामना कर रहा है। इनमें से पश्चिम, मध्य और पूर्वांचल में ऐसी २० सीटें हैं। इसके पीछे वजह स्थानीय सांसदों के खिलाफ माहौल,

जातीय समीकरण और इंडिया गठबंधन के द्वारा उम्मीदवारों का चयन है। इन सीटों के नाम- अयोध्या, चंदौली, बांसगांव, खीरी, प्रतापगढ़, कैराना, अलीगढ़, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, पीलीभीत, मोहनलालगंज, अमेठी, कन्नौज, कौशांबी, इलाहाबाद, बाराबंकी, बस्ती, संत कबीर नगर, आजमगढ़ और बदायूं हैं। बीजेपी के स्थानीय नेताओं के मुताबिक पार्टी के उम्मीदवारों को अयोध्या, अमेठी, खीरी, आजमगढ़, कौशांबी, फतेहपुर सीकरी और प्रतापगढ़ में भी अपने कार्यकर्ताओं से जूझना पड़ा है। राज्य में ११ सीटों पर बीजेपी नजदीकी मुकाबले में है। इनमें से अधिकतर सांसदों के खिलाफ एक आम शिकायत यह है कि वे अपने लोकसभा क्षेत्र में इतने सक्रिय नहीं रहते थे। पीलीभीत, इलाहाबाद, बाराबंकी और फिरोजाबाद में बीजेपी ने अपने उम्मीदवारों को इस बार बदला है, जबकि सपा और कांग्रेस के गठबंधन ने स्थानीय जातीय समीकरणों के हिसाब से रणनीति बनाकर उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा। ऐसे में अब यही कहा जा सकता है कि एनडीए उम्मीदवारों की नैया मझधार में फंसी है।

अब मतगणना का इंतजार

लोकसभा चुनाव २०२४ की मतगणना ४ जून को होगी। इसके लिए काउंटडाउन शुरू हो गया है। महज ७२ घंटे का समय बचा है और इसके बाद जोधपुर में कौन सांसद होगा और सरकार को कौन चलाएगा इसके लिए जीत-हार का गणित लगना शुरू हो चुका है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही अपने-अपने तरीके से फिर से फीडबैक लेने में जुट गई है। इस बार लोकसभा क्षेत्र के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों में जो मतदान प्रतिशत घटा है, उसका असर भी सामने आएगा। पिछली बार की तुलना में मतदान प्रतिशत कम होना, नए समीकरण की ओर इशारा करता है। हालांकि, दोनों ही पार्टियां अपने-अपने जीत के दावे कर रही हैं, लेकिन राजनीतिक भविष्य जो जनता ने ईवीएम में दर्ज किया है, वह ४ जून को ही खुलेगा। सुबह ८ बजे पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में शुरू होगी। शुरुआत के एक घंटे में डाकमत पत्रों को गिना जाएगा। इसके बाद रुझान आने शुरू होंगे। तीन घंटे में हार-जीत की स्थिति काफी हद तक क्लीयर हो जाएगी। पोकरण, फलोदी, लोहावट, शेरगढ़ जैसे विधानसभा क्षेत्रों में मतदान ४ से ६ प्रतिशत तक घटा। इन तीनों ही स्थानों पर भाजपा के विधायक हैं। वहीं शहरी क्षेत्रों वाले विधानसभा क्षेत्र जैसे जोधपुर, सूरसागर व सरदारपुरा शामिल हैं, वहां मतदान घटा, लेकिन तुलनात्मक कम। ऐसे में दो भागों में मतदाता बंटे नजर आए थे।

राजस्थान का रण

गजेंद्र भंडारी

राजस्थान में बीजेपी को कितना नुकसान

देश में लोकसभा चुनाव के आखिर चरण का मतदान हो गया है। इसी दौरान फलोदी सट्टा बाजार से ताजा आंकड़ें जारी हुए हैं। राजस्थान में २ चरणों की वोटिंग के बाद ४ जून को नतीजे जारी होंगे, लेकिन उससे पहले फलोदी सट्टा बाजार के आंकड़ों ने सभी को चौंका दिया है। ऐसे में राजस्थान को लेकर हर कोई जानना चाहता है कि इस बार राजस्थान में बीजेपी की स्थिति कैसी रहने वाली है। बीजेपी को कितनी सीटों पर नुकसान होगा। एग्जिट पोल भी जारी होने शुरू हो गए हैं। अब देखना होगा कि क्या फलोदी का आंकड़ा सही बैठता है या नहीं। फलोदी बाजार के मुताबिक राजस्थान में बीजेपी बाड़मेर, झुंझुनूं, सीकर, चूरू हार सकती है, इन सीटों पर कांग्रेस की स्थिति मजबूत बताई गई है तो नागौर और टोंक में दोनों पार्टियों के बीच कांटे की टक्कर बनी हुई है। कुल मिलाकर इस बार मामला काफी पेचीदा है और फलोदी सट्टा बाजार से लेकर तमाम सट्टा बाजारों ने बीजेपी को नुकसान बताया है। सरकार किसकी बनेगी और अंतिम नतीजे क्या होंगे, यह तो ४ जून को ही पता चलेगा।

यहां बढ़ा सियासी पारा

लोकसभा चुनाव में राजस्थान की ही नहीं, बल्कि देश की 'सुपर हॉट सीट' बाड़मेर का चुनावी नतीजा अब बस एक दिन के बाद यानी ४ जून को सभी के सामने होगा। लेकिन इस नतीजे से ऐन पहले क्षेत्र का सियासी पारा एक अन्य कारण से गर्माया हुआ है। मामला बाड़मेर

केंद्रीय कारागृह में एक बंदी की संदिग्ध मौत से जुड़ा है। एक बंदी का मौत प्रकरण अचानक से जातिवाद की राजनीति में तब्दील हो गया है। दरअसल, संदिग्ध मौत प्रकरण सामने आने के बाद शिव विधायक व लोकसभा चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी ने मौके पर पहुंचकर जेल प्रबंधन के खिलाफ धरना दिया। मृतक बंदी के परिजनों के समर्थन में वे कुछ मांगों को लेकर रात भर धरनास्थल पर ही डटे रहे। आखिरकार जेलर को निलंबित करने और चिकित्सक को एपीओ करने की कार्रवाई हुई। इधर, इस कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बायतु विधायक हरीश चौधरी उतर आए हैं। उन्होंने सरकार के निर्देश पर जेल प्रबंधन की कार्रवाई का खुलकर विरोध जताया और इसे जातीय द्वेष भावना पूर्वक कार्रवाई बताया है। बायतु से कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि बाड़मेर जेल में हुई कैदी की मौत के मामले में हमने इस प्रकरण की न्यायिक जांच करके दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन बाड़मेर जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा बिना किसी जांच पड़ताल के जातीय द्वेष भावनापूर्वक जेलर और चिकित्सक के खिलाफ जो कार्रवाई करना दुर्भाग्यपूर्ण व असहनीय है।

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९ १४
सोमवार ३ जून २०२४

नाक से टाइपिंग कर बनाया रिकॉर्ड

टाइपिंग को लेकर हैरान कर देने वाला एक मामला चर्चा में है। आमतौर पर माना जाता है कि कोई शख्स ४० शब्द प्रति मिनट में टाइप कर सकता है, लेकिन एक भारतीय शख्स विनोद कुमार चौधरी ने टाइपिंग के मामले में अपना ही रिकॉर्ड ब्रेक किया है। इससे पहले वे

दो बार गिनिज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में जगह बना चुके हैं। ४४ साल के शख्स ने तीसरी बार खुद का रिकॉर्ड तोड़ा है। खास बात यह है कि ये भारतीय शख्स हाथ से नहीं, बल्कि नाक से टाइपिंग करता है। नाक से इसकी टाइपिंग स्पीड का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इससे पहले विनोद कुमार चौधरी का नाम दो बार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो चुका है। अब फिर से वे तीसरी बार अपना रिकॉर्ड तोड़कर नाम दर्ज करवा चुके हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड (जीडब्ल्यूआर) के अनुसार, ४४ साल के शख्स ने तीनों बार एक ही कैटेगरी में कमाल कर दिखाया है। पहली बार २०२३ में खिताब जीता था, तब २७.८० सेकंड में नाक से टाइपिंग की थी। इसके बाद उसी साल दूसरी बार २६.७३ सेकंड में टाइपिंग कर फिर से ये उपलब्धि हासिल की। अब चौधरी ने फिर २५.६६ सेकंड में ये कारनामा कर अपना रिकॉर्ड तीसरी बार ध्वस्त किया है।

खेल-खेल में प्यार हो गया
१ बॉयफ्रेंड की ३ गर्लफ्रेंड!

कपल में से कोई भी व्यक्ति अपने साथी को शारीरिक या मानसिक तौर पर किसी और के साथ बांटना नहीं चाहता। वैसे एक विदेशी समूह ऐसा है, जो इन बातों में यकीन नहीं करता। उनका मानना है कि प्यार बांटने से बढ़ता है। हम यहां 'ग्रुप' शब्द का इस्तेमाल इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि ये कपल नहीं है, बल्कि एक रिश्ते में बंधे ४ लोग हैं (१ बॉयफ्रेंड और ३ गर्लफ्रेंड्स), जो एक-दूसरे से गहरा प्यार करते हैं। १

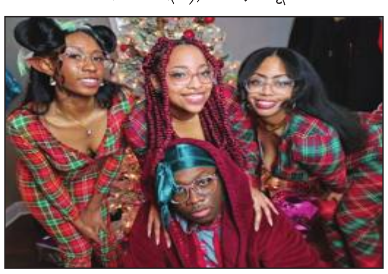

लड़के की ३ गर्लफ्रेंड्स हैं, जो सभी एक साथ रहते हैं और उनकी मुलाकात ऑनलाइन गेम खेलते हुए हुई थी। हाल ही में वे एक टीवी शो पर आए और अपनी जिंदगी के बारे में बताया। द सन वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, जब यह ग्रुप यूट्यूब के शो 'लव डोंट जज' पर आया और अपने बारे में बताया तो लोग काफी हैरान हुए। रेमंड नाम के एक व्यक्ति की ३ गर्लफ्रेंड्स हैं- टिफनी, जिजेल और हैमी। चारों की मुलाकात ऑनलाइन गेम खेलते हुए हुई थी। गेम खेलते-खेलते वे आपस में बातें किया करते थे। कई बार बातें रोमांटिक हो जाती थीं, तब टिफनी को लगा कि उन्हें इस ऑनलाइन दोस्ती को एक कदम आगे ले जाना चाहिए। जब उन्होंने बाकी तीनों लोगों के सामने यह प्रस्ताव रखा तो सभी ने इसे मान लिया। टिफनी ने शो पर कहा कि चारों के बीच की केमिस्ट्री ऐसी थी कि उन्हें लगता था जैसे वे हमेशा से एक-दूसरे के लिए बने थे।

यूपी में 'कुंभकरण' को जगाएंगे लेखपाल!

सेक्टर मजिस्ट्रेट के यहां ५ लेखपालों की लगी ड्यूटी

देशभर में मौसम की गर्मी के साथ ही चुनावी गर्मी भी है। १ जून को आखिरी चरण के मतदान के बाद एग्जिट पोल के आंकड़े भी आने शुरू हो गए हैं। इस चुनाव के दौरान अनेक वीडियोज, फोटोज के साथ अजीब तरह के आदेश भी वायरल हुए। ऐसा ही अजीब तरह का एक आदेश यूपी में जारी हुआ, जो जमकर वायरल हो रहा है। चुनावी ड्यूटी से जुड़े इस अजीबो-गरीब फरमान पर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। दरअसल, गोरखपुर में एक आदेश के तहत एक 'कुंभकरण' सेक्टर मजिस्ट्रेट को सुबह ४ बजे जगाने के लिए ५ लेखपालों की ड्यूटी लगाई गई। इसके लिए जारी किया गया आदेश वायरल हो रहा है।

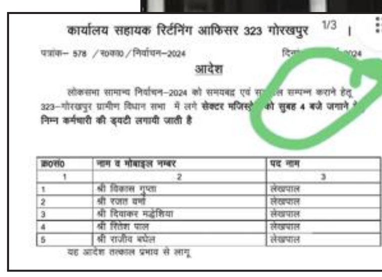

कार्यालय सहायक रिर्टनिंग आफिसर 323 गोरखपुर 1/3

पत्रांक- 578 /स0का0/निर्वाचन-2024

आदेश

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को समयबद्ध एवं ... सम्पन्न कराने हेतु 323-गोरखपुर ग्रामीण विधान सभा में लगे सेक्टर मजिस्ट्रेट ... को सुबह 4 बजे जगाने ... निम्न कर्मचारी की ड्यटी लगायी जाती है

क्र0सं0	नाम व मोबाइल नम्बर	पद नाम
1	2	3
1	श्री विकास गुप्ता	लेखपाल
2	श्री रजत वर्मा	लेखपाल
3	श्री दिवाकर मद्धेशिया	लेखपाल
4	श्री रितेश पाल	लेखपाल
5	श्री राजीव बघेल	लेखपाल

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू

दरअसल, लोकसभा चुनाव-२०२४ के दौरान ३२३ गोरखपुर ग्रामीण विधानसभा के सहायक रिटर्निंग ऑफिसर के हस्ताक्षर से यह आदेश जारी हुआ है। यहां विधानसभा क्षेत्र में तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेट को सुबह ४ बजे जगाने के लिए बाकायदा ५ लेखपालों की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही इस आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू भी किया गया। अब इसे देखकर हर कोई हैरान है।

सोशल मीडिया पर वायरल लेटर के मुताबिक, यह आदेश २८ मई को जारी किया गया। आदेश के मुताबिक, लेखपाल विकास गुप्ता, रजत वर्मा, दिवाकर मद्धेशिया, रितेश पाल, राजीव बघेल की ड्यूटी गोरखपुर ग्रामीण विधानसभा में तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेट को जगाने के लिए लगाई गई। इस आदेश के साथ ही सेक्टर मजिस्ट्रेट की सूची भी संलग्न की गई है। इस मामले को लेकर डिप्टी डीओ विनीत सिंह का कहना है कि ४ बजे सेक्टर मजिस्ट्रेट को सचेत कर दीजिए, जिससे कि वे समय पर निकल जाएं, लेकिन क्लर्क की मिस्टेक की वजह से ऐसा हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक, डीएम ने कहा था कि कंट्रोल रूम के चार लोगों की ड्यूटी सेक्टर मजिस्ट्रेट्स को सचेत करने के लिए लगा दो। उसमें बाबू ने आदेश में जगाने की बात लिख दी।

भैंस की सवारी

अक्सर ऐसी चीजें नजर आ जाती हैं, जिसे देखकर अपनी आंखों पर विश्वास नहीं होता है। आपने सड़कों पर पशुओं के झुंड को सड़कों पर उत्पात मचाते हुए देखा होगा। भारत में सड़कों पर कुत्ते और भैंस घूमते हुए बहुत मिल जाएंगे। इस समय एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देखकर किसी को भरोसा नहीं होगा। आपको फूल और कांटे फिल्म का सीन

याद आ जाएगा, जिसमें अजय देवगन दो बाइक पर सवारी करते हुए नजर आए थे। वीडियो में आपको दिख जाएगा कि एक कुत्ता बड़े आनंद लेकर दो भैंसों की सवारी कर रहा है। सबसे हैरान करने वाली बात तो ये है कि भैंस को मालूम ही नहीं पड़ता है कि उसके ऊपर एक कुत्ता खड़ा है। कुत्ता काफी दूरी तक बड़ी शान से भैंस के पीठ पर नियंत्रण बनाकर खड़ा रहता है। इस वीडियो को देखकर तो ऐसा लग रहा है जैसे कोई राजा रथ पर सवार होकर अपनी जनता से मिलने जा रहा हो। २४ सेकंड की ये वीडियो क्लिप तेजी से वायरल हो रही है। इस वीडियो को अब तक ३२ लाख से अधिक लोग देख चुके हैं, वहीं ६१ हजार से लोगों ने इसे लाइक भी किया है। इसके साथ ही यूजर्स तरह-तरह के कमेंट कर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक ने लिखा कि हर कुत्ते का समय आता है और आज का दिन इस कुत्ते के नाम है।

दहेज में नहीं मिली रजाई तो सास ने सुहागरात मनाने से रोका!

भारत में दहेज लेना अपराध की श्रेणी में आता है। दहेज लेने और देने वालों पर कानूनी कार्रवाई भी होती है। खैर, दहेज से जुड़ा एक हैरान करने वाला मामला उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में सामने आया है। बाराबंकी में एक सास ने अपने बेटे-बहू को इसलिए सुहागरात नहीं मनाने दी, क्योंकि बहू को मायके से दहेज में रजाई नहीं मिली थी। दहेज लोभी सास ने नई-नवेली दुल्हन की जिंदगी में भूचाल ला दिया। झल्लाई सास ने अपने बेटे-बहू की सुहागरात भी नहीं होने दी। दुल्हन ने इस मामले की शिकायत परिवार परामर्श केंद्र पर की है। घटना मसौली थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के मुताबिक, लड़की जब शादी

करके ससुराल पहुंची तो दहेज को लेकर सास ने ताने मारने शुरू कर दिए। सर्दी का समय था, फिर भी सोने के लिए छत पर गई। उसे छत पर सोता हुआ देखकर सास ने रजाई के लिए पूछा। सास को जब पता चला कि बहू मायके से रजाई लेकर नहीं आई है तो गुस्सा हो गई और भला-बुरा कहने लगी। कुछ देर बाद उसका पति रजाई लेकर पहुंचा तो सास ने उसके हाथ से रजाई छीन ली और सुहागरात भी नहीं होने दी। बाद में पति भी उससे दूर रहने लगा। सास से इस बारे में बात की तो उसने कहा कि मेरा बेटा वहीं करेगा, जो मैं कहूंगी। १५ दिन बाद वह अपने भाई के साथ मायके लौट आई।

मौत के बाद भी ऑफिस जाती रही महिला

कई बार लोग मौत के बाद कहानी बताते हैं। वैसे अधिकतर इस तरह के मामले आत्माओं और भूत-प्रेतों से जुड़ा होता है तो कई बार इसमें कुछ और घपला होता है। अब एक ऐसी कहानी सामने आई है, जहां महिला की मौत के बाद भी वो रोजाना दफ्तर जाती रही। ऑफिस से रिकॉर्ड में भी उसका नाम १४ साल तक मौजूद रहा। दरअसल, चीन के इनर मंगोलिया की रहने वाली महिला ने कार दुर्घटना में अपनी बहन के मरने के बाद चुपचाप उसकी आईडी ली और उसकी फैक्ट्री में काम करना शुरू कर दिया। वो दोनों जुड़वां भी नहीं थी, फिर भी महिला ने साल २००७ तक कारखाने में काम किया। वुहाई के हैबोवन डिस्ट्रिक्ट पीपुल्स कोर्ट के मुताबिक, उसने १६ साल तक पेंशन भी ली। जब उसका ये फ्रॉड खुला तो महिला ने सारी बातें स्वीकार कीं और पैसे चुकाने की भी बात कही। अब एक तरफ जहां उसे ३ साल की सजा और करीब ३ लाख का जुर्माना भरने के लिए कहा गया है, वहीं सोशल मीडिया पर लोग उसका पक्ष भी ले रहे हैं।

जुल्म की हो गई इंतहा भूख हड़ताल पर बैठे कैदी!

जेलों में कैदियों पर जुल्म होते हैं यह कोई अनोखी बात नहीं है, लेकिन कई बार जेलों में जुल्म की इंतहा हो जाती है। ऐसा ही कुछ हाल ही में अमेरिका के वर्जीनिया के 'रेड ओनियन' स्टेट जेल में हो रहा है। यह कुख्यात 'सुपरमैक्स' जेल कैदियों के साथ कठोर व्यवहार के लिए मशहूर है, जिसमें कुछ को कथित तौर पर प्रत्येक दिन २३ घंटे 'एकांत कारावास' में बिताने के लिए मजबूर किया जाता है।

बता दें कि वर्जीनिया की पश्चिमी सीमा पर वाइज काउंटी में स्थित, 'रेड ओनियन' स्टेट जेल दो जेलों से बनी है, जो एक दूसरे से थोड़ी ही दूरी पर हैं। रेड ओनियन को १९९८ में खोला गया था और इसमें ८०० से अधिक कैदी हैं, जिनमें अमेरिका के कुख्यात अपराधी शामिल हैं। किसी भी अमेरिकी जेल में जीवन कभी भी आसान नहीं होता है, लेकिन रेड ओनियन के अंदर हालात ऐसे हो गए कि कैदियों ने हाल ही में भूख हड़ताल कर दी, ताकि दुनिया को पता चल सके कि उनके साथ कितना बुरा बर्ताव किया जा रहा है।

'सुपरमैक्स' होने का मतलब है कि रेड ओनियन को कुछ लोग एकांत कारावास के समान बताते हैं, जिसमें कैदियों को ८-१० फुट के सेल्स में रखा जाता है। वर्जीनिया डिपार्टमेंट ऑफ करेक्शंस के प्रवक्ता काइल गिब्सन के अनुसार, इस समय रेड ओनियन स्टेट जेल में सात कैदी भूख हड़ताल पर हैं। ये भूख हड़तालें अलग-अलग हैं यानी हर कैदी के पास भूख हड़ताल का एक खास कारण है। पूर्व कैदी केनेथ हंटर द्वारा आयोजित एक फेसबुक टाउन हॉल ने कुछ कारणों को गिनाया है। इसमें गार्डों का बुरा बर्ताव, एकांत कारावास और कुत्तों का धमकाने और डराने के लिए उपयोग शामिल है। हड़ताल करने वालों ने जोवेल ले गेंड्रे की असामयिक मौत की ओर भी ध्यान खींचने की कोशिश की, उसकी २४ अगस्त २०२३ को हिरासत में मौत हो गई थी।

दोपहर का सामना
www.hindisaamana.com
epaper.hindisaamana.com
सोमवार ३ जून २०२४ १५

ब्रजभाषा व्यंग्य

संतोष मधुसूदन चतुर्वेदी

‘सिर सलामत तौ पगड़ी हजार’

जो भयौ वौ अच्छे कूं, भगवान कौं धन्नवाद!

इक गरीब जनौ ओ बानें तीस बरस तलक रात-दिना मेहनत-मजूरी करी औरु कौड़ी-कौड़ी जोरकें अपुने परिवार कूं घर बनाइबे मै सगरौ पईसा लगाय दीनों या तरियां सूं बाकौ घर बनकें त्यार है गयौ। बाके बाद अपुने परिवार के संग अपुने नये घर मै बसबे कूं पंडित सूं इक सुभ महूरत निकसबायौ। पर बा दिन सूं सिरफ दो दिना पैलें धरती हिली, घनघोर बरसा भयी औरु बाकौ घर पूरी तरियां सूं धरती में धड़ाम सूं धंस गयौ। जैसें ई गरीब आदमी कूं या बात कौ पतौ लगौ तौ अपुने नये घर मै जाइबे सूं पैलें बौ दौरौ दौरौ होरी दरवज्जे बारे ब्रजवासी की दुकान पै पाँचकें बासूं पाच किलो पेड़ा खरीद लिये। पेड़ा लैकें आदमी बा जगै पहुंचौ जहँ भौत जने अड़ोसी-पड़ौसी, यार-दोस्त खड़े हते औरु बाके लियें चिंता व्यक्त कर रह्यो। म्हां रहबे सौं पैलेंई बानें अपुनौ घर खोय दीयौ। कछुन नें बाकूँ मनाइबे की कोसिस करी। लेकिन वौ आदमी डिब्बा मै सूं पेड़ा निकासकें सबन‌ंकूं बांटबे लगौ औरु गीत गामते भये नाचन लगौ की ‘सिर सलामत तौ पगड़ी हजार, द्वारिकधीश की किरपा सूं बच गयौ परिवार’ जित्ते हू जने म्हां पै मौजूद हते, वे सब यै देखकें दात’न मै उगरिया दबान लगे।

बाकौ एक मित्र बोलौ- ‘पगला तौ नाँय है गयौ? टूट गयौ तेरौ नयौ बनौ मकान, जिनगी की कमाई बर्बाद है गयी तू यहाँ खुशी सौं पेड़ा बाँट रह्यो!!’

गरीब आदमी ठहाके मारत भयौ बोलौ- ‘आप या घटना कौ एक पच्छ ई देख रह्ये हौ या लियै दूसरौ पच्छ नाँय देख पाय रह्यो। अच्छौ भयौ घर आज ही गिर परौ। नाँय तौ दो दिना बाद गिर परौ होतो तौ का होमतो जब मैं या घर मै अपुने परिवार के संग रह रह्यो होमतो। अगर यै बा समै गिर गयौ होमतो तौ मैं, मेरी घरबारी औरु बच्चा सब मर गये होमते! तब कितनौ बड़ौ नुकसान भयौ होमतो? तौ जोऊ भयौ अच्छे के लियै भयौ।’ कैऊ दम ऐसौ होबै जब हमकूं लगै की हमने सबकछु खोय दियौ लेकिन बा समै, अगर हम मुस्किल अस्थिति की तरफ सकारात्मक दृष्टिकोण रखें तौ हम बा स्थिति सौं शांत औरु बेहतर तरियाँ सूं निपट सकें। हमेसा काऊ सी भी अस्थिति मै भगवान कूं धन्नवाद करनौ चईयें।

उल्हासनगर की बिगड़ी बिजली व्यवस्था!

सिटीजन रिपोर्टर

उल्हासनगर

उल्हासनगर में बिजली की आंख-मिचौली इस कदर शुरू है कि बिजली कब आएगी? इसका पता नहीं रहता है। यही कारण है कि उल्हासनगर के बिजली विभाग को आज उल्हासनगर के लोग बिगड़ी विभाग का नाम दे रहे हैं। मजेदार बात तो यह है कि बिजली विभाग बिजली की खराबी, उसकी मरम्मत के लिए धन की कमी महसूस न हो, इसके लिए महंगी बिजली बिल के अलावा डिपॉजिट भी बीच-बीच में जमा करवा लेते हैं। इसके बावजूद बिजली विभाग की यंत्रणा बार-बार फेल हो जाती है। ‘दोपहर का सामना’ के सिटीजन रिपोर्टर विनोद शुक्ला ने इस समस्या को उजागर किया है।

विनोद शुक्ला ने बताया कि इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। इस गर्मी में बिजली विभाग आएदिन फेल होता जा रहा है। शुक्रवार को लाइन, पोल, दुरुस्ती जैसी तमाम कारणों के चलते एक-दो घंटे नहीं बल्कि आठ-दस घंटे तक लाइट बंद कर दी जाती है। अब मानसून पूर्व पेड़ से घिरे बिजली के तार को पेड़ के संपर्क से दूर रखने के लिए छंटाई का काम चल रहा है। बिजली विभाग की सड़ी-गली व्यवस्था के कारण बिजली कब गुल हो जाएगी, कहा नहीं जा सकता है। विनोद ने बताया कि गुरुवार की रात को गई बिजली शुक्रवार को ढाई बजे शाम को आई। करीबन बारह घंटे बाद। स्थानीय लोगों का मानना है कि बिजली विभाग को अपनी सड़ी-गली व्यवस्था को सुधारना चाहिए। एक दिन बिजली का बिल लेट होने पर बिजली बिना बताए काट दी जाती है। उल्हासनगर में ओपन ओवरहेड वायर होने के कारण बिजली जब देखो, बिगड़ी रहती है। इन दिनों पेड़ों की छंटाई के कारण शहर नर्क बन गया है। उल्हासनगर में बिजली की आवाजाही के कारण लोग परेशान हैं। एक दो घर की बिजली जाने पर जल्द मरम्मत नहीं की जाती। कई जगह के पोल देख-रेख के अभाव में खराब हो रहे हैं। बिजली विभाग की तरह-तरह की यातना के चलते पढ़ाई कर रहे बच्चों, हृदय रोगी, अन्य तरह के मरीज गर्मी से परेशान हो रहे हैं। बिजली विभाग के अधिकारियों को चाहिए कि बिजली विभाग की बिगड़ी दशा को सुधारें, जिससे उल्हासनगर के लोग उल्हास के साथ जी सकें।

सिटीजन रिपोर्टर में अपनी समस्याओं को भेजने के लिए हमारे संवाददाता संदीप पांडेय से ७०८१७५०१७१ पर संपर्क करें।

संपादक के नाम पत्र

मानसून पूर्व हो बांध की सफाई

नालों के माध्यम से नदी में कचरा न जाए, इसके लिए उपाय योजना के तहत एनजीटी व सर्वोच्च न्यायालय की सूचना का पालन करने के लिए उल्हासनगर मनपा प्रशासन द्वारा ऐसे छोटे-छोटे व आधे-अधूरे लोहे की जाली में पत्थरों से बने गेबियन बांध बनाए गए हैं, लेकिन यह प्रयास सिर्फ कोर्ट को दिखाने के लिए किए जा रहे हैं, ताकि कोर्ट के आदेश की अवमानना न हो। इस बांध की समय-समय पर साफ-सफाई करवाने की जरूरत है। साथ ही मानसून में इस बांध पर निगरानी रखने की भी जरूरत है कि कहीं मानसून के समय इसकी वजह से आस-पास के इलाके में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा न हो? उल्हासनगर मनपा के सार्वजनिक बांधकाम व सफाई विभाग पर निरंतर सफाई करने की जिम्मेदारी होती है।उल्हासनगर-१ शहाड स्टेशन के सामने कोणार्क रेजिडेंसी, टेलीफोन एक्सचेंज के पीछे के नाले में ऐसा ही आधा-अधूरा गेबियन बांध बनाया गया है। अन्य जगह पर भी बांध बनाया गया है, जिसकी वजह से बाढ़ की स्थिति को देख स्थानीय लोग परेशान हैं। मनपा प्रशासन व संबंधित विभाग को चाहिए कि ऐसी मामूली बातों को नजरअंदाज न करें अन्यथा आनेवाले दिनों में किसी अनहोनी के होने की संभावना है। नाले में से पानी की लाइन में कचरा फंसने से काफी इलाके जलमग्न हो जाते हैं। मनपा प्रशासन के सफाई, सार्वजनिक बांधकाम, जलापूर्ति जैसे तमाम विभाग को सतर्क रहने की जरूरत है।

-राजेश पवार, उल्हासनगर

पाठकों की पाती

मुंबईकरों का ‘जंबो’ हाल

लाइफलेस बनी ‘लाइफलाइन’

‘दोपहर का सामना’ में प्रकाशित खबर ‘लाइफलेस बनी लाइफलाइन’ से सरकार और रेलवे की नाकामी और नागरिकों के प्रति लापरवाही का पता चलता है। रेलवे ने बिना किसी तैयारी के मेगा ब्लॉक का एलान कर दिया। यात्री जहां पहले ही रेलवे की लापरवाह कार्यप्रणाली से परेशान थे, वहीं ठाणे और सीएसएमटी प्लेटफॉर्म के विस्तार के नाम पर यात्रियों की समस्याएं दोगुनी-तिगुनी हो गई हैं। ट्रेनों में इस कदर भीड़ होती है मानों इंसान नहीं, बल्कि इन लोकल ट्रेनों में भूसे भरे हों। वहीं इन रूटों पर जो कम ट्रेनें चलाई जा रही हैं वह भी काफी देरी से चल रही हैं। इससे यात्रियों को अपने गंतव्य स्थान पर पहुंचने के लिए एक से दो घंटे की देरी हो रही है। रेलवे और सरकार को अपनी इन खामियों पर गौर करना चाहिए। **-रोशन पाटील**, मीरा रोड

मीरा-भायंदरवासी परेशान

आधे-अधूरे निर्माण कार्य से परेशान मीरा-भायंदरवासी

‘दोपहर का सामना’ में प्रकाशित खबर ‘परेशान मीरा-भायंदरवासी’ को पढ़कर यह कहना चाहूंगा कि सरकार और मनपा के द्वारा किए जा रहे कार्यों से सिर्फ मीरा-भायंदरवासी ही नहीं, बल्कि पूरा मुंबईकर परेशान है। मनपा द्वारा या तो किसी चीज की अनदेखी की जाती है या फिर जो काम किया भी जा रहा तो वह अधर में लटका हुआ है। इससे नागरिकों को किन-किन तकलीफों से गुजरना पड़ता है इसका ख्याल न मनपा को है और न ही डबल इंजन वाली सरकार को। इन्हें तो बस बड़े-बड़े दावे करने आते हैं, जबकि जमीनी स्तर पर हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। अब यही देख लीजिए, मानसून करीब है और अभी भी मनपा का सारा काम आधा-अधूरा पड़ा है। फिर वो चाहे सड़क निर्माण हो या नालों की सफाई। मनपा को इन सभी कामों को समय से शुरू करवाना था, ताकि काम समय पर पूरा हो सकता। **-अमित सुतार**, दहिसर

मेहनतकश

सगीर अंसारी

मेहनत ने बदली किस्मत!

हर किसी की जिंदगी में उतार-चढ़ाव तो आते ही रहते हैं। ये तो हर किसी की जिंदगी का हिस्सा है। कुछ लोग हार मानकर परिस्थितियों को स्वीकार कर इसे अपनी किस्मत समझ लेते हैं तो कुछ इसे चुनौती मानकर अपने दम पर अपनी किस्मत को बदलने का फैसला कर लेते हैं। आज हम ऐसे ही एक मेहनतकश शख्स की बात करनेवाले हैं, जिनका नाम है, साजिद खान। जिन्होंने तकलीफों के बावजूद भी अपनी तरक्की की उड़ान को धीमा नहीं होने दिया। साजिद खान के पिता मुनव्वर खान उत्तर प्रदेश के जिला आजमगढ़ के ढकवा गांव से १९७१ में मुंबई रोजी-रोटी की तलाश में आए थे और फिर गली-गली घूमकर कंधे पर कपड़ों का गठ्ठर लटकाए कपड़े बेचते थे और अपने बच्चों की अच्छी परवरिश के लिए उन्हें विदेश भी भेजना चाहते थे। इसी दौरान साजिद खान ने १२वीं तक शिक्षा प्राप्त करने के बाद कंप्यूटर हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने दुबई चले गए। साजिद खान दुबई से अपना पूरा कारोबार बंद कर हिंदुस्थान चले आए। यहां आने के बाद परिवार के उज्ज्वल भविष्य के साथ-साथ देश के गरीबों का सहारा बनने का मन बनाया और ‘आम आदमी पार्टी’ के दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की बेबाक राजनीति से प्रेरित होकर देश में बढ़ रहे भ्रष्टाचार को रोकने में उनकी मदद का मन बनाया। वर्ष २०१३ में ‘आप’ से जुड़कर लोगों की सेवा के साथ मुंबई में आम आदमी पार्टी को बढ़ाने की जद्दोजहद शुरू कर दी। कोरोना महामारी के दौरान देश समेत मुंबई व गोवंडी क्षेत्र की हालत को देखते हुए बिना अपनी जिंदगी की परवाह किए वे लोगों के बीच गए। साजिद खान मानना था कि गोवंडी के रहिवासियों में गरीबी रेखा के नीचे रहने वालों की तादाद ज्यादा थी और इनमें अप्रवासी मजदूर भी काफी तादाद में थे, जिनके लिए सबसे बड़ी समस्या दो वक्त की रोटी का जुगाड़ करना था, उन लोगों की इस समस्या को देखते हुए उन्होंने अपने साथियों की मदद से रोजाना १४ हजार लोगों को दिन में दोनों समय पाव-भाजी बांटी, जिससे इन अप्रवासी मजदूरों के खाने की समस्या दूर हुई। इसके अलावा जो लोग अपने परिवार के साथ रहते थे, उनके घरों में राशन की समस्या को देखते हुए तकरीबन २,६०० जरूरतमंद परिवारों के बीच कुल ३८ हजार राशन किट बांटी। चिपलून में आई आपदा में वहां के लोगों के लिए भी उन्होंने ३ हजार राशन की किट पहुंचाई थी। साजिद खान की नजर में उनके परिवार के साथ-साथ मुंबई भी उनका ही परिवार है। उनका कहना है कि आज देश में जाति-पांति और धर्म की राजनीति हो रही है। आज वे केवल ‘आप’ के ही सदस्य नहीं बल्कि ‘इंडिया’ गठबंधन के भी सदस्य हैं। हमेशा लोगों की मदद में तत्पर रहने वाले साजिद खान अपने दो बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के साथ अपने भाइयों के परिवार का भी खास ख्याल रखते हैं।

(यदि आप भी मेहनतकश हैं और अपने जीवन के संघर्ष को एक उपलब्धि मानते हैं तो हमें लिख भेजें या व्हाट्सऐप करें।)

किस्सों का सबक

डॉ. दीनदयाल मुरारका

सफाई कर्मचारी

ईश्वरचंद्र विद्यासागर मानव सेवा को ही सर्वोत्तम मानते थे। एक बार कोलकाता महामारी की चपेट में आ गया। ऐसे विकट समय में ईश्वरचंद्र विद्यासागर कॉलेज जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने एक व्यक्ति को सड़क पर बुरी तरह से कराहते हुए देखा। उसके समीप ही झाड़ू पड़ा हुआ था। झाड़ू आदि को देखकर वह समझ गए कि यह सफाई कर्मचारी है और महामारी की चपेट में आ गया है।

उन्होंने उसे हाथ लगाया तो पाया कि वह तेज बुखार से पीड़ित है। मौके की नजाकत समझते हुए वे उस सफाईकर्मी को अपने घर ले आए। उसे बिस्तर पर लिटाकर डॉक्टर को दिखाया और दवा दिलवाई। सफाईकर्मी महामारी से पीड़ित होकर अत्यंत कमजोर हो चुका था। वह खड़ा हो पाने में भी असमर्थ था। यह देखकर ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने उसे पकड़कर बिठाया और उसके शरीर की सफाई की। उस मरीज की इतनी सेवा करते देख उनके एक निकट संबंधी ने कहा, क्या आप इन्हें पहचानते हैं कि यह कौन है? विद्यासागर बोले, हां यह और मैं दोनों ही इंसान हैं और एक ही पेशे से हैं। पेशे में फर्क इतना है कि मैं ज्ञान के माध्यम से समाज में फैली बुराइयों की सफाई करता हूं और यह सफाई कर्मी होने के कारण समाज में फैली गंदगी की झाड़ू से सफाई करते हैं। अतः मेरा हमपेशा होने के कारण यह मेरा भाई हुआ। उस मरीज ने जब ईश्वरचंद्र विद्यासागर के यह शब्द सुने तो उसकी आंखें भर आईं, क्योंकि उसके निकट संबंधी भी उससे अपना नाता छोड़कर चले गए थे। तब विद्यासागर अपने निकट संबंधी से बोले, मित्र वास्तव में मानव सेवा ही सर्वोत्तम है। ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने अपने जीवन में मानवता के इस तरह कई उदाहरण प्रस्तुत किए, जो आज भी प्रेरणा देने का काम करते हैं।

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
सोमवार ३ जून २०२४ १६

बेरोजगार का नया कारोबार

अभिनेता **इमरान खान** काफी वक्त से बॉलीवुड से गायब हैं। उनकी फिल्मों की भी कोई खबर नहीं है और न ही कहीं और एक्टिंग की दुकान ही चल रही है। बोले तो बाबू बॉलीवुड में बेरोजगार हैं। मगर इसके बावजूद इमरान के पास लगता है पैसों की कोई कमी नहीं है। इमरान बेरोजगार हैं लेकिन हाल ही में उन्होंने ऐसा काम किया है कि अब लोग कह रहे हैं कि यह बेरोजगार तो खजाने के ऊपर बैठा है। असल में इमरान ने पहाड़ी के ऊपर एक बंगला बनवाया है और इस शानदार बंगले की तस्वीर सोशल मीडिया पर डाल दी है। इमरान ने लिखा कि उन्होंने खुद इसकी डिजाइन तैयार की है। अब इसके बाद लोग शुरू हो गए। लोगों का यही कहना था कि अरे भाई तुम्हारे पास काम धाम तो है नहीं, न कोई आमदनी का जरिया दिखता है ऐसे में इस बंगले को बनाने का पैसा कहां से आया? अब जनाब सफाई देते फिर रहे हैं कि उन्होंने फला काम किया था, ऐसा किया था, वैसा किया था वगैरह। अब आप समझे लोग कितने एक्टिव और समझदार हो गए हैं। वैसे इस बेरोजगार बाबू के पास इतना माल कहां से आ रहा है, यह वाकई रहस्यमयी बात है न? पर आप निश्चिंत रहिए, बिग बॉस जल्द ही इसका पता लगा लेंगे।

बिग बॉस

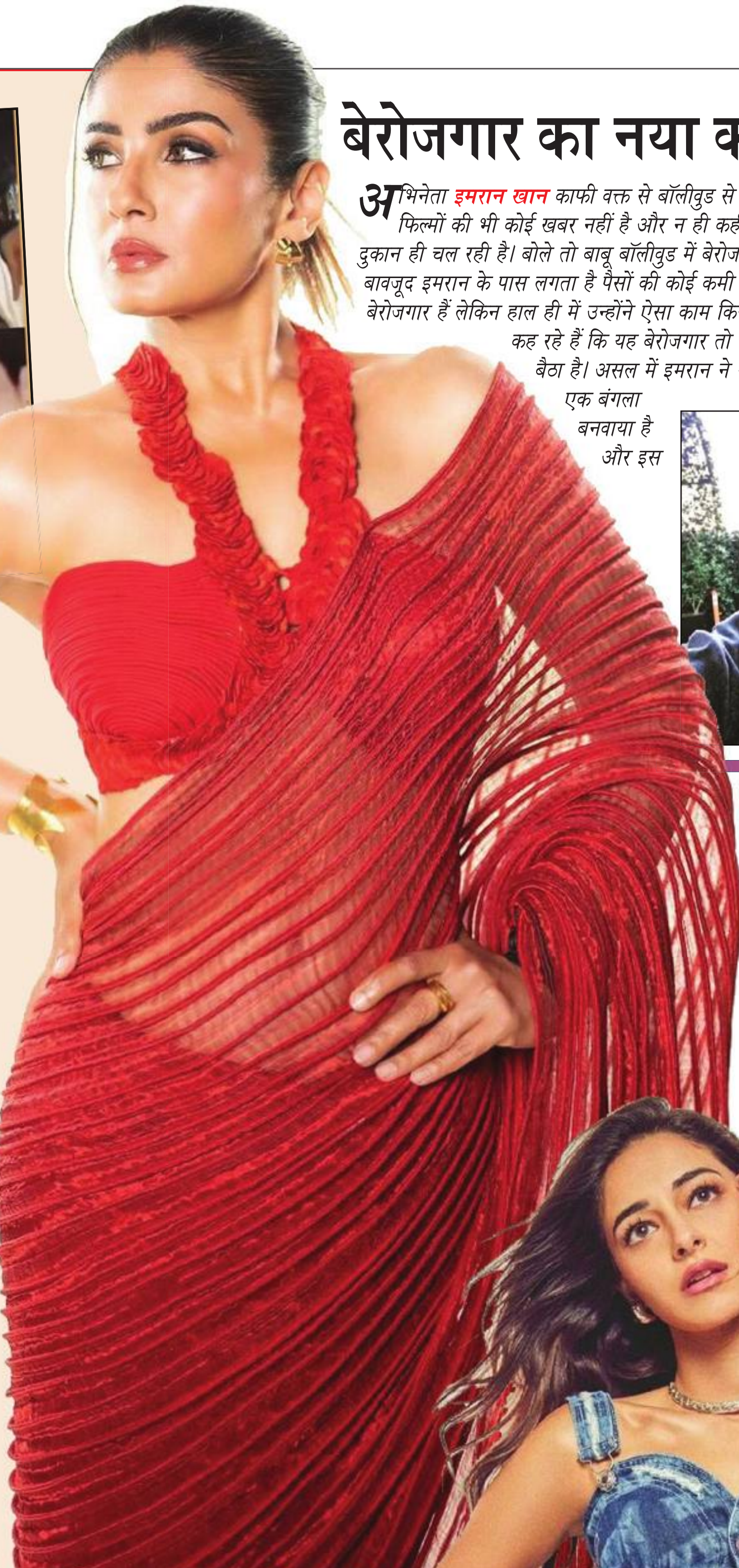

मस्त-मस्त गर्ल ने की कुटाई

रवीना टंडन की अब उम्र हो चली है मगर तेवर वही 'मोहरा' वाले दिनों के हैं। जी हां, बात **रवीना टंडन** की हो रही है। अब उनके हालिया कारनामे को सुनेंगे तो आप भी दांतों तले उंगलियां दबा लेंगे कि इस मस्त-मस्त गर्ल को हुआ क्या है? असल में रवीना ने दो दिन पहले रात के वक्त अपने घर के बाहर एक परिवार की कुटाई कर दी। इसका एक वीडियो भी वायरल हो गया है। उस वीडियो में रवीना के हाथ में फोन है और वह एक भीड़ के बीच लड़ती-झगड़ती और जोर-जोर से बोलती दिखाई दे रही है। चर्चा है कि रात के वक्त रवीना की कार से किसी महिला को धक्का लग गया। गलती रवीना के ड्राइवर की थी। इसके बाद वहां झगड़ा शुरू हो गया और रवीना ने उतरकर खूब हंगामा मचाया। पीड़ित परिवार पुलिस स्टेशन भी गया पर पुलिस ने उसकी न सुनी तो उसने वीडियो बनाकर उसे वायरल कर दिया। अब देखना है इस मामले पर रवीना की क्या मस्त- मस्त सफाई आती है।

आउच...मर्दों का भी कास्टिंग काउच

लोगों को गलतफहमी है कि बॉलीवुड में सिर्फ नायिकाओं के साथ ही कास्टिंग काउच का मामला होता है। कास्टिंग काउच यानी रोल के बदले इनडिसेंट प्रपोजल। यह भी अंग्रेजी हो गई...चलिए हिंदी में ऐसा समझिए कि रोल दिलाने के नाम पर बेड पर घसीटना। अब 'बिग बॉस-१७' फेम **अभिषेक कुमार** को यहां कुछ ऐसे ही अनुभव से गुजरना पड़ा। हाल ही में एक पॉडकास्ट में अभिषेक ने यह खुलासा किया। कुछ साल पहले जब अभिषेक स्ट्रगल कर रहे थे तब उनकी मुलाकात एक शख्स से हुई, जो समलैंगिक था। उसने अभिषेक को रोल दिलाने के नाम पर तरह-तरह के ख्वाब दिखाए। एक दिन ऑडिशन के बहाने उसने गलत कर डाली। इसके बाद अभिषेक को इतनी ग्लानि हुई कि उनके जी में आत्महत्या का ख्याल तक आ गया था। इसके बाद उन्होंने घर वापस लौटने की सोची और सीधे ट्रेन में जा बैठे। अभिषेक अपने पिता के खिलाफ एक्टर बनने के लिए उनकी मार खाकर मुंबई आए थे। वापसी में उन्होंने ट्रेन से ही मां को सारी बातें फोन पर बताई तो वे रोने लगीं। बोलीं, बेटा जल्दी वापस आ जाओ। फिलहाल, वे उस बुरे दौर से निकल चुके हैं और इन दिनों 'खतरों के खिलाड़ी १४' की शूटिंग में बिजी हैं।

टेलर का टाटा, बाय-बाय

अभी जुम्मे-जुम्मे चार दिन पहले तो शादी हुई थी और न जाने क्या हुआ कि अभिनेत्री **नीति टेलर** अपने पति से नाराज हो गईं। नाराजगी भी इतनी ज्यादा की अपने सोशल मीडिया हैंडल से पति को ही अनफॉलो कर दिया। बहरहाल, बिग बॉस के कानों में यह बात उड़ते-उड़ते पहुंची है की नीति टेलर और उनके पति **परीक्षित बावा** के बीच अनबन हो गई है। अनबन भी कोई छोटी-मोटी नहीं, बल्कि बड़ी वाली हुई है। इससे नीति टेलर इतनी नाराज हो गई कि उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से अपने नाम के आगे से पति का सरनेम ही हटा दिया। पति का नाम सार्वजनिक तौर पर कोई हटाता है भला। और अगर हटाता है तो जरूर कोई बात होगी। सुनने में आया है की नीति ने अपनी ससुराल वालों के फोटोस भी हटा दिए हैं। उड़ती चिड़िया तो कानों में यही चहचहा रही है कि दोनों के बीच बात तलाक तक पहुंच गई है। बोले तो नीति टेलर ने अपने पति को टाटा, बाय-बाय, कहने की पूरी तैयारी कर ली है। अब इस अलगाव की वजह क्या है, यह तो फिलहाल नहीं पता पर आने वाले दिनों में इसका भी खुलासा हो जाएगा।

पांडे जी का ब्रेकअप हो गया

बॉलीवुड में तो हर चीज का सेलिब्रेशन होता है, चाहे वह चीज अच्छी हो या बुरी। अब बिग बॉस को खबर लगी है कि अभिनेत्री **अनन्या पांडे** इन दिनों 'सैंया जी से मेरा ब्रेकअप हो गया...' गाना गुनगुना रही हैं। अजी इस गाने को गुनगुनाने की भी एक वजह है। जैसा कि सभी को पता है अनन्या पांडे पिछले काफी समय से एक्टर **आदित्य राय कपूर** के साथ देखी जा रही हैं। बॉलीवुड का एक फैशन है कि यहां अपने रिलेशनशिप को जल्दी कोई स्वीकार नहीं करता। अगर आप में अकल है तो मामला समझ जाइए। अब आदित्य और अनन्या दोनों ने ही अपने इनर सर्कल में इस ब्रेकअप की खबर को हवा दे दी है। हालांकि, ब्रेकअप क्यों हुआ इस पर उन्होंने चुप्पी साध रखी है। पब्लिकली दोनों ही इस पर कोई भी कमेंट करने से बच रहे हैं। मगर लाख छुपाओ ऐसी चीज भला छुपती कहां है? वैसे हमारी तो यही सलाह है की पांडे बेबी अभी तुम्हारी उम्र ही क्या है, एक्टिंग-वेक्टिंग पर ध्यान दो और अपना करियर बनाओ। कहां इस अफेयर और ब्रेकअप के चक्कर में अपना करियर बरबाद कर रही हो।